आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, गुरूवार
29 मई 2025
वर्ष: 38, अंक: 173
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

फीचर

'बिग बॉस' फेम बंदगी कालरा के घर लाखों की चोरी, बहन की शादी के लिए घर में रखे थे कैश

झारखंड

चार प्रमुख सड़कों का 8 करोड़ लागत राशि से सड़क सुदृढ़ीकरण कार्य का विधायक ने किया शिलान्यास

हज़ारीबाग

सरना धर्म कोड लागू करने की मांग को लेकर झामुमो का एकदिवसीय धरना

लातेहार में माओवादी ठिकाने से भारी मात्रा में विस्फोटक व हथियार बरामद

क्राइम संवाददाता द्वारा

लातेहार: लातेहार जिले में सुरक्षाबलों को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। दो दिन पहले माओवादियों के साथ हुई मुठभेड़ के बाद बुधवार को पुलिस ने जिले के एक जंगल से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, हथियार और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। यह कार्रवाई नेतारहाट थाना क्षेत्र के तहत आने वाले टूटा पानी जंगल में आदे गांव के पास की गई।

जंगल में तलाशी के दौरान मिली बरामदगी ञ्पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने जानकारी दी कि यह बरामदगी सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान हुई। जंगल में छिपाकर रखे गए आठ आईईडी बरामद किए गए, जिनका वजन आधा-आधा किलो था। इन सभी विस्फोटकों को मौके पर ही सीआरपीएफ की बम निरोधक टीम ने निष्क्रिय कर दिया।

इसके अलावा सुरक्षाबलों को एक 7.62 बोर की एसएलआर राइफल, 9 एमएम बोर की एक कार्बाइन, 150 जिंदा कारतूस, 5.56 एमएम बोर की 40 गोलियां और 9 एमएम बोर की कई गोलियां भी मौके से मिली हैं। पुलिस का मानना है कि इन हथियारों का इस्तेमाल माओवादी गतिविधियों में किया जाना था।

रविवार को हुई थी मुठभेड़, मारा गया था इनामी नक्सलीञ्इससे पहले रविवार की रात सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। यह मुठभेड़ मौहदान्द थाना क्षेत्र के दौना जंगल में हुई थी। मुठभेड़ के दौरान मनीष यादव नामक एक कुख्यात माओवादी ढेर हो गया था। उस पर सरकार ने पांच लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।इसी मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबलों ने कुंदन खेरवार उर्फ सुधीर सिंह नाम के एक और वरिष्ठ माओवादी नेता को गिरफ्तार किया था, जिस पर दस लाख रुपये का इनाम घोषित था। यह गिरफ्तारी सुरक्षाबलों के लिए एक बड़ी सफलता मानी जा रही है।

नक्सलियों के खिलाफ लगातार चल रही है कार्रवाई ञ्पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने बताया कि माओवादियों के खिलाफ चलाया जा रहा अभियान लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि जिले में नक्सलियों के संभावित ठिकानों पर लगातार तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, ताकि उनके नेटवर्क को पूरी तरह से ध्वस्त किया जा सके।

लातेहार जिला झारखंड के उन संवेदनशील इलाकों में शामिल है, जहां माओवादी लंबे समय से सक्रिय रहे हैं। सुरक्षाबलों द्वारा चलाए जा रहे अभियान के चलते इन इलाकों में माओवादियों की गतिविधियों पर काफी हद तक अंकुश लग चुका है, और पुलिस को उम्मीद है कि आने वाले समय में इन पर पूरी तरह से काबू पा लिया जाएगा।

एक महीने में जारी करें सहायक आचार्य नियुक्ति का परिणाम: सुप्रीम कोर्ट

बिशेष संवाददाता द्वारा

रांची। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को राज्य में सहायक आचार्य नियुक्ति को लेकर दाखिल अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अरविंद कुमार की खंडपीठ ने मामले में सुनवाई करते हुए झारखंड के मुख्य सचिव एवं जेएसएससी सचिव को एक माह के अंदर सहायक आचार्य नियुक्ति का परिणाम जारी कर अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर सरकार की ओर से अनुपालन रिपोर्ट दाखिल नहीं किया जाता है तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद कुमार ठाकुर एवं अन्य की ओर से सहायक आचार्य परीक्षा में सीटेट अभ्यर्थियों शामिल रखने के आग्रह करने वाली एसएलपी पर भी सुनवाई की।

अदालत ने अरविंद कुमार ठाकुर एवं अन्य की दलील को अस्वीकार करते हुए इसे कोर्ट के समय को व्यर्थ करना बताया। अदालत ने उनकी एसएलपी खारिज करते हुए उनपर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

अरविंद कुमार ठाकुर एवं अन्य की ओर से सहायक आचार्य परीक्षा नियुक्ति में सीटेट अभ्यर्थियों को फिर से शामिल रखने का आग्रह करते हुए एसएलपी दाखिल की गई थी। जिसमें राज्य सरकार की ओर से सबसे पहले दाखिल शपथ का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार सहायक आचार्य नियुक्ति के विज्ञापन को वापस लेने पर विचार कर रही है। उनका पक्ष भी सुना जाना चाहिए। इस पर अदालत ने कहा कि पूर्व में सीटेट संघ की बतों को सुना गया है। फिर से उन्हीं मुद्दों को नहीं सुना जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के कड़े रूप को देखते हुए राज्य सरकार ने अपने पूर्व के शपथ पत्र को संशोधित करते हुए कहा था कि सहायक आचार्य नियुक्ति का परिणाम जल्द प्रकाशित कर दिया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट में परिमल कुमार एवं अन्य की ओर से वरीय अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने पक्ष रखा। वहीं, सीटेट अभ्यर्थियों अरविंद कुमार एवं अन्य की ओर से मनिका गुरुस्वामी ने पक्ष रखा। बता दें कि जेएसएससी की ओर से विज्ञानप जारी कर 26001 सहायक आचार्य के पदों पर नियुक्ति की जा रही है।

जेएमएम और कांग्रेस के आंदोलन को रघुवर दास ने बताया राजनीति से प्रेरित

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रांची: भारतीय जनता पार्टी द्वारा आज राँची स्थित प्रदेश कार्यालय में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रघुवर दास ने कहा है कि राज्य सरकार पेसा कानून को झारखंड में लागू करें. रांची स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए रघुवर दास ने कहा कि नियमावली बन जाने के बाद भी क्या वजह है कि राज्य सरकार पेसा को लागू नहीं कर रही है.

आरोप लगाते हुए रघुवर दास ने कहा कि विदेशी धर्म को मानने वाले लोगों के दबाव में आकर राज्य सरकार जनजातीय समाज और सरना समाज के लोगों के अधिकारों का हनन कर रही है. रघुवर दास ने कहा कि पेसा कानून लागू होने से ग्राम प्रधान और मानकी मुंडा को लघु खनिज और बालू घाट समेत अन्य संसाधनों पर अधिकार मिलेगा जिससे समाज और गांव सशक्त होगा. पूर्व मुख्यमंत्री ने आशंका जताते हुए कहा कि राज्य में सक्रिय सिंडिकेट और विदेशी धर्म को मानने वाले लोगों के दबाव में सरकार पैसा को लागू नहीं कर रही है. साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वह राज्य सरकार से मांग करते हैं कि पेसा नियमावली को जल्द से जल्द कैबिनेट में लाया जाए और इसे लागू किया जाए.

इस प्रेस वार्ता के दौरान रघुबर दास ने कहा की झारखंड के ज्वलंत मुद्दे पर झारखंड सरकार का कोई ध्यान नहीं है. राज्य में पेसा कानून, और स्वाशासन कब लागु होगा ? भगवान बिरसा मुंडा ने अबुआ राज का सपना देखा था, पर झारखंड सरकार उसे पूरा करने में नाकाम रही है. उन्होंने कहा की हेमन्त सरकार को ये डर है कि अगर राज्य पेसा कानून लागू होता है तो उनकी सरकार खतरे में पड़ सकती है. वही उनको ये भी कहा है राज्य सरकार अक्षम, असहाय और भ्रष्ट सरकार है जो राज्य कानून व्यवस्था में भी चिर-हरण कर रही है.

5 हजार घूस लेते धराए रोजगार सेवक, ACB की टीम ने रंगेहाथों दबोचा

क्राइम संवाददाता द्वारा

गिरिडीह। बुधवार को धनबाद एंटी करप्शन की टीम ने गिरिडीह के जमुआ प्रखंड के रोजगार सेवक राजेश कुमार को पांच हजार लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया. घूसखोर रोजगार सेवक राजेश कुमार को जमुआ के सकरडीहा से पकड़ा गया. इस आरोपी ने मनरेगा योजना में एक लाभुक से लंबित भुगतान के लिए पांच हजार की मांग की थी. लिहाजा लाभुक ने मामले की जानकारी धनबाद एसीबी को दी. इसके बाद एसीबी हरकत में आई और आरोपी रोजगार सेवक राजेश कुमार को किसी योजना के लिए लाभुक से पांच हजार लेते रंगे हाथ पकड़ लिया. अब एसीबी की टीम अपने साथ धनबाद ले गई. इस कार्रवाई के बाद जमुआ प्रखंड में भी अफरातफरी मच गई. जानकारी के अनुसार जमुआ प्रखंड विकास पदाधिकारी अमन जी ने एक माह पहले इस आरोपी रोजगार सेवक राजेश कुमार को जमुआ के टिकामघा से किसी दूसरे पंचायत में तबादला कर दिया था. लेकिन इस भ्रष्ट रोजगार सेवक ने प्रभार नहीं संभाला. इसलिए वह इसी पंचायत में बना रहा.

दुमका में पुलिस टीम पर ग्रामीणों का हमला, चार पुलिसकर्मी जख्मी

क्राइम संवाददाता द्वारा

दुमका: जिला में मसलिया थाना क्षेत्र के तेतरिया डंगाल गांव में बुधवार आज एक साइबर अपराधी की तलाश में गई पुलिस पार्टी को ग्रामीणों ने घेर कर हमला कर दिया. इस घटना में दो एएसआई समेत चार पुलिसकर्मी जख्मी हुए हैं. इन पुलिसकर्मियों का इलाज स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया गया.

क्या है पूरा मामला : देवघर में पालोजोरी थाना क्षेत्र के दुधानी गांव में पुलिस कस्टडी में कथित साइबर अपराधी की मौत का मामला अभी पूरी तरह से ठंडा नहीं हुआ था कि आज बुधवार को साइबर अपराधी की तलाश में गई मसलिया थाना की पुलिस की टीम पर तेतरिया डंगाल गांव में ग्रामीणों ने हमला कर दिया.

इस हमले में दो एएसआई, एक सिपाही और वाहन चालक जख्मी हो गए हैं. सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है. पुलिस अब सरकारी कार्य में बाधा डालने और पुलिस टीम पर हमला करने वालों की पहचान में जुट गई है.

साइबर अपराधियों के जुटने की मिली थी सूचना : आज मसलिया थाना को सूचना मिली कि देवघर जिला के सीमा पर स्थित खूंटोजारी पंचायत के बड़ा तेतरिया डंगाल गांव में कुछ साइबर अपराधी लोगों को शिकार बनाने का प्रयास कर रहे हैं. इसके बाद पुलिस की टीम इसका सत्यापन करने के लिए पहुंची. पुलिस अपना काम कर रही थी, तभी ग्रामीण एकजुट हो गए और उनके इस कार्य का विरोध किया.

कहासुनी होने के बाद ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर हमला बोल दिया. इस हमले के बाद पुलिस की टीम को बगैर सत्यापन कार्य के लौटना पड़ा. हमले की सूचना मिलते ही डीएसपी इकुड डुंगडुंग और इंस्पेक्टर शिवलाल टुडू थाना पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली.

आईएएस विनय कुमार चौबे दो दिनों के रिमांड पर

शराब घोटाला मामले में एसीबी करेगी पूछताछ

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची: शराब घोटाला मामले में झारखंडएंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) के द्वारा गिरफ्तार किए गए आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे से अगले दो दिनों तक एसीबी की टीम पूछताछ करेगी. विनय चौबे के साथ-साथ गजेंद्र सिंह से भी एसीबी रिमांड पर पूछताछ करेगी. बता दें कि झारखंड में हुए शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार विनय चौबे और गजेंद्र सिंह फिलहाल रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में न्यायिक हिरासत में हैं. गुरुवार से दोनों से पूछताछ की जाएगी.

झारखंड में शराब घोटाले में गिरफ्तार आईएएस अधिकारी विनय चौबे और गजेंद्र सिंह से पूछताछ के लिए एंटी करप्सन ब्यूरो को दो दिनों की रिमांड मिली है. बुधवार को एसीबी के विशेष अदालत ने दोनों से पूछताछ के लिए 2 दिन का रिमांड मुकर्रर किया है. इससे पहले एंटी करप्शन ब्यूरो ने बुधवार को अदालत में विनय कुमार चौबे और गजेंद्र सिंह से पूछताछ के लिए 7 दिनों की रिमांड मांगी थी. लेकिन अदालत ने दो दिनों की ही रिमांड की मंजूरी दी.

दूसरी तरफ झारखंड एसीबी ने शराब घोटाले की जांच की जद में आयी दो प्लेसमेंट एजेंसियों के सात संचालकों को भी नोटिस भेजा है. केस के अनुसंधान पदाधिकारी डीएसपी संतोष कुमार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 35 के उपबंध 3 के तहत नोटिस किया है. जिन संदिग्धों को एसीबी ने नोटिस किया है. उसमें मेसर्स मार्शन इनोवेटिव सेक्यूरिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक जगन तुकाराम देसाई, कमल जगन देसाई और शीतल जगन देसाई शामिल हैं.

महाराष्ट्र के ठाणे जिले के निवासी तीनों निदेशकों को एसीबी ने 3 जून को दिन के 10.30 बजे तक एसीबी कार्यालय में पेश होने को कहा है. गौरतलब है कि इस कंपनी के स्थानीय प्रतिनिधि नीरज कुमार सिंह को एसीबी 21 मई को जेल भेज चुकी है. वहीं एसीबी ने चार जून को उपस्थिति का समन मेसर्स विजय हॉस्पिटलिटी सर्विसेज एंड कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों को भेजा है. इसके अलावा विजन के निदेशक विपिन जाधव भाई परमार, महेश शिडगे, परेश अभिसिंह ठाकोर, विक्रमा सिंह और अभिसिंह ठाकोर को भी 4 जून दिन के 10.30 बजे पूछताछ के लिए बुलाया गया है.

झामुमो-कांग्रेस का रघुवर दास पर पलटवार , कहा-

'पेसा पर आदिवासी समाज को गुमराह कर रही भाजपा'

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रांची: पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा के नेता रघुवर दास द्वारा हेमंत सरकार पर लगाए गए आरोपों पर सत्तासीन झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस के नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है.

झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि भाजपा और रघुवर दास आदिवासी समाज के मुद्दों को लेकर केवल राजनीतिक लाभ लेना चाहते हैं, न कि समाधान देना. रघुवर दास को पेसा कानून की याद अब आ रही है, जबकि उनके पूरे शासनकाल में इस दिशा में एक भी ठोस कदम नहीं उठाया गया. झामुमो के केंद्रीय महासचिव ने सवालिया लहजे में पूछा कि यदि उन्हें आदिवासी समाज की इतनी ही चिंता थी तो 2014 से 2019 के दौरान भाजपा सरकार ने पेसा कानून लागू क्यों नहीं किया? भाजपा नेता बताएं कि उन्होंने राज्यसभा, लोकसभा, विधानसभा कहीं पर भी सरना-आदिवासी धर्म कोड या पेसा नियमावली के लिए कोई पहल क्यों नहीं की.

झामुमो महासचिव ने कहा कि भाजपा को पेसा कानून की मूल भावना से नहीं, बल्कि इसे अपने एजेंडे के अनुसार मोड़ने में रुचि है. उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार पेसा नियमावली को लेकर गंभीरता से काम कर रही है और तमाम वैधानिक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद अब प्रक्रिया अंतिम चरण में है. उन्होंने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन स्वयं आदिवासी हैं, सरना धर्म को मानने वाले हैं, और भाजपा को यह रास नहीं आता. इसलिए वे समाज को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं. झामुमो नेता विनोद पांडेय ने भाजपा पर आदिवासी समाज को विदेशी धर्म और मूल धर्म के नाम पर बांटने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि यह वही भाजपा है, जो आदिवासियों को ईसाई बताकर उनकी नागरिकता, रोजगार और अधिकारों को संदेह के घेरे में खड़ा करती रही है. अब पेसा कानून को धर्म की चादर में लपेटकर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की कोशिश हो रही है, जिसे हम बर्दाश्त नहीं करेंगे.

झामुमो महासचिव ने कहा कि यह पार्टी ही थी जिसने झारखंड राज्य बनाया और हमेशा आदिवासी समाज की अस्मिता, भाषा, संस्कृति और स्वशासन के लिए संघर्ष किया. हमने सरना कोड की आवाज़ संसद तक पहुंचाई है. 2020 में झारखंड विधानसभा में प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को भेजा गया, जो आज तक केंद्र सरकार की फाइलों में दबा पड़ा है. झामुमो केंद्रीय महासचिव ने कहा कि भाजपा को पेसा, सरना कोड, या आदिवासी समाज के अन्य अधिकारों पर बोलने से पहले आत्मचिंतन करना चाहिए कि उसने पिछले शासन में क्या किया. आज जब हेमंत सरकार हर मोर्चे पर आदिवासी हितों को प्राथमिकता दे रही है, तो भाजपा के पेट में दर्द हो रहा है.

कौन हैं मंदिर में पूजा करने वाले मुस्लिम सांसद सरफराज अहमद

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रांची: ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना के सफल हमले के बाद भारत ने अपना पक्ष रखने के लिए कई सांसदों को विदेश भेजा है। इनमें कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में एक दल अमेरिका, ब्राजील, कोलंबिया, पनामा और गुयाना के लिए भेजा गया है। इस दल में झारखंड मुक्ति मोर्चा के सांसद सरफराज अहमद भी शामिल हैं। हाल ही में सरफराज अहमद पनामा के एक मंदिर में सांसदों के साथ पहुंचे और दर्शन किए। सरफराज अहमद के इस कदम की हर तरफ तारीफ हो रही है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी उनके इस निर्णय की खुले दिल से सराहना की है। आइए जानते हैं कौन हैं सरफराज अहमद।

चारों सदनों में कर चुके हैं प्रतिनिधित्व ञ्सरफराज अहमद वर्तमान में झारखंड मुक्ति मोर्चा के राज्यसभा सांसद हैं। इससे पहले वो झारखंड विधानसभा सदस्य, बिहार विधानपरिषद सदस्य और लोकसभा के सांसद भी रह चुके हैं। सरफराज अहमद ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत कांग्रेस पार्टी से की थी। साल 1980 में हुए चुनावों में सरफराज ने कांग्रेस के टिकट पर गांडेय विधानसभा सीट पर जीत दर्ज की थी। साल 1984 में गिरिडीह लोकसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर सांसद बने। साल 2009 में सरफराज गांडेय विधानसभा सीट से एक बार फिर विधायक बने। बाद में झारखंड मुक्ति मोर्चा में शामिल हो गए और जेएमएम के टिकट पर साल 2019 में हुए विधानसभा चुनावों में एक बार फिर से विधायक बने। पिछले साल हुए राज्यसभा चुनावों में जेएमएम ने उन्हें अपना प्रत्याशी बनाया और वो निर्विरोध चुनकर संसद के उच्च सदन पहुंच गए।

शशि थरूर ने क्या कहा ञ्पनामा के मंदिर में शशि थरूर अपने साथी सांसदों के साथ पहुंचे। यहां की तस्वीर साझा करते हुए थरूर ने लिखा,÷सभी दलों के सांसदों ने पनामा सिटी में भारतीय सांस्कृतिक केंद्र का दौरा किया और वहां के सुंदर मंदिर में पूजा-अर्चाना की।÷ शशि थरूर ने आगे लिखा कि हमारे मुस्लिम साथी सरफराज अहमद को मंदिर में अपने हिन्दू और सिख साथियों के साथ शामिल होते देखना भावुक कर देने वाला था। इस दौरान थरूर ने सरफराज अहमद के एक बयान का भी जिक्र किया जो उन्होंने वहां पहुंचे कुछ लोगों के सवाल का जवाब देते हुए कहा था। सरफराज ने कहा कि जब बुलाने वालों को ऐतराज नहीं, तो जाने वालों को ऐतराज क्यों होगा?

सरना विरोधी हैं कांग्रेस-झामुमो, पेसा कानून नहीं चाहते : आजसू

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रांची: आजसू पार्टी ने आरोप लगाया है कि झामुमो और कांग्रेस सरना आदिवासियों का हित नहीं चाहते, इसी कारण हेमंत सरकार पेसा कानून (पंचायत अनुसूचित क्षेत्र विस्तार अधिनियम, 1996) को हुबहू लागू नहीं कर रही है.

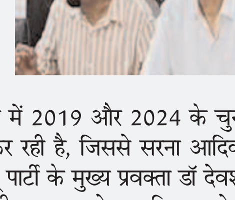

हेमंत सरकार पेसा कानून के संबंध में 2019 और 2024 के चुनावों में किए गए वायदों को पूरा नहीं कर रही है, जिससे सरना आदिवासी समुदाय में गहरा असंतोष है.आजसू पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत एवं झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर ने कहा कि झामुमो और कांग्रेस सरना आदिवासी विरोधी एजेंडा पर कार्य कर रहे हैं.

आजसू पार्टी मांग करती है कि हेमंत सरकार तत्काल पेसा कानून को लागू करे और झारखंड पंचायत राज अधिनियम, 2001 में आवश्यक संशोधन करे.हेमंत सरकार पेसा कानून लागू करने में पूरी तरह विफल रही है, जो सरना आदिवासी समुदायों के स्वशासन और रूढ़िवादी अधिकारों की रक्षा के लिए बनाया गया था.

यह कानून आदिवासियों को जल, जंगल और जमीन पर स्वामित्व के साथ-साथ उनकी सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं को संरक्षित करने का अधिकार देता है. लेकिन पांच साल बीत जाने और दोबारा सत्ता में आने के बावजूद, सरकार ने पेसा कानून को लागू करने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया.

ऑपरेशन सिंदूर पर राजनीति कौन कर रहा है, जानें सर्वे में लोगों की राय क्या

अधिकांश लोग राहुल गांधी के इस दावे से असहमत हैं कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से पहले पाकिस्तान को सूचित किया। विदेश मंत्रालय ने सफ़ाई दी है कि पाकिस्तान को ऑपरेशन के बाद सूचित किया गया था ताकि तनाव कम हो और यह स्पष्ट हो कि लक्ष्य केवल आतंकी ठिकाने थे। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि प्रतिनिधिमंडल में कौन जाएगा, ये चुनाव करने का अधिकार पार्टियों को होना चाहिए? जवाब में 56.4 फ़ीसदी लोगों ने हाँ कहा, जबकि 12.2 फ़ीसदी लोगों ने असहमति जताई। बाक़ी लोगों की राय साफ़ नहीं थी। सर्वे में आधे से अधिक लोगों का मानना है कि राजनीतिक दलों को प्रतिनिधिमंडल में अपने प्रतिनिधियों को चुनने का अधिकार होना चाहिए। यह जनता के बीच कूटनीतिक प्रक्रिया में पार्टियों की भागीदारी के लिए समर्थन को दिखाता है। 34.9 फ़ीसदी लोगों ने कहा कि बीजेपी और सरकार राजनीति कर रही है। 31.7 फ़ीसदी लोगों ने कहा कि कांग्रेस और विपक्ष राजनीति कर रहे हैं। 19.1 फ़ीसदी लोगों ने कहा कि दोनों राजनीति कर रहे हैं। बाक़ी लोगों ने कोई राय नहीं दी। सर्वे के अनुसार, जनता का मानना है कि ऑपरेशन सिंदूर पर बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही राजनीति कर रहे हैं।

ब्यूरो

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सियासी गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप जारी हैं। लेकिन आम लोग क्या सोचते हैं? ताज़ा सर्वे में सामने आई जनता की राय से जानें कौन कर रहा है असली राजनीति। क्या सरकार को ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के लिए संसद का संयुक्त सत्र बुलाना चाहिए? क्या आप राहुल की इस आलोचना से सहमत हैं कि विदेश मंत्री ने ऑपरेशन शुरू होने से पहले पाकिस्तान को जानकारी दी? क्या आप इस बात से सहमत हैं कि प्रतिनिधिमंडल में कौन जाएगा, ये चुनाव करने का अधिकार पार्टियों को होना चाहिए? आपके हिसाब से ऑपरेशन सिंदूर पर कौन राजनीति कर रहा है? क्या बीजेपी सरकार ऑपरेशन सिंदूर का क्रेडिट लेकर सही कर रही है? राहुल की विदेश मंत्री की आलोचना से आप सहमत हैं? ऐसे ही सवालों पर एक सर्वे में लोगों की राय सामने आई है। वोट वाइब सर्वे ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जनता की राय जानने के लिए एक सर्वेक्षण किया। इसमें कई अहम सवालों पर जनता के विचार सामने आए। जानिए, इस सर्वे में किन सवालों पर लोगों ने किस तरह की राय रखी।

सर्वे के प्रमुख सवाल और नतीजे : क्या सरकार को ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के लिए संसद का संयुक्त सत्र बुलाना चाहिए? इस सवाल के जवाब में 61.3 फ़ीसदी लोगों ने समर्थन किया, जबकि 18.3 फ़ीसदी लोगों ने असहमति जताई। बाक़ी लोगों ने कोई राय नहीं दी। सर्वे में स्पष्ट बहुमत का मानना है कि सरकार को ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए संसद का संयुक्त सत्र बुलाना चाहिए। क्या आप राहुल गांधी की इस आलोचना से सहमत हैं कि विदेश मंत्री ने ऑपरेशन शुरू होने से पहले पाकिस्तान को जानकारी दी? 36.8 फ़ीसदी लोगों ने सहमति जताई, जबकि 48.7 फ़ीसदी लोगों असहमति जताई। बाक़ी लोगों ने इस पर कोई राय नहीं दी। अधिकांश लोग राहुल गांधी के इस दावे से असहमत हैं कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से पहले पाकिस्तान को सूचित किया। विदेश मंत्रालय ने सफ़ाई दी है कि पाकिस्तान को ऑपरेशन के बाद सूचित किया गया था ताकि तनाव कम हो और यह स्पष्ट हो कि लक्ष्य केवल आतंकी ठिकाने थे। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि प्रतिनिधिमंडल में कौन जाएगा, ये चुनाव करने का अधिकार पार्टियों को होना चाहिए? जवाब में 56.4 फ़ीसदी लोगों ने हाँ कहा, जबकि 12.2 फ़ीसदी लोगों ने असहमति जताई। बाक़ी लोगों की राय साफ़ नहीं थी। सर्वे में आधे से अधिक लोगों का मानना है कि राजनीतिक दलों को प्रतिनिधिमंडल में अपने प्रतिनिधियों को चुनने का अधिकार होना चाहिए। यह जनता के बीच कूटनीतिक प्रक्रिया में पार्टियों की भागीदारी के लिए समर्थन को दिखाता है।

आपके हिसाब से ऑपरेशन सिंदूर पर कौन राजनीति कर रहा है? : 34.9 फ़ीसदी लोगों ने कहा कि बीजेपी और सरकार राजनीति कर रही है। 31.7 फ़ीसदी लोगों ने कहा कि कांग्रेस और विपक्ष राजनीति कर रहे हैं। 19.1 फ़ीसदी लोगों ने कहा कि दोनों राजनीति कर रहे हैं। बाक़ी लोगों ने कोई राय नहीं दी। सर्वे के अनुसार, जनता का मानना है कि ऑपरेशन सिंदूर पर बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही राजनीति कर रहे हैं। हालाँकि अधिकतर लोग बीजेपी और सरकार को दोषी बता रहे हैं। दोषारोपण का यह बँटवारा दिखाता है कि जनता इस मुद्दे पर गहरे राजनीतिक ध्रुवीकरण को देख रही है। क्या बीजेपी सरकार ऑपरेशन सिंदूर का क्रेडिट लेकर सही कर रही है? इस सवाल पर 59.0 फ़ीसदी लोगों ने कहा कि मोदी ने लीड किया, जबकि 30.7 फ़ीसदी लोगों ने कहा कि सेना को क्रेडिट मिलना चाहिए। बाक़ी लोग साफ़ राय नहीं रख पाए। इस सवाल पर जनता की राय बँटी हुई है। अधिकतर लोग मानते हैं कि बीजेपी सरकार का ऑपरेशन का श्रेय लेना उचित है, जबकि कुछ लोग असहमत हैं। यह दिखाता है कि ऑपरेशन के राजनीतिकरण पर जनता में मतभेद है। राहुल गांधी की विदेश मंत्री की आलोचना से आप सहमत हैं? 44 फ़ीसदी महिलाओं और 29 फ़ीसदी पुरुषों ने इससे सहमति जताई। यदि इसे उम्र वर्ग के हिसाब से देखा जाए तो 18-24 साल के वर्ग के 47 फ़ीसदी सहमत हैं, जबकि 40 फ़ीसदी असहमत हैं। 25-34 उम्र के 44 फ़ीसदी सहमत हैं, जबकि 48 फ़ीसदी असहमत हैं। 35-44 साल के 24 फ़ीसदी सहमत हैं, जबकि 52 फ़ीसदी असहमत हैं। 45-54 साल के 44 फीसदी सहमत हैं जबकि 47 फ़ीसदी सहमत नहीं हैं। 55 साल से ऊपर के 22 फ़ीसदी सहमत हैं जबकि 59 फ़ीसदी सहमत नहीं हैं। इस तरह जनता का बड़ा हिस्सा राहुल गांधी की विदेश मंत्री की आलोचना से असहमत है, जैसा कि ऊपर बताया गया है।

ऑपरेशन सिंदूर पर कौन कर रहा है राजनीति? : 31 फ़ीसदी पुरुष और 39 फ़ीसदी महिलाएँ मानती हैं कि बीजेपी और सरकार राजनीति कर रही है। 33 फ़ीसदी पुरुष और 30 फ़ीसदी महिलाएँ कांग्रेस व विपक्ष पर राजनीति करने का दोष देते हैं। 19 फ़ीसदी पुरुष और 20 फ़ीसदी महिलाएँ दोनों को दोषी मानती हैं। 18-24 साल के युवाओं की बात करें तो 62 फ़ीसदी बीजेपी व सरकार को और 14 फ़ीसदी कांग्रेस व विपक्ष को राजनीति करने का दोषी मानते हैं। वोट वाइब सर्वे के परिणाम दिखाते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर एक राष्ट्रीय महत्व का मुद्दा है और इस पर जनता गंभीर चर्चा और पारदर्शिता चाहती है। हालाँकि, राजनीतिक दलों के बीच दोषारोपण और श्रेय लेने की होड़ ने जनता की राय को विभाजित कर दिया है। सर्वे में यह भी साफ़ है कि जनता संसद में इस मुद्दे पर खुली बहस की पक्षधर है, लेकिन विदेश मंत्री की आलोचना और ऑपरेशन के राजनीतिकरण पर जनता की राय बँटी हुई है।

बलूचिस्तान में क्यों सुलग रही चिंगारी

रहीस सिंह

नई दिल्ली : 'आप हत्या, मौत और विनाश के माध्यम से भाईचारा नहीं बना सकते। आप जबरदस्ती एकजुट राष्ट्र नहीं बना सकते।' यह बलूच उक्ति बताती है कि इस्लामाबाद का राजनीतिक तंत्र अपनी फौज के सहारे किस तरह से बलूचिस्तान के मन और विचार की हत्या कर रहा है।

बलूच राष्ट्रवाद : सवाल यह उठता है कि बलूचों का संघर्ष भाषा और संस्कृति के लिए है, स्वतंत्रता के लिए है, स्वायत्तता के लिए है या पाकिस्तानी सेना की तरफ से चल रहे 'किल एंड डंप' ऑपरेशंस के खिलाफ रिएक्शन है। प्रश्न यह भी है कि क्या बलूच आंदोलन, बलूच राष्ट्रवाद से भटक चुका है या वह सशस्त्र राष्ट्रवाद का प्रतीक बन चुका है। सवाल तो यह भी है कि क्या बलूचिस्तान वास्तविक नियंत्रण (डिफैक्टो कंट्रोल) से वास्तविक स्वतंत्रता (डिफैक्टो इंडिपेंडेंस) की ओर बढ़ रहा है?

आजादी का ऐलान : इस बीच 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा तो बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने भी पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा पर तीखा हमला किया। इससे पहले 11 मार्च को क्वेटा और सिबी के बीच पर्वतीय क्षेत्र में लगभग 400 यात्रियों के साथ जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को अगवा करके इस्लामाबाद और रावलपिंडी की सत्ताओं को एक कठोर संदेश भी दिया जा चुका है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इन हमलों की प्रकृति और पैमाना पहले से कहीं अधिक व्यापक और विविधता लिए हुए है। बलूच नेता मीर यार बलूच ने पाकिस्तान से स्वतंत्रता की घोषणा भी कर दी है। यह स्वतंत्रता भले ही प्रतीकात्मक लगे, लेकिन इसने एक ही क्षण में बलूच मुद्दे को बलूचिस्तानी बनाम पाकिस्तानी में परिवर्तित कर दिया।

टकराव की जड़ें : जहां तक बलूचों के पाकिस्तान के साथ टकराव का प्रश्न है तो इसकी जड़ें अतीत में खोजी जा सकती हैं। ऐतिहासिक दृष्टि से बलूचिस्तान जनजातियों के एक संघ के रूप में 12वीं शताब्दी में ही अस्तित्व में आ गया था, जिसमें 44 जनजातियां शामिल थीं। 15वीं शताब्दी तक यह एक शक्तिशाली और विशाल बलूच संघ बन गया, जिसकी सीमाएं पश्चिम में किरमान से लेकर पूर्व में सिंधु नदी तक विस्तृत थीं। लेकिन इस ऐतिहासिक राजनीतिक संरचना से बहुत पहले यह बलूच संघ सांस्कृतिक दुनिया के इतिहास में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका था। जो इतिहास से सरोकार रखते हैं उन्हें पता है कि मेहरगढ़ (बलूचिस्तान) के लोगों ने ईसा से कई हजार वर्ष पहले व्यापार व कस्बाई जीवन की शुरुआत कर दी थी। यही संस्कृतियां थीं, जिन्होंने अपने संयुक्त प्रयासों से सिंधु घाटी में एक सभ्यता का विकास किया।

पंजाबी संस्कृति थोपी : इस्लामाबाद और रावलपिंडी के शासकों ने बलूच संस्कृति को अस्पृश्य बना दिया और पंजाबी-उर्दू संस्कृति थोपने का उपक्रम किया। उन्होंने बलूचिस्तान के डिट्राइबलाइजेशन (विजनजातीयकरण) की कोशिश की। इसके तहत वहां तीन कार्य किए गए - किल एंड डंप ऑपरेशन चलाना, प्रॉक्सी समूहों का निर्माण करना और इस्लामीकरण की प्रक्रिया तेज करना। पाकिस्तानी हुक्मरान अपने इन प्रयासों में कुछ हद तक सफल भी रहे क्योंकि बलूच अस्मिता, प्रांतीय संप्रभुता, संसाधनों के वितरण और स्थानीय भाषा व संस्कृति की सुरक्षा जैसी अभिव्यक्तियों की शक्ति निरंतर कमजोर पड़ती गईं।

बांग्लादेश सिंड्रोम : 1986 में पाकिस्तानी राष्ट्रपति जिया-उल-हक ने ईश निंदा कानून लागू किया। इसके प्रचार-प्रसार के लिए बलूचिस्तान में मौलवियों को लगाया गया और बड़े पैमाने पर मदरसों की स्थापना की गई। दरअसल, यह 'बांग्लादेश सिंड्रोम' का परिणाम था जो आज तक पाकिस्तानी नीति निर्धारकों के दिमाग में घुसा हुआ है। लेकिन इस व्यवस्था से पैदा हुए मौलवियों-इमामों के वर्ग का न केवल बलूचों ने बल्कि पख्तूनों ने भी विरोध किया।

बांटने का सिलसिला : एक सच यह भी है कि बलूचों के साथ इतिहास ने न्याय नहीं किया। बलूचिस्तान में विभाजनों की शुरुआत 'द ग्रेट गेम' के हिस्से के रूप में औपनिवेशिक शासन के दौरान ही हो गई थी, जब ब्रिटेन ने रूस को भारत से दूर रखने की योजना के तहत बलूच भूमि को बड़े हिस्सों में बांट दिया था। 1871 में 'गोल्डस्मिड रेखा' खींचकर बलूचिस्तान का एक चौथाई भाग ईरान (तत्कालीन फारस) को दे दिया गया। इसके बाद 1896 और 1905 में 'इंडो-पर्शियन बॉर्डर कमिशन' बनाकर और भी सीमाएं तय की गईं। इसी बीच, 1894 में डुरंड रेखा समझौते के जरिए एक अहम इलाका अफगानिस्तान को दे दिया गया। अंतिम विभाजन पाकिस्तान के अस्तित्व में आने के बाद हुआ, जब बलूचिस्तान का विलय करने के साथ ही जैकबाबाद, डेरा ग़ाजी खान आदि पंजाब को दे दिए गए।

लड़ना होगा : बहरहाल, बलूचिस्तान आज अनेक 'खोए हुए अवसरों' और 'अधूरे वादों के खंडहर' के रूप में खड़ा है और लड़ने की कोशिश कर रहा है। बलूच चीख-चीख कर कह रहे हैं कि वे 'पाकिस्तानी नहीं, बलूचिस्तानी' हैं। वे अपने इतिहास के उन पन्नों को पलट रहे हैं जिनमें लिखा है कि आपको ब्रिटिश हुक्मरानों ने ही नहीं पाकिस्तानी हुक्मरानों ने भी बांटा है; आपकी संपत्तियों पर कब्जा किया, उन्हें लूटा है और चीन जैसे दोस्तों को उपहार में दिया है; आपकी भाषा और संस्कृति को नष्ट-भ्रष्ट करने की निरंतर चेष्टाएं की गई हैं। आपको अराजकता के दलदल में धकेल कर एक ऐसा कड़ाह बना दिया गया है, जिसमें विभिन्न प्रकार की हिंसक घटनाएं उबाल मारती रहें। यही इतिहास उनसे कहता है-तुम्हें अपने अस्तित्व के लिए युद्ध करना ही होगा।

(लेखक विदेश मामलों के जानकार हैं)

जहां परिंदा भी नहीं मारता पर, ऐसे जुए के अड्डे पर दिल्ली पुलिस का धावा, रेड से मची खलबली

कुणाल कश्यप

नई दिल्ली : नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली के सीलमपुर इलाके में पिछले दिनों जुए के एक बड़े अड्डे पर रेड हुई। बड़ा अड्डा इसलिए क्योंकि यहां कोई परिंदा भी पर नहीं मार सकता था। इसकी वजह यह है कि अड्डा कुख्यात गैंगस्टर इरफान उर्फ छेनू के खास मुमताज के आशियाने पर चलाया जा रहा था। मगर डिस्ट्रिक्ट के स्पेशल स्टाफ ने वहां रेड कर आठ जुआरियों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया। इसके बाद वहां खलबली मच गई। वहां दांव पर लगे करीब साढ़े 15 लाख रुपये भी बरामद किए गए। इस रेड ने गैंग से जुड़े लोगों के अहंकार को इस तरह चोट पहुंचाई कि वे रेड करने वाली पुलिस टीम के लोगों को टारगेट करने लगे। टीम पर आरोप लगाया कि टीम ने अड्डे से लाखों रुपयों का गबन किया। मगर आरोप से जुड़े सबूत अभी तक पेश नहीं कर पाए हैं। यही कारण है कि आला अधिकारियों ने आरोपों को गंभीरता से नहीं लिया।

दरवाजे तोड़कर अंदर घुसी थी पुलिस : दिल्ली पुलिस सूत्र ने बताया, नॉर्थ-ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के स्पेशल स्टाफ को 20 मई को गुप्त सूचना मिली थी कि न्यू सीलमपुर के जी-ब्लॉक स्थित डीडीए मार्केट के पास घर में बड़े पैमाने पर जुआ चल रहा है। सूचना के बारे में आला अधिकारियों को बताया गया। इसके बाद एसीपी ऑपरेशंस मंगेश गेडम और स्टाफ के इंचार्ज इंस्पेक्टर धीरज कुमार के सुपरविजन में एसआई कौशिक घोष, पवन मलिक, प्रमोद कुमार, एएसआई दीपक कुमार, अमित त्यागी, अमरीश पंवार, हेड कॉन्स्टेबल सुशील मलिक, सचिन तोमर, विजय कुमार, अमित मान, सचिन कुमार और प्रशांत त्यागी की टीम को रेड के लिए तैयार किया गया। टीम ने रेड के लिए वहां दस्तक दी। किसी ने गेट नहीं खोला तो पुलिस टीम गेट तोड़कर अंदर घुस गई। वहां जुआ खेलते 8 लोगों को गिरफ्तार किया। जबकि चार से पांच लोग छत के रास्ते भागने में कामयाब हो गए। मौके से दांव पर लगे 15 लाख 46 हजार, 500 रुपये और 156 ताश के पत्ते बरामद किए। सभी के खिलाफ सीलमपुर थाने में गैंबलिंग एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

गैंग को ये सब कर रहे सपोर्ट : रेड होने से आहत गैंग के लोगों ने रेड करने वाली पुलिस टीम को टारगेट करना शुरू कर दिया। आरोपियों ने आरोप लगाया कि पुलिस टीम ने मौके से करीब 40 लाख रुपये बरामद किए थे। रकम का गबन करके कुछ आरोपियों को छोड़ दिया। जबकि वे अपने आरोपियों के दावे को साबित करने के लिए अब तक कोई सबूत पेश नहीं कर सके हैं। सूत्र का दावा है कि आरोप लगाने वाले इस गैंग से जुड़े हैं। इनमें एक वकील भी शामिल है। जो गैंग के लिए मांडवली (सौदेबाजी) करता है। इसके अलावा कुछ मीडियाकर्मी भी उनके साथ जुड़े हुए हैं जो अपने निजी हितों के लिए उनके लिए काम कर रहे हैं।

इसलिए बनाई 40 लाख की कहानी : दावा किया जा रहा है कि गैंग के लोग 40 लाख की कहानी बनाकर एक तीर से दो शिकार करना चाह रहे हैं। पहला शिकार रेड करने वाली टीम है। उन्हें सबक सिखाने और 'आगे कोई रेड करने से पहले सौ बार सोचे' यह भी मैसेज देने की कोशिश की जा रही। क्योंकि अगर टीम पर कोई एक्शन हुआ तो उनका मनोबल गिरेगा। वहीं स्थानीय पुलिस या कोई और भी स्टाफ रेड करने के बारे में नहीं सोचेगा। दूसरा शिकार देनदार हैं। इन्हें रुपये देने से बचना है। दरअसल बुकियों के बीच चर्चा है कि यह कहानी इसलिए बनाई गई क्योंकि आरोपी देनदारी से बचना चाहते हैं। आरोपियों को जिन लोगों के रुपये देने थे, उन्हें यह कहकर पल्ला झाड़ा जा रहा है कि पैसा पुलिस ने ले लिया।

मुमताज ही है मास्टर माइंड : इस अड्डे का मास्टर माइंड मुमताज ही है। वह वहां जुआ खिलवाने के रुपये तो लेता ही था। साथ ही वह जुआ हारने वालों के रुपयों की गारंटी भी लेता था। ऐसा कोई नहीं है, जो उसकी बात के खिलाफ जाए। इलाके के लोग भी उसके खिलाफ बोलने से कतराते हैं। क्योंकि उस पर 25 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। इनमें मकोका, हत्या, हत्या के प्रयास, लूट जैसी वारदात शामिल हैं। फिलहाल वह बेल पर बाहर है। पुलिस टीम उसकी तलाश में छापेमारी कर रही है।

बिहार : जब एक रात में जेल से फरार हुए 389 कैदी, पूरे शहर में एलान कर बम-बंदूक सब लूट ले गए नक्सली

कीर्तिवर्धन मिश्र

बिहार में भागलपुर नरसंहार से लेकर बेलछी, लक्ष्मणपुर बाथे, बारा और ऐसे ही कई हत्याकांडों में सैकड़ों लोगों की जान गई। बिहार के इन महाकांडों की कहानी सिर्फ नरसंहार तक ही सीमित नहीं है। कुछ दूसरी घटनाओं ने भी बिहार को दहलाया है। ऐसी ही एक घटना थी- जहानाबाद का जेल ब्रेक कांड। यह घटना 2005 में तब हुई, जब पूरे बिहार में चुनाव के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद थी। बिहार के महाकांड' सीरीज की 10वीं कड़ी में आज जहानाबाद जेल ब्रेक कांड की बात करेंगे। 2005 में यह घटना कैसे हुई थी? 13 नवंबर 2005 की रात को कैसे जेल में बंद 658 कैदियों के भागने का रास्ता बना? इस पूरे प्रकरण ने कैसे जहानाबाद प्रशासन को कठघरे में खड़ा कर दिया था? आइये जानते हैं...

क्या है जहानाबाद जेल ब्रेक कांड की पृष्ठभूमि? : बिहार में 1967 के बाद से अति-वामपंथी संगठनों ने भूमिहीन मजदूरों को साथ लाकर जमींदारों के खिलाफ अभियान की शुरुआत कर दी। धीरे-धीरे यह अभियान हिंसक होने लगा। वामपंथी संगठनों के जवाब में जमींदारों ने उच्च जातियों के अलग-अलग समूहों का गठन किया। इसके साथ हिंसा और प्रतिहिंसा का खूनी दौर चल पड़ा। नतीजतन बिहार में 1970 से 1990 तक का दशक नरसंहार और अलग-अलग बर्बर हिंसक घटनाओं के लिए बदनाम हुआ। बिहार में इन तीन दशकों में प्रशासन नरसंहार-हत्याकांड की घटनाओं को रोकने में तो नाकाम रहा ही, साथ ही अधिकतर घटनाओं के अभियुक्तों को सजा दिलाने में भी नाकाम रहा। इससे प्रशासन के प्रति लोगों में गुस्सा बढ़ता गया।

इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली मैगजीन में लेख जहानाबाद-1: जेल ब्रेक एंड द माओइस्ट मूवमेंट में बेला त्रिवेदी लिखती हैं कि 2005 में जहानाबाद में जो जेल ब्रेक कांड हुआ, उसकी वजह माओवादियों में प्रशासन के खिलाफ भड़का गुस्सा था। माओवादी कम्युनिस्ट सेंटर (एमसीसी) का आरोप था कि जेल में बंद किए जाने के बाद जमींदारों के खिलाफ आवाज उठाने वाले उसके समर्थकों के साथ जातीय आधार पर भेदभाव होता। इतना ही नहीं उनके रहने की स्थितियां भी दयनीय थीं।

अब जानें- 13 नवंबर की उस रात क्या हुआ था? : 13 नवंबर 2005 का दिन बिहार के जहानाबाद के लिए आम दिनों की तरह ही था। लेकिन, रात होते-होते बहुत कुछ बदल गया। क्योंकि इसी रात एक बहुत बड़ी साजिश को अंजाम दिया गया। ये साजिश जहानाबाद जेल ब्रेक की थी।

इस साजिश के लिए उस वक्त को चुना गया जब बिहार में विधानसभा के चुनाव हो रहे थे। दो चरण की वोटिंग हो चुकी थी, जबकि दो और चरणों में मतदान होना बाकी था। ऐसे में राज्य की पुलिस पोलिंग ड्यूटी पर तैनात थी। इसका फायदा माओवादियों ने उठाया। उस वक्त जहानाबाद के सांसद रहे गणेश प्रसाद सिंह ने सदन में कहा था "शाम साढ़े सात बजे से आठ बजे तक जहानाबाद शहर पर माओवादियों का कब्जा हो गया था। जहानाबाद जेल और पुलिस लाइन के साथ शहर के अधिकतर हिस्सों की बिजली काट दी गई। इसके बाद माओवादी पुलिस की वर्दी में और पुलिस लिखी गाड़ियों में बैठकर जहानाबाद के केंद्र में पहुंचे। चूंकि उन्होंने पुलिस की वर्दी पहनी थी, इसलिए लोगों को शक नहीं हुआ। हालांकि, बाद में कुछ चश्मदीदों ने घटना को याद करते हुए बताया कि कई माओवादियों को वर्दी फिट नहीं आई थी। इतना ही नहीं कुछ माओवादी तो चप्पलें और नंगे पैर ही पहुंच गए थे। सभी छोटे-छोटे समूहों में बंट गए। इस दौरान स्थानीय लोगों को अपने घरों के अंदर रहने और खिड़की-दरवाजे बंद रखने के लिए कहा गया। माओवादियों ने इसे आम लोगों के खिलाफ नहीं, बल्कि प्रशासन से जंग करार दिया। संसद में तत्कालीन केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्रीप्रकाश जयसवाल ने जो बयान दिया था, उसके मुताबिक, 300 से 400 नक्सलियों ने रात करीब 9 बजे एक बार में सीआरपीएफ कैंप, पुलिस स्टेशन, पुलिस लाइन्स और जहानाबाद उप-संभागीय जेल पर हमला बोल दिया। वहीं, सदन में इस मुद्द पर बहस के दौरान ही जहानाबाद सांसद गणेश प्रसाद सिंह ने कहा, "इनकी संख्या तीन-चार सौ नहीं, बल्कि दो हजार थी। ये सभी हथियारों, राइफलों, बमों से लैस थे। वे सीधे-सीधे सरकार और पुलिस प्रशासन को चुनौती दे रहे थे। वे जीप में बैठकर माइक से प्रचार कर रहे थे कि यदि कोई आदमी सड़क पर बाहर निकला, तो उसे बुरा अंजाम भुगतना पड़ेगा, उसे गोलियों से भून दिया जाएगा, बम से उड़ा दिया जाएगा। मैंने वहां देखा है, ऐसी मुख्य सड़क पर जहां कचहरी चौक है, जहां न्यायालय है, उस चौक पर बहुत बड़ा बम रखा हुआ है।

जहानाबाद जेल पर हमला : उस रात जहानाबाद जेल की सुरक्षा के हाल भी खस्ता थे। 600 से ज्यादा कैदियों की जिम्मेदारी सिर्फ आठ सुरक्षाकर्मियों पर थी। इनमें तीन पुलिस कॉन्स्टेबल और पांच होम गार्ड थे। माओवादियों ने जेल पर हमला बोला और 389 कैदी भाग निकले। इनमें से कई माओवादी कार्यकर्ता थे। इनमें से भाकपा (माओवादी) का एक बड़ा नेता अजय कानु भी शामिल था। हमलावरों ने इस दौरान जेल के हथियारखाने के गार्ड को घायल कर दिया और सुरक्षाकर्मी को मार दिया। इसके अलावा रणवीर सेना से जुड़ा बीनू शर्मा उर्फ बड़े शर्मा और एक अन्य कैदी भी मारा गया। बड़े शर्मा तब जहानाबाद जेल में 'दादागिरी' की वजह से कई कैदियों के निशाने पर था। जहानाबाद में इस पूरे कांड को अंजाम देने के बाद माओवादियों को भाग निकलने में कोई खास दिक्कत नहीं आई। आखिरकार 14 नवंबर की सुबह 11 बजे जहानाबाद में सुरक्षाबलों ने नियंत्रण स्थापित किया। इससे पहले तक सैकड़ों की संख्या में लोग सुबह-सुबह ही जेल के हालात देखने अंदर तक जा चुके थे। एक व्यक्ति ने मीडिया समूह से बातचीत में यह तक कहा था- "सुबह में पूरे जहानाबाद की जनता जेल के अंदर थी और कैदी बाहर। राज्य सरकार के मुताबिक, बाद में होम गाड्र्स की आठ राइफल और कुछ गोला-बारूद भी लूटे जाने की बात सामने आई। कुल-मिलाकर दो जेलकर्मियों, दो रणवीर सेना के कार्यकर्ताओं और दो नक्सलियों के अलावा एक आम व्यक्ति की इस हमले में मौत हुई।

सरना धर्म कोड लागू करने की मांग को लेकर झामुमो का एकदिवसीय धरना

● केंद्र सरकार आदिवासी समुदाय के अस्तित्व, उनकी आस्था और अधिकार को नजरअंदाज कर रही है: संजीव कुमार बेदिया ● आदिवासी समुदाय के धर्म, आस्तित्व और अधिकार की रक्षा के लिए एकजुट हो जाए: संजीव बेदिया ● केंद्र की भाजपा सरकार आदिवासियों के हक़ को मारना चाहता है: जानकी यादव ● हमने झारखंड राज्य लड़कर लिया है और आदिवासियों के अधिकार सरना धर्म कोड भी हम लड़ कर लेंगे: कमल नयन सिंह

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। सरना धर्म कोड लागू किए बिना केंद्र सरकार के द्वारा जाती आधारित जनगणना किये जाने के खिलाफ झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय कार्यकारणी सदस्य सह जिला अध्यक्ष झामुमो हजारीबाग संजीव कुमार बेदिया के नेतृत्व में मंगलवार को उपायुक्त कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। आदिवासीयों की लंबे समय से सरना धर्म कोड की मांग को लेकर श्री बेदिया ने सभा में हुंकार भरते हुए कहा कि सरना धर्म कोड लागू करने की मांग को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के द्वारा एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया है। श्री बेदिया ने कहा कि सरना धर्म कोड झामुमो की कोई नयी मांग नहीं है। झामुमो हमेशा से ही इसे लागू करवाने की मांग करती रही है, कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा गत नवंबर 2020 में सरना धर्म कोड की मांग को लेकर झारखंड विधानसभा से विधेयक पारित कर अनुमोदन के लिए केंद्र सरकार को भेजा गया परंतु केंद्र सरकार के उदासीन रवैये के कारण यह अब तक लागू नहीं हो पाया है।

दुर्भाग्यवश लगभग पांच वर्ष बीत जाने के बाद भी केन्द्र सरकार ने इस पर कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया है। इसी बीच भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने जातिगत जनगणना कराने का निर्णय लिया है जो यह दर्शाता है कि भाजपा सरकार आदिवासी समुदाय के अस्तित्व, उनकी आस्था और अधिकार को नजरअंदाज कर रही है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के द्वारा जातिगत जनगणना केंद्र सरकार द्वारा कराये जाने की बात कही गयी है। इसलिए जनगणना से पहले इस सरना धर्म कोड को लागू करवाने को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा लगातार आंदोलन कर रही है। झामुमो केंद्रीय समिति के आह्वान पर आज पूरे झारखंड के जिला मुख्यालय पर सरना धर्म कोड की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया जा रहा है और सरना धर्म कोड की मांग को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा आवाज बुलंद कर रही है। कहा कि केंद्र सरकार को हर हाल में सरना धर्म कोड लागू करना होगा सरना धर्म कोड आदिवासियों के अधिकार की मांग है और उनके पहचान उनके अधिकार को दिलाने के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा कटिबद्ध है।

राज्य में सरना धर्म कोड/आदिवासी धर्म कोड लागू करने तथा इससे पहले जातिगत जनगणना रोकने की मांग को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा का आंदोलन जारी है। झामुमो का स्पष्ट मत है कि जब तक सरना धर्म कोड/आदिवासी धर्म कोड लागू नहीं होता, तब तक झारखंड में जातिगत जनगणना नहीं होने दी जायेगी। श्री बेदिया ने सभी से आह्वान करते हुए कहा कि आदिवासी समुदाय के धर्म, आस्तित्व और अधिकार की रक्षा के लिए एकजुट हो जाए।

पुर्व विधायक जानकी यादव ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार आदिवासियों के हक़ को मारना चाहता है और आदिवासीयों के आरक्षण को छीनना चाहती है। जिसे झामुमो कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। केंद्र सरकार को सरना धर्म कोड लागू करना होगा। आदिवासीयों को उनका पहचान सरना धर्म कोड लागू करना होगा।

झामुमो केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्य कमल नयन सिंह ने कहा कि केंद्र की गूंगी बहरी सरकार को जगाने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कहा कि सरना धर्म कोड आदिवासियों की संस्कृति है क्योंकि आदिवासी प्रकृति पूजक होते हैं इसलिए इनका धर्म कोड लागू करना होगा झारखंड मुक्ति मोर्चा इसके लिए कटिबंध है। कहा कि जिस तरह हमने झारखंड राज्य लड़कर लिया है इस तरह आदिवासियों के अधिकार सरना धर्म कोड भी हम लड़ कर लेंगे।

सभा को संबोधित करने वालों में नगर अध्यक्ष नवीन प्रकाश, नगर उपाध्यक्ष राजीव वर्मा, केंद्रीय समिति सदस्य मोहम्मद इजहार, विकास राणा, सुनील शर्मा, गौरव पटेल, मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत मेहता, कटकमसांडी प्रखंड अध्यक्ष सह श्रमिक संघ जिला अध्यक्ष राजा मोहम्मद, बड़कागांव प्रखंड अध्यक्ष सह श्रमिक संघ जिला सचिव संजय सिंह, इचाक प्रखंड अध्यक्ष राजेश मेहता, मोहम्मद रकीब अंसारी, आर.के. मेहता, अनवर अंसारी, कमाल कुरैशी, सरफराज अहमद, राजदेव यादव, मनोहर राम, सुनील दास, अब्दुल्ला खान, संजय करमाली, राज किशोर प्रसाद, निजाम अंसारी, कुदुस अंसारी, प्रयाग मेहता, राजीव वर्मा, जासो देवी, सलीम अंसारी, उज्जवल सिंह, देव आनंद कुमार, नजीर अहमद, रवि सिंह, बाल कुमार महतो, लखनलाल महतो, इंद्रद्धारी कुशवाहा, रामकुमार मेहता, निलेश पासवान, गुड्डू अंसारी, सुरेंद्र बांडों, कैलाश प्रसाद मेहता, अनन्या मुखर्जी, यशोदा देवी, यासीन खान, सोनाराम मांझी, रामकिशोर मुर्मु, रंजीत मेहता, सत्येंद्र मेहता, रामा सोनी, राजीव वर्मा, निसार अहमद शामिल थे।

इस अवसर पर सरना धर्म कोड की मांग को लेकर राज्यपाल के नाम उपायुक्त को एक ज्ञापन सौंपा गया। मंच संचालन जिला सचिव नीलकंठ महतो ने किया।

इस धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सदस्य, जिला समिति के पदाधिकारी गण, वरिष्ठ नेतागण,सभी प्रखंड के अध्यक्ष सचिव, 20 सूत्री अध्यक्ष उपाध्यक्ष एवं सदस्य, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा के सभी पदाधिकारीगण एवं सदस्य गण, आनुषंगिक इकाई के सभी पदाधिकारी सभी प्रकोष्ठ के सदस्य गण सहित हजारों की संख्या में सक्रिय कार्यकर्ता शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

रोटरी क्लब ऑफ़ हज़ारीबाग जागृति ने GVIIT एजुकेशन सेंटर के छात्रों के लिए प्रतियोगिता आयोजित की

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। रोटरी क्लब ऑफ़ हज़ारीबाग जागृति ने GVIIT एजुकेशन सेंटर के छात्रों के लिए एक प्रतियोगिता आयोजित की जिसमें महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया। जिसमें मुख्य रूप से एम एस आफिस, कंप्यूटर और एम एस आफिस पैकेज के मूलभूत सिद्धांत शामिल थे। विजेताओं को पदक, प्रशंसा प्रमाण पत्र जैसे पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार मंगलवार को शाम 4 बजे वितरित किए गए, जिसमें छात्रों के कौशल और उपलब्धियों को उचित मान्यता प्रदान की गई। इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ़ हज़ारीबाग जागृति की अध्यक्षा मंदिरा गुप्ता ने कहा कि यह पहल डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देती है और छात्रों की उपलब्धियों को मान्यता देती है, जो क्लब के सामुदायिक सेवा लक्ष्यों के साथ संरेखित है।

जदयू ने नवनियुक्त उपायुक्त का किया स्वागत

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। जनता दल यूनाइटेड हजारीबाग के प्रदेश एवं जिला के पदाधिकारी ने हजारीबाग उपायुक्त से मिलकर हजारीबाग में पदभार लेने पर उनका स्वागत किया साथ ही हजारीबाग के जन समस्याओं से उन्हें अवगत कराया उपायुक्त ने भी नेताओं को हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया नेताओं में प्रदेश महासचिव अर्जुन कुमार मेहता जदयू के वरिष्ठ नेता चंद्र मोहन पटेल जिला प्रवक्ता राकेश ठाकुर एवं जिला महासचिव भुवनेश्वर ठाकुर शामिल थे।

10वीं परीक्षा के परिणाम की घोषणा, इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय की गीतांजलि राज्य में अव्वल, उपायुक्त ने दी बधाई व शुभकामनाएं

● इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय, हजारीबाग के बेहतरीन प्रदर्शन से जिले का मान बढ़ा है: उपायुक्त

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। झारखंड एकेडमी काउंसिल, झारखंड द्वारा 10वीं परीक्षा का परीक्षा फल जारी हो गया है। उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह ने ने परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि इस परिक्षा में इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय, हजारीबाग की बेटियों ने कमाल कर दिखाया है। विशेष रूप से गीतांजलि ने 493 अंक (98.60 प्रतिशत) प्राप्त कर राज्य में अव्वल स्थान प्राप्त किया है, जिससे जिले का मान बढ़ा है। साथ ही सर्वोच्च दस की सूची में इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय, हजारीबाग के 14 बच्चियां शामिल है जो अत्यंत गर्व का विषय है। उपायुक्त ने सभी विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और लगन की सराहना की,जिसके परिणामस्वरूप उन्हें शानदार सफलता हासिल हुई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विद्यार्थी भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहेंगे और अपने साथ-साथ जिले का नाम भी रोशन करेंगे। उपायुक्त ने परीक्षा में सफल हुए सभी छात्र छात्राओं के माता पिता को भी बधाई और शुभकामनाएं दी है।

विभावि अंग्रेज़ी विभाग ने आयोजित किया यूफोरिया 2.0

● ऐसे साहित्यिक आयोजन विद्यार्थियों में संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण को प्रखर करता है: कुलपति

● कविता पाठ, एकांकी, कॉमेडी तथा मिमिक्री की हुई प्रस्तुति

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के अंग्रेज़ी विभाग द्वारा द्वितीय वार्षिक साहित्यिक महोत्सव, यूफ़ोरिया 2.0, का भव्य आयोजन बुधवार को विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में किया गया। इसका उद्घाटन कुलपति प्रो. चंद्र भूषण शर्मा ने किया। अंग्रेज़ी विभागाध्यक्ष डॉ. रिज़वान अहमद ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कुलपति सहित सभी अतिथियों का अभिनंदन पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। विभागाध्यक्ष ने विभाग की शैक्षणिक उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि यूफ़ोरिया जैसे आयोजन विद्यार्थियों में भाषा, अभिव्यक्ति और सृजनशीलता के समन्वय को विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. चंद्र भूषण शर्मा ने अंग्रेज़ी विभाग द्वारा ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने पर विभाग की सराहना की। कुलपति ने कहा कि साहित्यिक आयोजन न केवल विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास को बल प्रदान करते हैं, बल्कि यह संवेदनशीलता, जीवन-मूल्यों और मानवीय दृष्टिकोण को भी प्रखर करते हैं। यूफ़ोरिया जैसा आयोजन पाठ्यक्रम से परे जीवन के वास्तविक अर्थ को तलाशने का अवसर देता हैं।

महोत्सव के दौरान विद्यार्थियों ने अंग्रेज़ी कविता-पाठ, एकांकी (वन-ऐक्ट प्ले), कॉमेडी, मिमिक्री और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं जिसने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतिभागियों की भाव-प्रवण प्रस्तुतियों ने सभागार में साहित्यिक चेतना का संचार किया।

वहीं विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को कुलपति एवं विभागाध्यक्ष द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजन में विश्वविद्यालय के अंग्रेज़ी विभाग के प्राध्यापक डॉ. गंगानंद सिंह, डॉ. नीरज एवं उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ. एस. ज़ेड. हक़ सहित अन्य संकाय सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। मंच संचालन की जिम्मेदारी ऋजु और स्वाति ने अत्यंत कुशलता के साथ निभाई।

शोधार्थीयो मे फिरदौस शहनाज , रूस्तम अंसारी, फ़हीमा प्रवीन, सबा फिरदौस, साथ ही विद्यार्थियों मे अनिल, संकेत, रोशन, शिवम, आशीष, कनीज़ फ़ातिमा सहित कई अन्य छात्र-छात्राओं का योगदान सराहनीय रहा।

कर्णपुरा महाविद्यालय में व्यापक घोटाले की उच्चस्तरीय जांच की मांग को लेकर ग्रामीणों कुलपति से की मुलाकात

बड़कागांव संवाददाता

बड़कागांव। बड़कागांव प्रखंड के कई गांवों के प्रतिनिधियों ने विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति से मिलकर उन्हें बुके भेंट कर स्वागत किया।और कर्णपुरा डिग्री महाविद्यालय से जुड़ी गम्भीर अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के मामलों पर संज्ञान लेने की मांग की।ग्रामीणों ने कुलपति को सौंपे ज्ञापन में बताया कि कर्णपुरा डिग्री कॉलेज में डिग्री वितरण , नियुक्तियां , समिति गठन और सरकारी अनुदान में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा हुआ है।वहीं साथ ही साथ करोड़ों रुपये की सरकारी राशि का गबन किया गया है।उन्होंने आरोप लगाया कि पहले से स्थापित कर्णपुरा इंटर महाविद्यालय की भूमि, भवन, शिक्षक, शिक्षिकाएं और कर्मचारी आदि को डिग्री कॉलेज के रूप में प्रस्तुत कर विश्वविद्यालय से अवैध रूप से मान्यता प्राप्त की गई है।इतना ही नहीं महाविद्यालय की मान्यता के लिए फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से मात्र 4 डिसमिल भूमि को 1 एकड़ 4 डिसमिल दिखाया गया जो सीधा दस्तावेजी अपराध है।ग्रामीणों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों को चिह्नित किया जाए और उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।कुलपति महोदय ने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि सभी बिंदुओं की गंभीरता से जांच करवाई जाएगी और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।इस प्रतिनिधिमंडल में पूर्व मुखिया बसंत नारायण सिंह, अनिरुद्ध कुमार दांगी, मोहम्मद इब्राहिम, सोनू इराकी , पारस कुमार साहू , अक्षय पांडे , आशीष यादव, सतीश कुमार दास समेत कई प्रमुख ग्रामीण नागरिक उपस्थित थे।ग्रामीणों ने कुलपति के आश्वासन पर संतोष जताया और उम्मीद व्यक्त किया है कि विश्वविद्यालय प्रशासन निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से कार्रवाई करेगा, ताकि शिक्षा की गरिमा बनी रहे और भ्रष्टाचार पर लगाम लगे।उक्त आशय की जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सोनू इराकी के द्वारा दिया गया।

विभावि भूगोल विभाग में आयोजित हुआ कुलाधिपति व्याख्यान-05

● झारखंड की भू-आकृति पर हो रही है मशीनी छेड़छाड़: डॉ जितेंद्र शुक्ला

● विद्यार्थी केंद्रीय पुस्तकालय का लाभ ले: कुलपति

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग में चांसलर्स लेक्चर सीरीज के तहत पाँचवा व्याख्यान झारखंड का भू-विज्ञान एवं भूआकृति विषयक पर बुधवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर चंद्र भूषण शर्मा उपस्थित हुए। कार्यक्रम की शुरुआत भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. सरोज कुमार सिंह के स्वागत अभिभाषण एवं विषय प्रवेश से हुआ। इसमें इन्होंने बताया कि झारखण्ड के कोल्हान क्षेत्र विश्व का प्राचीनतम भूखण्ड का प्रतिनिधित्व करता है। कुलपति ने आयोजन की सलाह ना करते हुए विश्वविद्यालय की वर्तमान विधि व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु दृढ़ संकल्पना जाहिर की। साथ हीं उन्होंने भूगोल के उपस्थित छात्रों को पुस्तकालय जाने तथा हॉस्टल में नामांकन कराने के लिए प्रेरित किया। विनोबा भावे विश्वविद्यालय को पूरे झारखंड में उत्कृष्ट विश्वविद्यालय बनाने के लिए भी दृढ़ संकल्पित होकर काम करने पर बल दिया।

बतौर मुख्य वक्ता रांची विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ जितेंद्र शुक्ला ने जियोलॉजी और ज्योमोरफ़ोलॉजी पर चर्चा झारखंड के विशेष संदर्भ में की। उन्होंने चट्टानों के निर्माण की प्रक्रिया को अलग-अलग भू-वैज्ञानिक कालखंडों के अनुसार विस्तार से बताया। भू-वैज्ञानिक कालखंडों में निर्मित इन चट्टानों पर दीर्घ अवधि तक बाह्य बलों के प्रभाव पड़ने से बनने वाले विभिन्न स्थलाकृतियों यथा टॉर्स (बड़े शिलाखण्ड जो एक दूसरे पर रखे प्रतीत होते हैं), गुम्बदाकार पहाड़ियाँ, झरना, घाटियों को पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रकृति में मानव के मशीनी छेड़छाड़ से भूआकृतियों के बदलाव पर चर्चा किया। मौके पर पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. कमला प्रसाद, डॉ. ओमप्रकाश महतो तथा डा पी0 के सिंह उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में शोधार्थियों के साथ-साथ स्नातकोत्तर समसत्र 4 एवं 2 के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी परीक्षित कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन शोधार्थी सौरभ कुमार द्वारा किया गया।

पीसीसी रोड बन कर तैयार ,मिट्टी प्लिंथ नहीं होने के कारण हो रही दुर्घटनाएं

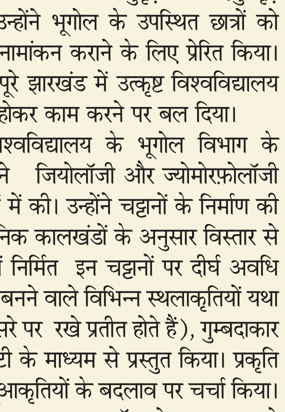

बड़कागांव संजय कुमार

बड़कागांव। प्रखंड के डाड़ीकलां पंचायत के डाड़ीकलां मोड़ से चेपाखुर्द तक पीसीसी पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य किया गया। जिसका शिलान्यास बड़कागांव विधायक रोशनलाल चौधरी ने बीते 5 मई को किया। लेकिन विभागीय अभियंताओं और संवेदकों की मिलीभगत से इस योजना का मजाक उड़ रहा है। डाड़ीकलां मोड़ में झारखंड सरकार ग्रामीण कार्य विभाग, प्रमंडल हजारीबाग, प्रखंड बड़कागांव डाड़ी मोड से मंझली डाड़ी तक पथ सुदृढ़ीकरण का बोर्ड लगाया गया है। जिसमें साफ लिखा हुआ है कि डाड़ी मोड़ से मंझली डाड़ी के लिए स्वीकृत है। लेकिन वास्तव में सड़क का निर्माण कहीं और कराया गया है। विभाग की इस मनमानी से स्थानीय ग्रामीण हैरान हैं। सड़क का सुदृढ़ीकरण डाड़ी कलां मोड़ से चेपाखुर्द तक कराई गई है। हैरानी की बात यह है कि डाड़ी कलां से मंझली डाड़ी को जोड़ने के लिए कोई सड़क है ही नहीं जिसका शिला पट्ट में उल्लेख है। अब सवाल यह है की इस सड़क से किसको फायदा होने वाला है जबकि डाड़ी कलां पंचायत के मंझली डाड़ी एवं उपरैली डाड़ी एनटीपीसी के पंकरी बरवाडीह कोल् खनन परियोजना के कारण विस्थापित हो चुका है वहीं बचे हुए गांव को भी पूर्ण रूप से विस्थापित होना है। वहीं इस पीसीसी पथ का सुदृढ़ीकरण किया गया है लेकिन अभी तक पीसीसी के बगल में मिट्टी प्लिंथ अभी तक नहीं किया गया हैद्य जिसके कारण आने-जाने में ग्रामीणों को परेशानी झेलना पड़ रहा है दुर्घटनाएं हो रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पीसीसी के बगल में मिट्टी जल्द से जल्द भरा जाए ताकि परेशानी नहीं हो और दुर्घटना होने से रोका जा सके।

उपायुक्त ने की मनरेगा योजना की समीक्षा बैठक, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। समाहरणालय सभागार में बुधवार को उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में मनरेगा योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान उपायुक्त ने मनरेगा के अंतर्गत संचालित योजनाओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने विशेष रूप से उन प्रखंडों की पहचान की जिनका प्रदर्शन अपेक्षा से कम रहा है। उन्होंने इस पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए संबंधित बीपीओ, एई एवं रोजगार सेवकों को 15 दिनों के भीतर कार्य में सुधार लाकर संतोषजनक प्रगति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही, अधिकारियों को नियमित क्षेत्र भ्रमण कर योजनाओं की भौतिक प्रगति की निगरानी करने तथा ससमय डेटा अद्यतन करने के निर्देश भी दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि मनरेगा योजना न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराने का माध्यम है, बल्कि यह क्षेत्रीय विकास को भी गति प्रदान करती है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे अधिक से अधिक मानव दिवस सृजन पर ध्यान केंद्रित करें तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करें।

उन्होंने सबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि योजना की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए और समय पर श्रमिकों को उनकी मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निरीक्षण की प्रक्रिया को और अधिक सशक्त एवं नियमित बनाते हुए कार्यों में पारदर्शिता लाने पर भी बल दिया। बैठक के अंत में उपायुक्त ने कहा कि मनरेगा योजनाओं के माध्यम से हमें ग्रामीण क्षेत्रों में सतत विकास एवं रोजगार के अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार प्रयासरत रहना होगा। उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहते हुए कार्य निष्पादन में गुणवत्ता और तत्परता लाने के निर्देश दिए।

बैठक में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के अलावे डीडीसी इश्तियाक अहमद, जिले के सभी बीपीओ, एई, रोजगार सेवक सहित कई अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

चार प्रमुख सड़कों का 8 करोड़ लागत राशि से सड़क सुदृढ़ीकरण कार्य का विधायक ने किया शिलान्यास

बड़कागांव संवाददाता
बड़कागांव। बड़कागांव विधायक रोशनलाल चौधरी ने बड़कागांव प्रखंड के चार महत्वपूर्ण सड़कों का लगभग 8 करोड रुपए के लागत राशि से सुदृढ़ीकरण कार्य का आधारशिला रखा। जिसमें ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल हजारीबाग मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत ग्राम काण्डतरी से बुढ़वा महादेव तक पथ सुदृढ़ीकरण कार्य (लंबाई 2.400 किलोमीटर)। ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल हजारीबाग मुख्यमंत्री ग्राम सड़क

योजना अंतर्गत ग्राम नापोखुर्द से असनाटांड़ तक सुदृढ़ीकरण कार्य (लंबाई 2.750 किलोमीटर)। ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल हजारीबाग मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत ग्राम अंगो आरईओ रोड से कर्माटांड़ बाघपंजा होते हुए कोयलग सरना बगाही तक पथ सुदृढ़ीकरण कार्य (लंबाई 4.225 किलोमीटर)। ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल हजारीबाग मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत ग्राम लुरुंगा में रोड से आदिवासी टोला होते हुए लोटवा टांड़ चानों तक पथ सुदृढ़ीकरण कार्य लंबाई (3.400 किलोमीटर) मौके पर विधायक रोशन लाल चौधरी ने ग्रामीणों से कहा कि यह आपके गांव की सड़क है आपके विकास में यही सड़क है तेजी लाएंगे इसलिए आप सभी ग्रामीण अपने उपस्थिति में इसे सही तरीके से सड़क को बनवाएं ताकि आने वाले दिनों में आपको किसी भी प्रकार के कोई समस्या ना हो। कहा कि हमारा एक ही उद्देश्य है बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र का संपूर्ण विकास हो।

मौके पर मुख्य रूप से उप प्रमुख वचनदेव कुमार,आजसू केंद्रीय सचिव कालेश्वर गंझू, नागेश्वर तुरी, सांसद मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी,मंडल सांसद प्रतिनिधि महेंद्र महतो, मुखिया संघ अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार, कृष्णा राम,मंडल कोषाध्यक्ष ज्ञानचंद्र कुमार उर्फ ज्ञानी, बढन तुरी, प्रदीप महतो,मंगल तुरी, नारायण प्रसाद, जितेंद्र कुमार, रामदास तुरी, मिथलेश साव, मेवालाल नाग, अमन गंझू,दिनेश कुमार, मुरली महतो , महेंद्र महतो, सुधीर महतो, कृष्णा राम, मेवा लाल ठाकुर,सुनील उरांव, लक्ष्मण कुमार, संतोष कुमार, आजसू जिला उपाध्यक्ष उपेंद्र प्रसाद, समेत भारी संख्या में भाजपा आजसू कार्यकर्ता एवं सैकड़ो ग्रामीण महिला पुरुष उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

सोनू कॉन्सेप्ट अकैडमी का रिजल्ट शत प्रतिशत

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास
चतरा। शहर के नगवां बायपास रोड (नियर नगवां सरकारी स्कूल) में संचालित सोनू कॉन्सेप्ट अकैडमी का मैट्रिक का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा। इस कोचिंग संस्थान से कुल 42 छात्र - छात्राओं परीक्षा में शामिल हुए थे। सभी छात्र-छात्राओं सफल रहे, जिसमें रिया राज 88.4% अंक लाकर कोचिंग टॉपर रही है, दूसरे नारायणी खुशी व विकी कुमार तीसरे स्थान प्राप्त किए। इसके अलावे सौरभ, गौतम, चांदनी, अलीशा, निशा, सनी, प्रिंस, प्रिया, मुकेश, सुमन एवं सभी विद्यार्थी अच्छे अंक से उत्तीर्ण हुए। कोचिंग संस्थान के डायरेक्टर सोनू कुमार ने सभी सफल बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी है। निदेशक सोनू कुमार यह भी कहा कि जिन विद्यार्थियों का परिणाम इस बार अपेक्षित नहीं रहा, वे निराश न हों। यह अंत नहीं, एक नया अवसर है। खुद पर विश्वास रखें, लगन और धैर्य के साथ फिर प्रयास करें, सफलता जरूर मिलेगी। आप सभी के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएँ।

आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका की मौत से गांव में शोक, घर में पसरा मातम

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता आई एम कादरी-कांडी
गढ़वा जिले के कांडी थाना क्षेत्र अंतर्गत सोनपुरवा आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका व अधौरा गांव की निवासी एवं चंद्रदेव राम की पत्नी तारा देवी की मौत रिम्स हॉस्पिटल में इलाज के दौरान सुबह 3 बजे हो गई जिनकी उम्र 52 वर्ष थी तारा देवी कुछ दिनों से बीमार चल रही थी परिजनों ने इलाज के लिए रांची रिम्स हॉस्पिटल में भर्ती किए थे तारा देवी 20 अगस्त 1993 को आंगनबाड़ी केंद्र सोनपुरवा में सेविका के पद पर योगदान की थी उनकी अंतिम यात्रा में बहुत से लोग शामिल हुए तथा कई आंगनबाड़ी केंद्र के सेविका व सहायिका भी मौजूद थीं वहीं घर के तमाम लोगों का रो रो कर बुरा हाल था बाल विकास केंद्र कांडी की महिला सुपरवाइजर राणा तबस्सुम भी तारा देवी की अंतिम यात्रा में दर्शन के लिए पहुंची और उन्होंने बताया कि सरकारी प्रावधान के तहत जो भी देय होगा मिलेगा और राणा तबस्सुम ने कहा कि सरकार की ओर से एक महिला परिजन को नौकरी का प्रावधान है जिसके लिए विभाग को लिखा जाएगा.

पद स्थापना से पूर्व जिले के नए आरक्षी अधीक्षक ने मां भद्रकाली मंदिर में की पूजा अर्चना

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास
इटखोरी (चतरा)। चतरा जिले के नए आरक्षी अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल ने जिला पुलिस कप्तान का पदभार ग्रहण करने से पूर्व जिले के ऐतिहासिक भद्रकाली मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। मां भद्रकाली की पूजा-अर्चना के उपरांत वे मंदिर प्रांगण में अवस्थित सुफल नाथ, पंचमुखी हनुमान मंदिर, शनिदेव मंदिर और सहस्त्र शिवलिंगम मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। पूजा-अर्चना के बाद उन्हें मंदिर कार्यालय में मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्यों ने मां का प्रतीक चिन्ह भेंट किया। इसके बाद वे चतरा एसपी कार्यालय पदभार ग्रहण करने के लिए रवाना हो गए। जहां पर निवर्तमान आरक्षी अधीक्षक विकास कुमार पांडेय ने नव पद स्थापित आरक्षी अधीक्षक सुमित सुमित कुमार अग्रवाल को जिला पुलिस कप्तान का पदभार सौंपा जिसके बाद जिला पुलिस अधीक्षक कार्यलय में पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल ने पदभार संभाला । पूजा अर्चना के मौके पर इटखोरी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह,मयूरहंड थाना प्रभारी आशीष प्रसाद, मंदिर प्रबंधन समिति के सुरेंद्र सिंह, नागेश्वर यादव, दीपक गिरी हिंदुस्तानी समेत मौजूद थे।

श्री चित्रगुप्त मंदिर ट्रस्ट, हजारीबाग के सदस्यों ने पूर्व उपायुक्त नैंसी सहाय को दी भावभीनी विदाई

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। हजारीबाग जिले की पूर्व उपायुक्त नैंसी सहाय को उनके उल्लेखनीय कार्यकाल के लिए श्री चित्रगुप्त मंदिर ट्रस्ट, हजारीबाग के सदस्यों ने भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर ट्रस्ट की ओर से उन्हें अंगवस्त्र और कलम भेंट कर सम्मानित किया गया। विदाई समारोह के दौरान ट्रस्ट के प्रमुख सदस्य अनुपम सिन्हा, अधिवक्ता राज प्रकाश, सुभम प्रकाश, अनुज सिन्हा सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

ट्रस्ट के सदस्यों ने नैंसी सहाय के प्रशासनिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनका कार्यकाल न केवल शांतिपूर्ण रहा, बल्कि विकास की दृष्टि से भी उल्लेखनीय रहा है। उनके कार्यों को हजारीबागवासी लंबे

समय तक याद रखेंगे। उन्होंने बिना किसी विवाद के जिले में कई महत्वपूर्ण योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू किया और जनहित में उत्कृष्ट कार्य किया।

नैंसी सहाय ने अपने तीन वर्ष तीन माह के कार्यकाल के दौरान हजारीबाग जिले को कई उपलब्धियाँ दीं। उन्होंने लोकसभा, विधानसभा और पंचायत चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से सम्पन्न कराया। इसके साथ ही, उन्होंने चार बार रामनवमी जैसे संवेदनशील पर्व को भी सफलतापूर्वक संचालित किया, जो प्रशासनिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण माने जाते हैं।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों की मेजबानी भी उन्होंने जिले में बखूबी निभाई और उच्चस्तरीय प्रबंधन का प्रदर्शन किया। उनके नेतृत्व में जिले में विभिन्न सरकारी योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया गया, जिससे आम जनता को सीधे लाभ प्राप्त हुआ।

ट्रस्ट के सदस्यों ने कहा कि नैंसी सहाय का सहज, संवेदनशील और कर्तव्यनिष्ठ स्वभाव प्रशासन और आम जनता के बीच एक सेतु का कार्य करता रहा। उनका योगदान जिले के समग्र विकास में मील का पत्थर साबित हुआ है। ऐसे प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति समाज के लिए प्रेरणादायक होती है।

इस अवसर पर नैंसी सहाय ने भी सभी का धन्यवाद व्यक्त किया और कहा कि हजारीबाग उनके दिल के बहुत करीब रहा है। उन्होंने कहा कि जिलेवासियों का सहयोग और स्नेह ही उनकी सबसे बड़ी ताकत रहा है। विदाई समारोह सौहार्द्रपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ।

जैक का माध्यमिक परीक्षा का रिज़ल्ट जारी, हजारीबाग का राज्य में मिला सातवां स्थान

- **सभी सफ़ल अभ्यर्थियों को सांसद मनीष जायसवाल ने दी बधाई और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की**

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। मंगलवार को झारखंड एकेडमिक काउंसिल से जारी दशवीं के परीक्षा परिणाम में 94.64त्न के साथ हजारीबाग जिला सातवें स्थान पर रहा। इस परीक्षा में इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय, हजारीबाग की बेटियों ने अपना दबदबा कायम रखते हुए झारखंड में अपना डंका फ़िर एक बार बजा दिया। इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय, हजारीबाग की छात्रा गीतांजलि ने कुल 493 (98.6%) अंक लाकर स्टेट टॉपर होने का गौरव प्राप्त किया। गीतांजलि मूल रूप से गढ़वा जिले की भवनाथपुर की रहने वाली हैं। इनके पिता पारा टीचर हैं। गीतांजलि डॉक्टर बनने का सपना देखती हैं। सर्वोच्च दस की सूची में भी इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय, हजारीबाग के ही कुल 14 छात्राओं ने स्थान हासिल कर जिले के नाम रोशन किया ।

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने जैक द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम के बाद परीक्षा में उत्तीर्ण सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों सहित जिले के सभी वरीय अधिकारियों को बधाई दी साथ ही परीक्षा में सफल हुए सभी छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने परीक्षा में किसी कारण से असफल हुए विद्यार्थियों को निराश न होने के साथ ही उन्हें दोगुनी जोश के साथ श्रम करने की सलाह दी ताकि सफलता उनके कदम चूमे।

माही कुमारी बनी मैट्रिक की परीक्षा में इटखोरी प्रखंड टॉपर

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास
इटखोरी (चतरा)। प्रखंड की होनहार छात्रा माही कुमारी ने मैट्रिक परीक्षा में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रखंड टॉपर बनने का गौरव हासिल किया है। माही इटखोरी निवासी लक्ष्मी नारायण सिंह की पुत्री हैं। उसकी इस शानदार उपलब्धि से क्षेत्र में हर्ष और गर्व का माहौल है। इसने वर्ष 2025 में ज्ञान सरोवर विद्यालय से मैट्रिक की परीक्षा दी थी। विद्यालय परिवार में इसकी सफलता पर हार्दिक शुभकामनाएं और बधाइयां दी।

मज़दूर की बेटी ने किया हंटरगंज प्रखंड टॉप

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास
हंटरगंज (चतरा)। हंटरगंज प्रखण्ड के मज़दूर की बेटी निक्की कुमारी ने झारखंड एकेडमिक काउंसिल से मैट्रिक की परीक्षा में प्रखण्ड टॉप किया है वही जिला में टॉप टेन में अपना जगह बनाई है। प्रखण्ड के कशीकेवाल निवासी मज़दूर पंडित यादव एवं माता सुनीता देवी की पुत्री निक्की ने 500 में 469 अंक प्राप्त किया है। बताते चले की निक्की के पिता रांची में मजदूरी करते हैं। इसी से वे अपने जीवन का भरण पोषण करते हैं। आठवीं तक की पढ़ाई उसने उत्क्रमित मध्य विद्यालय काशीकेवाल से तथा उसके बाद प्रोजेक्ट गर्ल हाई स्कूल हंटरगंज से परीक्षा पूरी की है। निक्की ने अपने सफलता का श्रेय अपने शिक्षक रोहित कुमार यादव और अपने माता पिता को दी। मां सरस्वती कोचिंग संस्थान शिक्षक रोहित एवं माता, पिता ने उसे मिठाई खिलाकर बधाई दी है। निक्की बताती है कि रोजाना 8 घंटे पढ़ाई करती थी।

किसान के पुत्री प्रतिमा कुमारी ने मैट्रिक परीक्षा 2025में बना विद्यालय टॉपर

आदिवासी एक्सप्रेस लालू कुमार यादव हुसैनाबाद पलामू
हुसैनाबाद, पलामू छतरपुर प्रखंड के सुशिगंज पंचायत स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय लठेया में इस बार मैट्रिक परीक्षा में छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया है।संजय यादव /मता लाली देवी ग्राम गोठा निवासी के पुत्री प्रतिमा कुमारी ने अपने विधालय में 470/ 94त्न अंक प्राप्त कर विद्यालय में टॉप किया है।और अब तक का सर्वोच्च अंक प्राप्त किया है।अपनी मेहनत से पुत्री को बेहतर शिक्षा के लिए उनके मता पिता ने प्रेरित किया

है। और काफी खुशी का माहौल है। इस सकारात्मक परिणाम पर मता पिता ने खुशी व्यक्त की। उन्होंने बताया कि विद्यालय के हाई स्कूल के मात्र तीन शिक्षक होने के बावजूद, छात्रों और शिक्षकों की कड़ी मेहनत से यह संभव हो पाया। उन्होंने ने प्रतिमा कुमारी को उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रतिमा कुमारी का सपना है। कि वह आगे पढ़ कर आइएस बनना चाहती है। अगर मता पिता और गुरूजनो का साथ मिला तो।एक नया इतिहास रचेगी। विधालय के शिक्षकों ने उन्हें उज्वल भविष्य कि शुभकामनाएं दीं। राधेश्याम विदया मंदिर विधालय के शिक्षक भोला कुमार यादव सर को प्रतिमा कुमारी आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सर पढ़ाई के साथ अनुशासन में रहने का सिखाया है। और साइंस इरा कोचिंग सेंटर के निदेशक कमलेश कुमार यादव सर को भी बधाई प्रतिमा कुमारी ने दी उन्होंने कहा की कमलेश सर मार्गदर्शन से विज्ञान विषयों में 98 अंक प्राप्त किया हूं। क्षेत्र में प्रतिमा कुमारी को लोगों ने उज्ज्वल भविष्य की कामनाएं की है।

राष्ट्रीय जनता दल के प्रखंड अध्यक्षों के संगठनात्मक चुनाव हेतु महत्त्वपूर्ण बैठक मेदनीनगर में हुआ संपन्न

आदिवासी एक्सप्रेस लालू कुमार यादव हुसैनाबाद पलामू
हुसैनाबाद मेदिनीनगर पलामू जिला के परिसदन भवन में राष्ट्रीय जनता दल द्वारा प्रखंड अध्यक्षों का संगठनात्मक चुनाव कराने हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक धनंजय पासवान की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पलामू जिला निर्वाचन पदाधिकारी डा मुर्तजा एवं सहायक जिला निर्वाचन पदाधिकारी अभय कुमार पांडे,

उपस्थित हुए। कार्यक्रम में सर्वसम्मति से प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी (BRO) तथा सहायक प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी (ABRO) का घोषणा किया गया। मौके पर सैयद शम्मी अहमद ,साहिल साहनी ,जयशंकर ठाकुर ,अश्विनी पांडे ,गणेश प्रसाद ,कामाख्या नारायण सिंह , विकास यादव, सिराजुद्दीन अंसारी ,भास्कर शर्मा, अमीनुद्दीन अंसारी ,मुन्ना यादव जियाउद्दीन अंसारी ,दीपक चंद्रवंशी, रणजीत पासवान,राजेंद्र यादव, बीरेंद्र, अर्जुन यादव, दामोदर कुमार, हरेलाल मेहता संजय यादव आदि लोग मौजूद थे।

नौडीहा बाजार मैट्रिक में उत्कृष्ट एवं प्रखंड टॉपर बने अंशु कुमार

- **व्यवसाई का बेटा बना प्रखंड टॉपर**

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता संवाददाता- पप्पू यादव
नौडीहा बाजार, पलामू। जिले केजरीवाल नौडीहा बाजार पीएम श्री स्तरोन्नत उच्च विद्यालय, नौडीहा का

होनहार छात्र अंशु कुमार गुप्ता पिता श्री प्रमोद कुमार गुप्ता , माध्यमिक बोर्ड परीक्षाफल में उत्तीर्णता नौडीहा प्रखंड में अव्वल रहा,जिला टॉप 10 में मात्र एक नंबर से पीछे रह गया।पिता प्रमोद प्रसाद गुप्ता एक छोटे व्यवसाई है, घर में शिक्षा की कोई अच्छी पृष्ठभूमि नहीं रही है। दूरभाष पर बधाई देने के क्रम में अंशु ने बताया कि वह प्रतिदिन 10 घंटे पढ़ाई करता था।इस अपार सफलता में उसने अपने गुरुजन और परिवार की महती भूमिका का श्रेय पात्र बताया है।नौडीहा प्रखंड को इस होनहार छात्र पर नाज है।इसके पितामह काशी प्रसाद गुप्ता नौडीहा प्रखंड के भाजपा के प्रखंड अध्यक्ष है। बधाई एवं शुभकामनाएं दीए।

पत्रकार पर हमला मामला में अध्यक्ष दीपक देशमुख के नेतृत्व में प्रेस क्लब प्रतिनिधि मंडल ने एसडीपीओ से की मुलाकात

आदिवासी एक्सप्रेस जिला ब्यूरो अजय कुमार कुशवाहा
बरहरवा (28 मई)। कोटालपोखर थाना क्षेत्र में रविवार 25 मई को पत्रकार ओम प्रकाश साहा के साथ हुई मारपीट की घटना को लेकर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत कोटालपोखर थाना में कांड संख्या 70/25 दर्ज कर मामले की जांच प्रारंभ कर दी गई है।

सूत्रों के अनुसार, घटना उस समय

घटी जब ट्रक ड्राइवर, खलासी एवं कुछ असामाजिक तत्व एक व्यक्ति से मारपीट कर रहे थे। इस दौरान पत्रकार ओम प्रकाश साहा ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन हमलावरों ने उन पर भी हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया।

प्रेस क्लब का प्रतिनिधिमंडल पहुँचा एसडीपीओ कार्यालय
घटना के विरोध में बुधवार को बरहरवा प्रेस क्लब का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष दीपक देशमुख के नेतृत्व में बरहरवा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) नितिन खंडेलवाल से मिला और आरोपियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की। इस दौरान पीड़ित पत्रकार ने घटना का वीडियो फुटेज भी प्रस्तुत किया और पूरी घटना की विस्तृत जानकारी एसडीपीओ के साथ साझा की।

पत्रकारों ने जताया आक्रोश और एकजुटता
प्रेस क्लब प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष दीपक देशमुख के अलावा सचिव अजीत कुमार, वरिष्ठ पत्रकार बैदुल आलम, वसीम अकरम, मुन्ना राजा, सरोज कुमार झा और अन्य पत्रकार शामिल थे। प्रतिनिधियों ने प्रशासन से पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की और कहा कि ऐसी घटनाएं लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर सीधा हमला हैं।

एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कोटालपोखर थाना प्रभारी चंदन भैया और केस के अनुसंधानकर्ता को 24 घंटे के भीतर आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि, क्षेत्र में किसी भी प्रकार की गुंडागर्दी या अराजकता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पत्रकारों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

इन धाराओं में केस दर्ज
पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 की धारा 191(2), 191(3), 115(2), 117(2), 126(2), 109(1), 351(3), और 352 के तहत मामला दर्ज किया है।

संक्षिप्त समाचार

शिकारीपाड़ा राधा कृष्णा मंदिर प्रांगण में 24 प्रहार अखंड हरी नाम संकीर्तन का हुआ समापन

शिकारीपाड़ा/दुमका।
ललित कुमार पाल की रिपोर्ट।
शिकारीपाड़ा राधा कृष्ण मंदिर प्रांगण में आयोजित 24 प्रहर व्यापी श्री श्री 108 अखंड हरी नाम संकीर्तन का बुधवार को समापन हो गया। अखंड हरी नाम संकीर्तन का आयोजन 24 मई शनिवार को शुभ गंदा दिवस के साथ हुआ था। और बुधवार को कुंज वर्णन के साथ समापन हो गया। कीर्तनिया सायबा रानी दासी और ज्योतिका दासी के द्वारा बांग्ला लीला कीर्तन का प्रस्तुति की गई। कीर्तन समापन के पश्चात महंत विदाई तत् पश्चात सभी भक्तों के बीच महा प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर पूरा शिकारीपाड़ा कृष्ण भक्ति में डूबा रहा। कीर्तन का आयोजन शिकारीपाड़ा राधा कृष्ण मंदिर समिति की ओर से की गई थी।

कांजो पंचायत के चितबेसरा में सरकार मनरेगा तालाब मैडम काटकर से अज्ञात लोगों द्वारा ट्रेक्टर से मिट्टी की हो रही है ढुलाई, बीडीओ कहा होगी जांच

रामगढ़ /रामजी साह।
इन दिनों रामगढ़ में अज्ञात लोगों द्वारा लाखों रुपए की लागत से बने सरकारी मनरेगा तालाब के मैड को काटकर ट्रेक्टर से सरकारी तालाब का मिटटी काटकर अपना नीजी काम कर रहे हैं। इन्हें तनिक भी स्थानीय प्रशासन की डर नहीं है। सरकारी मैडम को काटकर ईंट भट्टा घर के पास गड्डी को भरने का काम किया जा रहा है। बुधवार को कांजो पंचायत के सिमरा पतगोडा सड़क मार्ग के सिमरा पुल के पास चितबैसरा में अज्ञात लोगों द्वारा मनरेगा तालाब के मैड से मिट्टी काटकर ट्रेक्टर पर लोड करते देखा गया।वहीं इस मामले में बुधवार को बीडीओ कमलेंद्र सिन्हा ने कहा तालाब की जांच कर आगे की कार्यवाही की जायेगी।

एक दिवसीय दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का आयोजन, उपायुक्त व उप विकास आयुक्त, सांसद प्रतिनिधि एवं राजेडी, जिला अध्यक्ष मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
पाकुड़- श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग जिला नियोजनालय सह मांडल कैरियर सेंटर पाकुड़ द्वारा बाजार समिति में दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का आयोजन किया गया। जिसमें आठवीं से ग्रेजुएट पास युवक-युवतियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त मनीष कुमार व उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, जिला नियोजनालय पदाधिकारी श्री राहुल कुमार, सांसद प्रतिनिधि श्री श्याम यादव व राजेडी जिला अध्यक्ष के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।
उपायुक्त मनीष कुमार ने रोजगार मेले में आये बेरोजगार युवक/युवतियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि निजी कंपनियों में कई ऐसे पोस्ट होते हैं जिसके लिए युवाओं को प्रशिक्षित होना जरुरी है। रोजगार मेला में अलग अलग राज्यों से कई कंपनियां पहुंची है। कंपनियों के खाली पड़े पदों पर अभ्यर्थियों को उनकी योग्यता व कौशल के अनुरूप बहाल किया जाएगा। कोई भी जॉब छोटा या बड़ा की श्रेणी में हमें नहीं आंकना चाहिए। उपायुक्त ने कम्पनियों से अपील किया कि पाकुड़ के युवा को मौका जरूर दें।
उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया ने अपने संबोधन में कहा कि आज नियोजनालय, पाकुड़ के सौजन्य से रोजगार मेला का आयोजन किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को उनके अभिरुचि एवं शैक्षणिक योग्यता के अनुसार नौकरी प्रदान करना है।आप सभी अपनी अभिरुचि एवं योग्यता के अनुसार स्टॉल में जाएं और नौकरी हेतु आवेदन करें।

सिविल सर्जन साहिबगंज डॉ. परवीन कुमार संथालिया द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) उधवा का औचक निरीक्षण किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। उधवा मे आज दिनांक 28 मई 2025 समय 09:50 को सिविल सर्जन साहिबगंज डॉ. परवीन कुमार संथालिया द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) उधवा का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन ने डिलीवरी रूम, आईपीडी और लैब सहित पूरे संस्थान का गहन मूल्यांकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ-सफाई की व्यवस्था, दवाओं की उपलब्धता, रोगियों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं तथा उपकरणों की स्थिति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। मौके पर उपस्थित स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देश दिया गया कि वे स्वास्थ्य केंद्र की सेवाओं की गुणवत्ता में और सुधार लाएं तथा साफ-सफाई और रिकॉर्ड की अद्यतन स्थिति बनाए रखें।सिविल सर्जन ने चिकित्सा पदाधिकारी एवं कर्मियों की उपस्थिति पंजी, रोस्टर के अनुसार कर्मियों की उपस्थिति आदि को भी बारी बारी से देखे।इस निरीक्षण का उद्देश्य जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सेवा गुणवत्ता की निगरानी करना एवं जिम्मेदार कर्मियों को सक्रिय बनाए रखना है। निरीक्षण के दौरान जिला डाटा प्रबंधक आईडीएसपी, एलटी, एएनएम एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे।

नदी के 200 मीटर के परिधि में समस्त प्रकार के खनन गतिविधियों पर रोक लगाने हेतु जिला स्तरीय टास्क फोर्स डीएलटीएफ की बैठक आयोजित की गई है

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में जलापूर्ति योजनाओं के जल श्रोतों को स्थायित्व अनुकूल बनाये रखने के लिए नदी के 200 मीटर के परिधि में समस्त प्रकार के खनन गतिविधियों पर रोक लगाने हेतु जिला स्तरीय टास्क फोर्स (DLTF) की बैठक आयोजित की गई।

सतही जल आधारित पेयजलापूर्ति योजनाओं के जल श्रोतों को स्थायित्वों तथा पर्यावरण अनुकूल बनाये रखने के लिए नदियों के 200 मीटर के परिधि में बालू एवं समस्त प्रकार की खनन गतिविधियों पर रोक लगाने हेतु जिला स्तरीय टास्क फोर्स (छ्रस्क्षस्न) का गठन करने का दिये गये निदेश के आलोक में उपायुक्त द्वारा पूछे जाने पर जिला खनन पदाधिकारी, पाकुड़ द्वारा बताया गया कि कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, पाकुड़ के द्वारा जिले के सभी नदी आधारित जलापूर्ति योजनाओं एवं जल श्रोतों की विवरणी उपलब्ध कराये जाने के उपरान्त नदी से जलापूर्ति योजनाओं के जल श्रोत के 200 मीटर के परिधि पर खनन कार्य पर रोक लगायी जायेगी तथा इस आशय का साईन बोर्ड जायेगा कि 200 मीटर की परिधि में किसी प्रकार का खनन की गतिविधि हेतु अनुमति नहीं दी जायेगी तथा खनन बन्द रहेगा।उपायुक्त द्वारा बैठक में बताया गया कि सतही जल आधारित पेयजलापूर्ति योजनाओं के जल श्रोत्रों को स्थायित्व तथा पर्यावरण अनुकूल बनाये रखने के लिये नदियों के 200 मीटर की परिधि में बालू एवं समस्त प्रकार की खनन गतिविधियों पर रोक लगाने हेतु कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, पाकुड़ को निर्देश दिया गया कि यथाशीघ्र इंटेक वेल की सूची जिला खनन पदाधिकारी, पाकुड़ को उपलब्ध कराया जाय। जिला खनन पदाधिकारी, पाकुड़ श्रेणी-2 के सभी बालूघाटों में बने इंटेक वेल पर खनन गतिविधि पर रोक लगाने हेतु साईनबोर्ड 10 दिनों के अन्दर लगाना सुनिश्चित करेंगे।उपायुक्त ने कहा कि उच्च स्तरीय पुल से 500 मीटर एवं नीचे से 200 मीटर की दूरी तक, राष्ट्रीय राजमार्ग / रेलवे लाईन से 100 मीटर पर बालू उत्खनन पर प्रतिबंध लगाने हेतु साईनबोर्ड लगाना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही जिला पंचायती राज पदाधिकारी, पाकुड़, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, महेशपुर /पाकुड़िया / लिट्टीपाड़ा के सहयोग से श्रेणी-1 के बालूघाटों में बने इंटेक वेल पर खनन गतिविधि पर रोक लगाने हेतु साईनबोर्ड 10 दिनों के अन्दर लगाना सुनिश्चित करेंगे।
बैठक में उपायुक्त द्वारा उप विकास आयुक्त, पाकुड़ को निदेश दिया गया कि प्रतिबंधित क्षेत्र से किसी भी प्रकार का अवैध खनन नही होने पाएं, इसके लिए संबंधित प्रखण्ड विकास पदाधिकारी / अंचलाधिकारी को ग्राम पंचायत द्वारा इसका अनुश्रवण निरंतर कराया जाय। नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति / संस्था के संबंध में संबंधित मुखिया से जानकारी एवं साक्ष्य प्राप्त कर विधिसम्मत कार्रवाई हेतु आवश्यक कार्रवाई करेंगे।
उपायुक्त द्वारा बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी, पाकुड़ को निर्देश दिया दिया गया कि वन क्षेत्र से होकर गुजरनेवाली नदीयाँ जिसमें अवैध रूप से बालू एवं अन्य खनिज का उत्खनन / परिवहन पर रोक लगाई जाय, साथ ही प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित कर साईनबोर्ड लगाना सुनिश्चित किया जाय। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा बैठक में बताया गया कि बालू के उत्खनन हेतु निलामी की प्रक्रिया कराने हेतु नियमावली का प्रतिपादन विभाग द्वारा किया जा चूका है। जिसका अद्ययन कर निलामी कराने की प्रक्रिया आगामी दिनों में की जायेगी।दिनांक 10 जून से 15 अक्टुबर तक मॉनसून सत्र में माननीय न्यायालय NGT के गाईडलाइन का अनुपालन कराते हुए नदी तल से बालू का उठाव एवं परिवहन वर्जित रहेगा।संबंधित अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत बालू के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रतिबंध लगाएगें।

जिला समन्वय समिति की बैठक में उपायुक्त ने की विभिन्न विभागों की समीक्षा

● पदभार ग्रहण के बाद उपायुक्त ने की बैठक,अधिकारियों से कहा कागज पर नहीं लोगों को धरातल पर दिखाई देना चाहिए जिला प्रशासन का कार्य ● अधिकारी क्षेत्र भ्रमण कर आमजनों की समस्याओं को जानें एवं उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर करें ● लंबे समय तक कोई भी समस्या लंबित नहीं रहे, अधिकारी इसे सुनिश्चित करें- अभिजीत सिन्हा,उपायुक्त, दुमका

दुमका/
ललित कुमार
समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में उन्होंने सभी विभागों की समीक्षा करते हुए विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की एवं योजनाओं का लाभ सुयोग्य लाभुकों तक पहुँचाने का निदेश दिया।

उन्होंने कल्याण विभाग की समीक्षा करते हुए निदेश दिया कि साईकल वितरण का कार्य मिशन मोड में करें। उन्होंने विशेष रूप से शिकारीपाड़ा, रामगढ़, जामा, मसलिया काठीकुंड, सरैयाहाट एवं गोपीकांदर प्रखंड में साईकल वितरण पर विशेष ध्यान देने का निदेश दिया है।कहा कि बिरसा आवास योजना के तहत राशि का भुगतान आवास का कार्य पूर्ण होने पर ही करें।
उद्योग विभाग की समीक्षा करते हुए पीएम विश्वकर्मा योजना के लंबित आवेदनों की समीक्षा करते हुए नियमानुसार ढंग से स्वीकृत करने का निदेश दिया।पशुपालन विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि योग्य लाभुकों को चिन्हित करते हुए लाभ देने का निदेश दिया। शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए विद्यालय में पेयजल, शौचालय तथा विधुतीकरण कार्य पूर्ण करने का निदेश दिया।कहा कि सभी विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें एवं सभी विद्यालयों में उक्त सभी व्यवस्था सुनिश्चित करें।
उन्होंने अन्य सभी विभागों यथा कृषि, आपूर्ति, सामाजिक सुरक्षा विभाग, स्वास्थ्य, खेलकूद, खनन आदि की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निदेश दिया।
इस दौरान उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि हमारा कार्य लोगों को दिखाई दे, योजनाओं को कागज से धरातल पर लाना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि अधिकारी क्षेत्र भ्रमण कर आमजनों की समस्याओं को जानें एवं उसे नियमानुसार ढंग से दूर करें।कोई भी समस्या लंबे समय तक लंबित नहीं रहे इसे सुनिश्चित करें।
उन्होंने अधिकारियों से कहा कि टीम भावना के साथ कार्य करें ,कोई भी समस्या हो इसकी जानकारी दें। कहा कि पदाधिकारियों, कर्मियों को प्रत्येक दिन बायोमैट्रिक उपस्थित बनाना अनिवार्य होगा। बैठक में सभी विभागों के वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

जेएसएलपीएस के बैनर तले प्रखंड भर में आयोजित हुआ बीमा जागरूकता अभियान

● सखी मंडल की महिलाओं ने लिया बढ़ चढ़ कर हिस्सा

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
हिरणपुर प्रखंड में बुधवार को प्रखंड भर में पलाश जेएसएलपीएस के बैनर तले एक दिवसीय बीमा जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य लोगों को बीमा के बारे में जागरूक करना और उन्हें बीमा लेने के महत्व के बारे में शिक्षित करना है।अलग अलग कार्यकम स्थल में आयोजित स्टेट बैंक शाखा प्रबंधको ने भाग लिया और सखी मंडल की दीदियों को बीमा के जागरूकता के बारे में समझाया गया।
बीमा के बारे में जागरूकता बढ़ाना
अभियान लोगों को बीमा के बारे में शिक्षित करके और उन्हें बीमा लेने के महत्व के बारे में बताकर बीमा के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करता है.
बीमा के फायदे समझाना
अभियान लोगों को बीमा के विभिन्न प्रकार के फायदों के बारे में बताता है, जैसे कि वित्तीय सुरक्षा, जोखिम से बचाव और भविष्य के लिए योजना बनाना. कार्यक्रम में हिरणपुर शाखा प्रबंधक ज्ञानेश कुमार समेत डांगापाड़ा , तोड़ाई , मोहरों शाखा प्रबंधको ने भाग लिया साथ ही जिला प्रबंधक एफआई महेन्द्र करमाली हिरणपुर बीपीएम शंकर तिवारी, बीपीओ राजेश कुमार जीआरसी संजय पाल, सीसी राजेश कुमार, संचय दीक्षित, संतोष ठाकुर, क्रिस्टीना टुडू, सुहागिनी मुर्मू आई पीआरपी ललिता कुमारी, कमलिनी हेमब्रम, साजिमा खातून समेत अन्य उपस्थित रहे।

पाकुड़ जिला में 1500 लाभुकों का आज कराया जा रहा अबुआ आवास का गृह प्रवेश

● माननीय विधायक, त्रिस्तरीय जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी सहित अन्य गृह प्रवेश कार्यक्रम में हुए शामिल ● अबुआ आवास योजना" से गरीबों का पूरा हो रहा अपना घर का सपना, पाकुड़ जिला में अबुआ आवास योजना के लाभुकों का कराया जा रहा गृह प्रवेश ● लाभुकों को प्रेशर कुकर, शॉल भेंट कर किया सम्मानित

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
पाकुड़ प्रखंड के नरोत्तमपुर पंचायत के रामचन्द्रपुर गांव में अबुआ आवास योजना के चार लाभुकों को पक्का मकान मिला। माननीय विधायक पाकुड़ श्रीमती निसात आलम व उपायुक्त श्री मनीष कुमार व उप विकास आयुक्त श्री महेश कुमार संथालिया, सांसद प्रतिनिधि, जिला परिषद सदस्य, कांग्रेस जिला अध्यक्ष एवं मुखिया सहित सभी जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से लाभुक के नवनिर्मित अबुआ आवास का फीता काटकर व नारियल फोड़ कर गृह प्रवेश कराया। लाभुक ने माननीय मुख्यमंत्री जी व जिला प्रशासन के प्रति अपना आभार जताया। कहा कि हमलोगों के पास रहने के लिए पक्के का मकान नहीं था। कच्चे मकान में किसी तरह गुजर बसर करते थे। सरकार के मदद से आज हमलोगों के पास पक्का का मकान बन गया। इसके पश्चात माननीय विधायक पाकुड़, उपायुक्त एवं उप विकास आयुक्त, बीडीओ सहित अन्य प्रतिनिधियों ने पौधारोपण किया।

महेशपुर विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी, उपायुक्त पाकुड़ मनीष कुमार एवं झामुमो नेत्री उपासना मरांडी ने महेशपुर व धर्मखांपाड़ा गांव में बुधवार को अबुआ आवास का दो लाभुको का नारियल फोड़कर व फीता काट कर गृह प्रवेश कराया। माननीय विधायक और उपायुक्त ने बताया कि जिले भर में 1500 अबुआ आवास का गृह प्रवेश कराया गया। महेशपुर लाभुक संजय राउत और धर्मखांपाड़ा गांव के लाभुक हासान शेख को अबुआ आवास योजना के तहत आवास मिला था।
जिला स्तरीय पदाधिकारी, प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सभी प्रखंडों में कराया गया गृह प्रवेश
बुधवार को पाकुड़ जिला के सभी प्रखण्डों में अबुआ आवास योजना के लाभुकों के गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूरे जिले में 1500 लाभुकों का गृह प्रवेश कराया गया। सभी प्रखण्डों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं वरीय पदाधिकारियों ने लाभुकों को गृह प्रवेश करवाया। पाकुड़ प्रखंड में 500, हिरणपुर प्रखंड में 200, लिट्टीपाड़ा में 250, अमड़ापाड़ा में 100, महेशपुर प्रखंड में 300, पाकुड़िया प्रखंड में 150 लाभुकों ने अपने अबुआ आवास में गृह प्रवेश किया।
अबुआ आवास के लाभुकों ने साझा किये अपने अनुभव
आयोजित कार्यक्रम में अबुआ आवास योजना के लाभुकों ने उपायुक्त के समक्ष अपने अनुभव साझा किये। लाभुकों ने बताया कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में योजना के लाभ के लिए उन्होंने आवेदन दिया था और अब उनका सपना पूरा हुआ है। उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि अन्य लाभुक जिन्हें किस्त का भुगतान किया गया है वो जल्द अपना आवास निर्माण करायें, आवास संपूर्ण होने पर कार्यक्रम आयोजित कर उनका गृह प्रवेश कराया जायेगा।

लागोंपहाड़ी गांव में जलमीनार बनीं शोभा की वस्तु की, शुद्ध लेने वाला कोई नहीं

शिकारीपाड़ा/दुमका/
ललित कुमार पाल की रिपोर्ट
शिकारीपाड़ा प्रखंड के कुशपहाड़ी पंचायत अंतर्गत लागोंपहाड़ी गांव में जलमीनार बनीं शोभा की वस्तु , जिस कारण लागोंपहाड़ी के चितान टोला के ग्रामीणों का पेय जल के लिए काफी समस्या हो रही हैं।इस संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि करीब 2 साल पहले सोलर से संचालित होने वाला जलमीनार बनाया गया था , लेकिन जलमीनार कुछ ही दिन में खराब हो गया है, इसके बाद से अबतक खराब ही है इस बारे में मुखिया और पंचायत सचिव को कई बार जानकारी दी गई है लेकिन आज तक जलमीनार का मरम्मत नहीं हैं, ग्रामीणों ने मांग की किया कि जल मीनार को जल्द से जल्द ठीक किया जाए ताकि इन भीषण गर्मी मे पेय जल के लिए जो समस्या हो रही है उससे निजात मिले। इस संबंध में जब पंचायत के मुखिया से बात की गई तो उन्होंने कहा जल्द से जल्द मरम्मत करने का प्रयास करेंगे।

भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम एलिम्को की ओर से दुमका कन्वेंशन सेंटर में सामाजिक अधिकारिता शिविर का किया गया आयोजन

दुमका। सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार, भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम एलिम्को की ओर से दुमका कन्वेंशन सेंटर में सामाजिक अधिकारिता शिविर का आयोजन किया गया।
दुमका जिला प्रशासन के सहयोग से जिला स्तर पर आयोजित दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए निश्शुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर का उद्घाटन जामा विधायक डॉ लुईस मराण्डी, जिला परिषद अध्यक्ष जॉयस बेसरा, उपाध्यक्ष सुधीर मंडल और जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अंजू कुमारी ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ लुईस मराण्डी ने कहा कि दिव्यांगजन कमजोर व लाचार नहीं हैं। उनमें भी बहुत कुछ करने का जज्बा है और बहुत कुछ कर भी रहे हैं। मैं यहां कई दिव्यांगों को जानती हूं जिन्होंने अपनी दिव्यांगत को पराजित कर नया कृतिमान रचा है। सरकार ऐसे लोगों के लिए कई योजनाएं चला रही है। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार समन्वय बनाकर ऐसी योजनाओं को जिला प्रशासन के सहयोग से धरातल पर उतारने का कार्य करी है। आज उसी के तहत चयनित लाभुकों को निश्शुल्क सहायक उपकरण का वितरण किया जा रहा है।

दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोजित इस कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम एलिम्को के झारखंड प्रभारी संजय मंडल ने कहा कि जिला स्तर पर आयोजित यह सामाजिक अधिकारिता शिविर दुमका सदर प्रखंड से शुरू किया गया है उसके बाद बाकी अन्य प्रखंडों में भी इसी तरह का केम्प लगातार चयनित लाभुकों के बीच निश्शुल्क सहायक उपकरण का वितरण किया जाएगा। यह कार्यक्रम भारत सरकार के सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय की ओर दिव्यांजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोजित किया है। इसके तहत जहां एक ओर एडिप योजना के अंतर्गत दुमका जिले में कुल 923 लाभुकों का चयन किया गया है जिनके बीच कुल 1,861 सहायक उपकरण वितरण किए जायेंगे जिसका मुल्य 1 करोड़ 14 लाख 88 हजार रुपए है। जिसमें बैटरी चालित ट्राई साइकिल, ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, छड़ी, वैसाखी, रोलेटर, सीपी चेयर, सुगम्य केन, स्मार्टफोन एवं श्रवण यंत्र आदि प्रमुख हैं। वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत 915 लाभुकों का चयन किया गया है जिनके लिए 5628 सहायक उपकरण का वितरण किया जाएगा।
इस कार्यक्रम में अध्यक्ष जोस बेसरा एवं उपाध्यक्ष सुधीर मंडल जी के द्वारा संबोधन किया गया तथा कार्यक्रम को सफल आयोजन में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी दुमका, अंचल अधिकारी दुमका, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, सुधाकर केसरी एवं अलीमको के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

बहुत कुछ है, जिस की पर्दादारी है!

>> विचार

“ ऑपरेशन सिंदूर में सेना की भूमिका के साथ-साथ, प्रधानमंत्री के नेतृत्व की प्रशंसा की है। संभवतः इसी प्रस्ताव का रास्ता तैयार करने के लिए, मोदी सरकार ने सिर्फ सत्तापक्षीय मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाने का निर्णय लिया था, जिस पर विपक्षी पार्टियों ने इस आधार पर आपत्ति भी की थी कि चूंकि यह बैठक ऑपरेशन सिंदूर पर मुख्यमंत्रियों को ब्रीफ करने के लिए बुलायी जा रही थी, विपक्षी मुख्यमंत्रियों को इससे बाहर क्यों रखा जा रहा था। ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय राजनीतिक राय की एकता की जिस तरह की मांग सत्तापक्ष और मीडिया में उसके पक्षधरों द्वारा उठायी जा रही थी, यह भी उसके इकतरफापन का एक और उदाहरण था। लेकिन, नरेंद्र मोदी एकता के ऐसे तकाजों से रुकने वाले नहीं थे।

राजेंद्र शर्मा

ऑपरेशन सिंदूर के बाद, राजस्थान में बीकानेर की अपनी सभा में प्रधानमंत्री मोदी, डॉयलागबाजी के अपने शीर्ष पर थे। यहां श्रोताओं की जोरदार तालियों के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने सिर्फ इसी का बखान नहीं किया कि कैसे ऑपरेशन सिंदूर के जरिए सफलता तथा सटीकता के साथ, पाकिस्तान में आतंकियों के अड्डों को तबाह कर दिया गया, उन्होंने इसका भी बखान किया कि किस तरह भारत ने पाकिस्तान के सीने पर ऐसा तगड़ा प्रहार किया था, जिससे पाकिस्तानी सेना लड़ाई रुकवाने के लिए बातचीत की प्रार्थना करने पर मजबूर हो गयी। भारत ने उसे अच्छी तरह समझा दिया है कि आइंदा उसके खिलाफ आतंकवादी हरकत की गयी, तो उसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी; पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी, पाकिस्तान की सेना को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी आदि। बहरहाल, डॉयलागों की इस शृंखला का सिरमौर था प्रधानमंत्री मोदी का सिंदूर वाला डॉयलाग - "अब तो मोदी की नसों में लहू नहीं, गरम सिंदूर दौड़ रहा है"! चाहे यह सिर्फ संयोग हो या बरबस वास्तविक मंतव्य का सामने आ जाना, प्रधानमंत्री मोदी को बीकानेर की इस सभा के मौके पर, पांच साल पहले बालाकोट एअर स्ट्राइक के बाद राजस्थान में ही चुरू में हुई अपनी सभा खूब याद थी। यह तो सभी जानते हैं कि बालाकोट एअर स्ट्राइक पुलवामा के आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में हुई थी, जिसमें सुरक्षा बलों के करीब चालीस जवान शहीद हुए थे। लेकिन, यह शायद ज्यादा लोगों को याद नहीं होगा कि चुरु की उक्त सभा से ही, जिसमें भी प्रधानमंत्री मोदी ने 'देश नहीं मिटने दूंगा, देश नहीं झुकने दूंगा' की प्रभावशाली डॉयलागबाजी की थी, पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के राजनीतिक और वास्तव में 2019 के आम चुनाव के लिए, दोहन के जबर्दस्त अभियान की शुरूआत हुई थी। बीकानेर की सभा से प्रधानमंत्री मोदी ने उसी सिलसिले के एक और चक्रकी शुरूआत कर दी लगती है। यह संयोग ही नहीं है कि सिंदूर के प्रतीक को सचेत रूप से इस अभियान के केंद्र में बनाए रखा जा रहा है। सिंदूर के प्रतीक का अगले कुछ ही महीने में होने वाले बिहार के विधानसभाई चुनाव के लिए और उसके कुछ और आगे, अगले साल के आरंभ में होने वाले बंगाल-असम के चुनावों के लिए विशेष महत्व है, हालांकि हिंदी सिनेमा से लेकर शिक्षा तथा सांस्कृतिक लेन-देन तक, प्रतीकों के सार्वदेशीकरण की प्रक्रिया में धीरे-धीरे सिंदूर, देश भर में विवाहिता के एक चिन्ह के रूप में स्थापित हो गया है, जोकि विडंबनापूर्ण तरीके से पितृसत्ता का प्रतीक भी है। इसीलिए, यह संघ परिवार के प्रिय प्रतीकों में से है, जो स्त्री के पूरे व्यक्तित्व को ही उसके वैवाहिक दर्जे में घटाने की कोशिश करता है। यह संयोग ही नहीं है कि संघ के इसी नजरिए को स्वर देते हुए, हरियाणा से भाजपा के सांसद, रामचंद्र जांगड़ा ने तो उन औरतों को, जिनके पतियों/पिताओं की पहलगाम में आतंकवादियों ने हत्या की थी, बाकायदा इसके लिए फटकारा है कि उन्होंने मौके पर "वीरांगना के भाव" का प्रदर्शन नहीं किया! सत्ताधारी पार्टी के सांसद के अनुसार, उनका वीरांगना के भाव का प्रदर्शन न करके हाथ जोड़ना ही, उनके अपनों के काल का कारण बना। होना तो यह चाहिए था कि वे भले खुद शहीद हो जातीं, पर लाठी-डंडा जो भी मिल जाता, उसी से सामने से मुकाबला करतीं, पर वे तो हाथ जोड़े रहीं। बस संघ परिवार के नेता के इतना कहने की ही कसर रह गयी कि जब घर के पुरुष ही मार दिए गए, फिर इन महिलाओं के जिंदा रहने का क्या फायदा? यहां आकर सिंदूर के प्रतीक के उपयोग की वह प्रतिगामिता खुलकर सामने आ जाती है, जिसकी ओर 'ऑपरेशन सिंदूर' के आरंभ में ही कई नारीवादियों और जनतंत्रवादियों ने इशारा किया था। पुनः जैसाकि मोदी राज में नियम ही बन गया है, इस अभियान के केंद्र में भी, सेना को हटाकर मोदी को लाया जा चुका है। यह, ऑपरेशन सिंदूर के फौरन बाद, 13 से 23 मई तक के भाजपा के देशव्यापी अभियान में पहले ही किया जा चुका था। अब जगह-जगह लगे होर्डिंगों, बैनरों पर, कहीं हवाई जहाजों के साथ, तो कहीं तोपों के साथ, सैनिक पोशाक में सिर्फ और सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी हैं। बीकानेर की सभा के दो-तीन दिन बाद ही, प्रधानमंत्री गुजरात के दौरे पर निकल गए हैं, जहां रोड शो समेत तरह-तरह के उन्हीं पर केंद्रित कार्यक्रमों के जरिए, मोदी की छवि के गिर्द ऑपरेशन सिंदूर और उसमें जीत के दावों को पुख्ता किया जाएगा। यह शायद इसलिए और भी जरूरी है कि अभी चुनाव में थोड़ा सा वक्त बाकी है यानी हवा को अपेक्षाकृत ज्यादा दिन तक बनाए रखना है।यह भी कोई संयोग नहीं है कि नीति आयोग की काउंसिल के मौके पर आयोजित, एनडीए के मुख्यमंत्रियों तथा उप-मुख्यमंत्रियों की बैठक ने, बाकायदा एक प्रस्ताव पारित कर, ऑपरेशन सिंदूर में सेना की भूमिका के साथ-साथ, प्रधानमंत्री के नेतृत्व की प्रशंसा की है। संभवतः इसी प्रस्ताव का रास्ता तैयार करने के लिए, मोदी सरकार ने सिर्फ सत्तापक्षीय मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाने का निर्णय लिया था, जिस पर विपक्षी पार्टियों ने इस आधार पर आपत्ति भी की थी कि चूंकि यह बैठक ऑपरेशन सिंदूर पर मुख्यमंत्रियों को ब्रीफ करने के लिए बुलायी जा रही थी, विपक्षी मुख्यमंत्रियों को इससे बाहर क्यों रखा जा रहा था। ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय राजनीतिक राय की एकता की जिस तरह की मांग सत्तापक्ष और मीडिया में उसके पक्षधरों द्वारा उठायी जा रही थी, यह भी उसके इकतरफापन का एक और उदाहरण था। लेकिन, नरेंद्र मोदी एकता के ऐसे तकाजों से रुकने वाले नहीं थे। उनकी निगाह अपनी प्रशंसा के प्रस्ताव पर थी और इसका नतीजा यह हुआ कि एकता की सारी लफ्फाजी के बीच सिर्फ सत्तापक्षीय मुख्यमंत्रियों-उप-मुख्यमंत्रियों की बैठक हुई, जिसने खुशी-खुशी उक्त प्रस्ताव पारित किया। इस इकतरफापन का एक और भी बड़ा उदाहरण, विपक्ष के सारे आग्रह के बावजूद, मोदी सरकार का संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए तैयार नहीं होना और इसके बजाए, सांसदों के नेतृत्व में विभिन्न देशों में बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का था, जिसमें पुनः आतंकवाद के मुद्दे पर राष्ट्रीय राय की एकता का वही संदेश दिया जाना है। इन प्रतिनिधिमंडलों के लिए सत्तापक्ष द्वारा जिस तरह से विपक्ष से प्रतिनिधियों को चुना गया है, वह भी उसी इकतरफापन का एक और उदाहरण है। बहरहाल, राष्ट्रमत की यह कथित एकता तब कथित राष्ट्रमत की तानाशाही का रूप ले लेती है, जब इसके सहारे तमाम सवालों को दबाया जाने लगता है, भले ही वे सीधे शासन को कटघरे में खड़े करने वाले सवाल न हों, जैसे पहलगाम में सुरक्षा चूक के सवाल और जम्मू-कश्मीर में धारा-370 के खत्म किए जाने के बाद से, आतंकवाद के आखिरी सांसें गिन रहे होने के ढपोरशंखी दावों के सवाल, जो सीधे शासन को कटघरे में खड़ा करते हैं। विपक्ष के नेता, राहुल गांधी जब सीमावर्ती इलाके में पुंछ में, भारत-पाकिस्तान के बीच घोषित-अघोषित युद्ध की विभीषिका झेल रहे लोगों से जाकर मिले, इसने प्रभावशाली ढंग से यह याद दिलाया कि युद्ध से प्रभावित होने वाले ये लोग भी इसी देश के नागरिक हैं। राजधानियों के फैसलों के नतीजे में इन सीमावर्ती इलाकों को जो झेलना पड़ता है, क्या राजधानियों के फैसलों में उसका समुचित या पर्याप्त हिसाब रखा जाता है? युद्ध संबंधी निर्णयों की इस कीमत की मौजूदा निजाम में शायद ही कभी चर्चा सुनाई देती हो। इसीलिए, प्रधानमंत्री मोदी के किसी भी भाषण, किसी भी बयान में, सीमावर्ती इलाकों के लोगों की इन मुश्किलों और कुर्बानियों का भी कोई जिक्रतक नहीं मिलता है। लेकिन, क्या सैन्य विकल्प का कोई भी फैसला करते हुए, इस कीमत को भी हिसाब में नहीं लिया जाना चाहिए। ऐसा ही एक और मुद्दा, जिसे राहुल गांधी ने ही प्रभावशाली तरीके से उठाया है, युद्ध के वास्तविक नतीजों का है। मोदी सरकार, ऑपरेशन सिंदूर के खत्म नहीं होने के स्वांग की आड़ में, इसकी न्यूनतम प्रामाणिक जानकारियां तक छुपा कर रखने की कोशिश कर रही है कि इस लड़ाई में हमें क्या और कितनी कीमत चुकानी पड़ी है? सत्ताधारी पार्टी के पास एक ही रटा-रटाया जवाब है - यह ऐसे सवालों के जवाब देने का समय नहीं है। वास्तव में इसके पीछे मूल समझदारी यह है कि सरकार के सिवा और किसी को ऐसी जानकारी की जरूरत ही क्या है? दूसरी ओर मिट्टी में मिला देने से लेकर धूल चटा देने तक के दावों को अंतहीन तरीके से दोहराया जा रहा है। इस तरह एक ऐसा नैरेटिव गढ़ा जा रहा है, जिसमें सरकार और उसके गोदी मीडिया की ओर से बोलने वालों की मानें तो, भारत के लिए युद्ध की कोई कीमत ही नहीं है, जबकि पाकिस्तान के लिए इकतरफा तरीके से भारी कीमत है। इस तरह का असंतुलित विचार बाकायदा युद्धोन्माद को हवा दे रहा है। और यह युद्धोन्माद, संघ-भाजपा की मूल कार्यनीति के साथ बखूबी फिट बैठता है, हालांकि आपरेशन सिंदूर के शस्त्रविराम को अपने अनुयाइयों के ही गले उतरवाने में उन्हें भी अच्छी-खासी मशक्कत करनी पड़ी थी। दुर्भाग्य से कथित राष्ट्रमत की तानाशाही, विपक्ष के भी बड़े हिस्सों को इसी गाड़ी के पीछे घिसटने के लिए मजबूर करती नजर आ रही है। नसों में दौड़ते सिंदूर की डॉयलागबाजी, इसी सब पर पर्दा डालने का साधन है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और साप्ताहिक पत्रिका 'लोकलहर' के संपादक हैं।)

संपादकीय

भरोसा बढ़ेगा

पहलगाम में जम्मू-कश्मीर कैबिनेट की विशेष बैठक विश्वास बहाली की दिशा में अहम प्रयास है। इससे देश के लोगों में तो भरोसा जगेगा ही, सीमापार तक भी यह संदेश पहुंचेगा कि आतंकी गतिविधियां जम्मू-कश्मीर की तरक्की को रोक नहीं सकतीं।

पर्यटक बढ़े : सरकारी आंकड़े बताते हैं कि विशेष दर्जा खत्म होने और केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद से जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की आमद बढ़ी है। विधानसभा में पेश रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 से 2024 के बीच 7.49 करोड़ से ज्यादा टूरिस्ट यहां पहुंचे थे। इसमें से 99.93 लाख से अधिक पर्यटकों ने घाटी की सैर की। जम्मू के मुकाबले कश्मीर का डेटा भले कम हो, लेकिन इसमें लगातार बढ़ोतरी हो रही है। अच्छी बात यह रही कि इस दरम्यान कश्मीर में विदेशी पर्यटक अधिक आए, 2024 में 65 हजार से भी ज्यादा।

डराना था मकसद : ये आंकड़े केवल पर्यटन का हाल नहीं बताते, बल्कि साबित करते हैं कि जम्मू-कश्मीर, खासकर घाटी में चीजें सामान्य हो रही थीं। जो इलाका आतंकवाद का दंश दशकों से झेल रहा था, वह पूरे भारत के साथ कदमताल करने लगा था। आतंकी इसी पर चोट करना चाहते थे और पहलगाम हमले का मकसद यही था। इसी वजह से पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने टारगेट किलिंग कर देश में सांप्रदायिक उन्माद फैलाने की कोशिश की।

आर्थिक झटका : पहलगाम के बाद जम्मू-कश्मीर के तमाम पर्यटक स्थलों को बंद कर दिया गया था और होटल-टैक्सी वगैरह की 90% तक बुकिंग कैंसल हो गई थीं। यह झटका केवल उनके लिए नहीं है, जिनका रोजगार सीधे पर्यटन से जुड़ा हुआ है, यह चोट पूरे राज्य की आर्थिक सेहत और टूरिज्म बढ़ाने के लिए हाल के बरसों में किए गए तमाम प्रयासों पर है।

अकेला नहीं छोड़ना : सीएम उमर अब्दुल्ला ने ठीक कहा कि अगर हम इन जगहों पर नहीं जाएंगे तो कौन जाएगा। अगर बंदूकों से डरकर घाटी को अकेला छोड़ दिया जाता है, तो यह आतंकी मंसूबों की जीत होगी। यही तो वे चाहते हैं। उनकी गोलियों का जवाब देने के साथ-साथ यह संदेश भी पहुंचना चाहिए कि हिंदुस्तान के किसी कोने में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है।

प्रयास बढ़ाए जाएं : उमर अब्दुल्ला ने नीति आयोग की बैठक में यह सुझाव भी दिया था कि ढरव२ के लिए कश्मीर में बैठक करना अनिवार्य होना चाहिए। साथ ही, संसदीय समितियों को भी घाटी में जाकर मीटिंग करनी चाहिए। ये कदम छोटे-छोटे ही सही, पर स्थानीय लोगों में सुरक्षित होने का अहसास पैदा करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। इस कड़ी में पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला की यह बात भी गौर करने लायक है कि केवल टूरिज्म पर निर्भर न रहकर इंडस्ट्री लाई जाए। इससे तमाम दूसरे रास्ते अपने आप खुल जाएंगे।

ऑपरेशन सिंदूर के निष्कर्षों से सीखें सबक

एयर वाइस मार्शल मनमोहन बहादुर (अ.प्रा.)

ऑपरेशन सिंदूर का अचानक यूं खत्म होना एकदम अप्रत्याशित था झवास्तव में, यह किसी परीक्षा-पत्र में 'पाठ्यक्रम से इतर' आए सवाल की तरह रहा! हालांकि, अच्छा हुआ कि पूर्ण पैमाने का युद्ध टल गया और उम्मीद करें कि संघर्ष विराम का आगे उल्लंघन नहीं होगा। भले ही सशस्त्र बल हमारी सीमाओं पर सतर्क नज़र रखे हुए हों, तथापि कुछ निष्कर्ष ऐसे हैं जो समीक्षा के रूप में निकाले जा सकते हैं। सर्वप्रथम, मौजूदा सेना के रिवायती त्रि-सेवा तंत्र ने रणभूमि कमान के बिना भी काम कर दिखाया है। इसलिए, 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किए नरसंहार और 7 मई को आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाने के बाद तीन दिन चले हमलों की शुरुआत होने के बीच की अवधि में थल और वायुसेना ने बड़ी विशेषज्ञता से संयुक्त योजना की रूपरेखा तय कर इनके परिणाम दिए। पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलों के हमले निरंतर, तीव्र और सघन थे और हमारी प्रतिक्रियाएं भी समान रहीं, लगभग सभी पाकिस्तानी प्रक्षेपास्त्र (यूएवी, मिसाइल, सशस्त्र और बिना हथियार वाले ड्रोन) सफलतापूर्वक गिरा लिए गए, इसका श्रेय भारतीय वायुसेना के स्वदेश विकसित एकीकृत वायु कमान एवं नियंत्रण प्रणाली (आईएसीसीएस) को जाता है, जो सभी सैन्य और नागरिक राडार जनित समग्र सूचना को एकीकृत स्क्रीन पर संश्लेषित कर दिखा देता है। यह प्रणाली लक्ष्यों से पैदा होने वाले खतरों का इलेक्ट्रॉनिक आकलन करके, युद्ध नियंत्रक द्वारा प्राथमिकता के आधार पर जो भी हथियार प्रणाली सबसे उपयुक्त हो, उसका इस्तेमाल कार्रवाई करने का आदेश देती है। दूसरा, चार दिनों तक चले आपसी टकराव मुख्यतः पूरी तरह से न सही, हवाई माध्यम से चोट पहुंचाने वाले रहे। यह टकराव एक ऐसे सघन वायु रक्षा प्रणाली से लैस इलाके में हुए, जहां दोनों पक्ष वार-प्रतिवार की हवाई लड़ाई लड़ रहे थे, यह स्थिति इराक, अफगानिस्तान और सीरिया में पश्चिमी ताकतों द्वारा और गाज़ा एवं लेबनान पर इस्राइलियों द्वारा की गई हवाई बमबारी से उलट थी, जहां उन्हें अपने अभियानों में विरोधियों के हवाई हमला निरोधक उपायों का सामना नहीं करना पड़ता। स्वाभाविक है युद्ध में नुकसान भी होता है और यह संघर्ष की एक अनन्य प्रकृति है कि आक्रामक पक्ष को कुछ नुकसान झेलना ही पड़ता है, निश्चित रूप से भारतीय वायुसेना इसका भी आलोचनात्मक विश्लेषण करेगी। अब उपलब्ध फोटोग्राफिक साक्ष्यों से पता चलता है कि भारत के यूएवी और मिसाइलों के हमले बहुत प्रभावी रहे, और यह तथ्य है कि पाकिस्तान भर में फैले उसके ग्यारह फ्रंटलाइन एयरबेसों पर भारतीय वायुसेना ने करारी चोट की है और यह हमारी पहुंच और हथियारों की प्रभावशीलता का प्रमाण है। हालांकि, भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रनों की घटती संख्या और वायु-शक्ति के बारे में काफी खबरें आती रही हैं और चूंकि हमारी सीमाएं आगे भी सक्रिय रहेंगी, इसलिए भारतीय वायुसेना की प्रहारक क्षमता बनाए रखने पर सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता है। हथियार प्रणाली, एन्क्रिप्टेड संचार और प्रहारक क्षमता जैसे कि एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम, एरियल फ्लाइट रिफ्यूलर और अत्याधुनिक अस्त्रास्त्र जैसी प्रणालियों की जरूतों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। अंतिम विश्लेषण में यह याद रखना चाहिए कि यह एक अन्य उदाहरण रहा, जब वायु शक्ति की प्रभावशीलता ने शांति स्थापना की दिशा में राजनीतिक और कूटनीतिक वार्ता की राह प्रशस्त की। तीसरा, हालांकि एस-400 सरफेस टू एयर मिसाइल (सैम) प्रणाली ने मुख्यतः मीडिया की सुर्खियां बटोरी हैं, लेकिन यह स्वदेशी राडार, सरफेस टू एयर मिसाइलें और काउंटर मानवरहित हवाई प्रणाली, जिनसे हमारी जमीनी वायु रक्षा की रीढ़ बनी है, इसकी बढ़िया कारगुजारी ने स्वदेशी हथियारों का महत्व उजागर किया है। गौरतलब है कि यह क्षमता डीआरडीओ और निजी क्षेत्र के सम्मिलित उद्यम से बनी है और वास्तव में यह बहुत उत्साहजनक है। ड्रोन और एंटी-ड्रोन सिस्टम की प्रचुर उपलब्धता रहने के पीछे क्षेत्रीय कमानों के वाइस चीफ और कमांडर-इन-चीफ को दी गई आपातकालीन शक्तियों का परिणाम भी हो सकता है। वहीं भारतीय वायुसेना द्वारा डिजाइन की गई कम दूरी की एंटी-एयरक्राफ्ट प्रणाली, सरफेस-टू-एयर मिसाइल फॉर एश्योर्ड रिटेलिएशन (एसएएमएआर) के रूप में अपने ही संस्थानों में विकसित किए स्वदेशी अस्त्र बहुत काम आए। यह एसएएमएआर हमने सरफेस-टू-एयर मिसाइल के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली रूस निर्मित आर-73 और आर-27 एयर टू एयर मिसाइलों का नवीनीकरण करके पाया है (वरना इससे पहले उनका जीवनकाल समाप्त होने पर कबाड़ के रूप में खुर्द-बुर्द करना पड़ता था)। यह बताता है कि हमारे अपने संस्थानों में तीक्ष्ण बुद्धि दिमाग हैं, जिन्हें प्रोत्साहन देने की जरूरत है। यहां पर, उन अथक वायु रक्षा गनर्स (जिन्होंने लगातार एल-70 एंटी एयरक्राफ्ट गन जैसे रिवायती शस्त्रास्त्र चलाए) और बीएसएफ के जवान (जिन्होंने एंटी-यूएवी सिस्टम को प्रभावशाली रूप से इस्तेमाल किया) द्वारा किए गए अद्भुत काम की सराहना करना लाजिमी है। चौथा, एक आम आदमी जिसकी सूचना तक पहुंच केवल मीडिया से मिले समाचारों तक थी, लगता है इस बारे में नागरिक-सैन्य-राजनयिक तंत्र ने अच्छा काम किया है। एक ईमानदार मूल्यांकन किए जाने की आवश्यकता है कि क्या नवीनतम स्थिति युद्ध विराम समझौते की ओर ले जाने वाली घटनाओं और युद्ध विराम को स्वीकार करने से पहले मिले आश्वासनों के अनुरूप है। इसका उत्तर इस एक अकेले प्रश्न के उत्तर में निहित होगा, क्या हर बार आतंकवादी कार्रवाई होने पर इस किस्म की गतिज कार्रवाई करने की आवश्यकता पड़ेगी? हालांकि पाकिस्तान को याद रहे कि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा होने पर बदले में दंडात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी। पांचवां, क्या युद्ध विराम इस बात का संकेत है कि हम लगभग पूर्ण युद्ध की कगार पर पहुंच चुके थे? कुछेक प्रश्नों को स्पष्ट करने की आवश्यकता है। पहलगाम के आतंकवादी कहां हैं, जिन्होंने अपने निर्दयी नरसंहार से यह सब शुरू किया था? क्या यह आश्वासन दिया गया है कि पाकिस्तान उन्हें ढूंढ़कर सौंप देगा? इतना ही महत्वपूर्ण पहलू यह है कि चूंकि शिमला समझौते में आपसी समस्याओं का समाधान केवल द्विपक्षीय वार्ता के जरिए निकालने की बात कही गई है, इसलिए युद्ध विराम की घोषणा करते समय अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो के बयान का यह भाग कि 'सभी मुद्दों पर तटस्थ जगह पर चर्चा करें', इस पर आधिकारिक स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। यह करना फौरी तौर पर जरूरी है क्योंकि 'सभी मुद्दे' शब्द से समस्याओं का पिटारा खुल सकता है। और अंत में, किंतु सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बात का जवाब चाहिए कि क्या चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ वाली प्रणाली, जिसके लिए यह टकराव पहली परीक्षा रहा, क्या उसने वह काम कर दिखाया जिसके लिए इसकी स्थापना हुई थी। सैन्य मिशनों की योजना वास्तव में कौन बना रहा था और 'युद्ध' को अंजाम किसने दिया झ एकीकृत रक्षा स्टाफ ने या फिर सेना और वायु सेना के क्षेत्रीय कमान मुख्यालयों के कमांडर-इन-चीफ इन कार्रवाइयों का संचालन कर रहे थे? इस प्रश्न का उत्तर हमारे उच्चतर रक्षा संगठन तंत्र (थिएटराइजेशन) के फिलहाल जारी पुनर्गठन में एक अमूल्य योगदान होगाझ युद्ध की भट्टी से तपकर निकले अनुभव से ज्यादा बढ़िया सबक दुबारा मिलना असंभव होगा। वास्तव में, यह करना उन बहादुर पुरुषों और महिलाओं को एक उचित श्लाघा होगी जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का नेतृत्व किया।

(लेखक सेंटर फॉर एयर पावर स्टडीज के पूर्व अतिरिक्त महानिदेशक हैं।)

कोरी 'लक्ष्मण रेखा' से ही नहीं होगा तंबाकू निषेध

पंकज श्रीवास्तव

शिक्षण संस्थानों के साथ उससे जुड़े संस्थान जैसे हॉस्टल, कोचिंग व लाइब्रेरी आदि की 100 गज की परिधि में तंबाकू उत्पादों की बिक्री रोकने के लिए अब और सख्ती की जाएगी। विश्व तंबाकू निषेध दिवस यानी ३१ मई से छेड़े जाने वाले अभियान को लेकर भारत सरकार की ओर से जो गाइलाइन प्रशासन और स्कूलों के पास पहुंची है जिसमें एक बिंदु अहम है। गाइड लाइन में कहा गया है कि ऐसी संस्थाओं के 100 गज के दायरे में एक पीली रेखा खींची जाए। साथ ही इसके अंदर यदि कोई तंबाकू उत्पाद बेचने को लेकर संदिग्ध दुकान आ रही है तो उस पर कार्रवाई की जाए। एक तरह से यह 'लक्ष्मण रेखा' होगी। इस तरह से रेखाएं खींचना ये जानने का तरीका तो हो सकता है कि शैक्षणिक संस्था के आसपास का संबंधित हिस्सा तंबाकू मुक्त है या नहीं। पर इससे तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगाई जा सकेगी इस पर सवाल उठना स्वाभाविक है। यह बात सही है कि ऐसे उत्पादों को शैक्षणिक संस्थाओं से दूर रखना ही चाहिए लेकिन बड़ी जरूरत इस बात की है कि युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखने के प्रयास किए जाएं। मामूली जुर्माना प्रावधान से क्या तंबाकू की बिक्री शिक्षण संस्थाओं की तय परिधि में रोकी जा सकती है? क्योंकि तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003 में तो महज २०० रुपए के जुर्माना का प्रावधान है। सजा सख्त नहीं होंगी तो कितने ही अभियान चलाए जाएं इन्हें रोकना मुश्किल काम है। ऐसी रेखा खींचने से तो एक तरह से निर्धारित दूरी से थोड़ी ही दूरी पर तंबाकू बिक्री और आसान हो जाएगी। जबकि प्रयास इस बात के होने चाहिए कि किशोर वय में ही बच्चों को तंबाकू सेवन से कैसे रोका जाए? होना तो यह चााहिए कि 18 वर्ष से कम उम्र के किसी भी बच्चे या किशोर को यदि कोई तंबाकू उत्पाद बेचते पाया जाए तो उसे सीधे जेल भेजा जाए। जुर्माना जैसी कार्रवाई में राशि भी ज्यादा ही होनी चाहिए। उन लोगों पर भी सख्ती होनी चाहिए जो बच्चों से तंबाकू उत्पाद मंगवाते हैं। ऐसी सामग्री का प्रचार करने वाले संचार माध्यमों व सिने कलाकारों को भी पाबंद करना होगा। सोशल मीडिया पर नशे को महिमा मंडित कर रहे चैनलों पर रोक लगानी होगी। ऐसी फिल्में और ओटीटी सीरीज पर रोक लगानी होगी जिनमें युवाओं को नशे में दिखाया जाता है। मोटे तौर पर यह कहा जा सकता है कि सिर्फ जमीनी लक्ष्मण रेखाएं ही नशे के रावण को रोक नहीं सकती हैं। इसके लिए संबंधित विभागों और कानून के तरकश में ऐसे बाण होना चाहिए जिनका भय आरोपी के मन में समा जाए। देश के किसी भी हिस्से में चले जाएं आज तो शिक्षण संस्थाओं के आसपास तंबाकू उत्पादों की बिक्री प्रशासन की नाक के नीचे होते दिख जाएगी। तंबाकू बेचने वाले भी और इसका इस्तेमाल करने वाले भी, नियम- कायदों को धता बताने से कोई नहीं चूक रहा। हकीकत तो यह है कि लक्ष्मण रेखा से कोई दायरा तो तय हो सकता है लेकिन सख्ती कानून के कठोर प्रावधानों से ही हो सकती है।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी * फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

बोरियो में भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। बोरियो प्रखंड के आरके प्लस टू हाईस्कूल मैदान में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ को लेकर आज बुधवार दिनांक 28 मई 2025 को भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा यज्ञ स्थल से निकल कर बोरिया ग्वाला मोड़, मेन रोड होते हुए पूरे बाजार का भ्रमण करते मोरंग नदी तक गई। मोरंग नदी में कलश में जल भरकर पुनः वापस यज्ञ स्थल तक आई। कलश शोभा यात्रा में पीला वस्त्र धारण किए हुए कुमारी कन्याओं एवं महिलाएं शामिल हुई। कलश शोभा यात्रा गाजे बाजे के साथ निकली। कलश शोभा यात्रा के बाद प्लस टू हाई स्कूल के मैदान में 29 मई से 4 जून तक सात दिवसीय तक भागवत कथा का आयोजन होगा। कथा वाचक वृंदावन के गोपाल भाई ओझा है। इस मौके पर नंदेश्वर प्रसाद, राजेश यादव, मोहन रक्षित, सुनील, मंगल पेंटर आदि अन्य श्रद्धालु गण शामिल थे।

मंगलवार की देर शाम को भैंस से टकरा जाने से एक बाईक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। तालझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत महाराजपुर बाफर टोला में मंगलवार की देर शाम को भैंस से टकरा जाने से एक बाईक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जहां स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। उधर सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ। पिंकु चौधरी के देखरेख में इलाज किया गया। वही बाईक सवार घायल युवक की पहचान राजमहल थाना क्षेत्र निवासी सुधीर मंडल के 35 वर्ष पुत्र धर्मराज मंडल के रूप में हुई है।उधर घायल बाईक सवार युवक धर्मराज मंडल ने बताया कि मंगलवार की शाम वो राजमहल से अपने ससुराल चानन साहिबगंज जा रहे थे जहां अचानक महाराजपुर बाफर टोला के समीप भैंस आ गया और जोरदार टक्कर मार दिया जिससे वो घायल हो गया। वही घायल बाईक सवार युवक के सिर पर गंभीर चोट लगी है जिसका सदर अस्पताल में चिकित्सक के देखरेख में इलाज किया जा रहा है।

एक युवक का मोटरसाइकिल दुर्घटना में मौके पर ही मौत हो गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। बोरियो थाना क्षेत्र अंतर्गत एक युवक का मोटरसाइकिल दुर्घटना में मौके पर ही मौत हो गया। मिली जानकारी के अनुसार वालेडीह से जाने वाले मोड़ के पास मोटरसाइकिल का अचानक संतुलन खो देने के कारण मोटरसाइकिल सवार चालक बीच सड़क पर गिरकर गंभीर चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गया। घटना की सूचना राहगीरों की मदद से बोरियो पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही बोरियो पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल भेज दिया गया। जहां पोस्टमार्टम करने के उपरांत शवगृह में शव को रख दिया गया। पुलिस के अनुसार मृत युवक का पहचान नहीं हो पाया है।

नवीनीकृत एस डी एच का संयुक्त उद्घाटन विधायक, राजमहल एमटी राजा एवं सिविल सर्जन साहिबगंज द्वारा किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। राजमहल मुख्यमंत्री रख-रखाव योजना के अंतर्गत अनुमंडलीय अस्पताल (एस डी एच), राजमहल का नवीनीकरण कार्य संपन्न किया गया। इस योजना के अंतर्गत अस्पताल में रंग-रोगन, ब्रांडिंग, चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता, एवं मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया गया, जिससे मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो सकें। आज नवीनीकृत एस डी एच का संयुक्त उद्घाटन विधायक, राजमहल एमटी राजा एवं सिविल सर्जन साहिबगंज द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने परिसर का भ्रमण कर नए बदलावों को देखा तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की एवं कुछ पहलुओं पर अस्पताल प्रशासन को आवश्यक सुधारात्मक सुझाव दिए। उद्घाटन उपरांत विधायक एवं सिविल सर्जन द्वारा अस्पताल के विभिन्न विभागों जैसे ओपीडी, इमरजेंसी, पैथोलॉजी, वार्ड्स, अल्ट्रासाउंड और सफाई व्यवस्था आदि का गहन निरीक्षण किया गया।

गोलीकांड मामले का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने चार दिन के अंदर मुख्य आरोपी शेख दानिश उर्फ बमशी अली को गिरफ्तार कर लिया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। तालझारी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए महाराजपुर डाकबंगला खन्ता के पास में हुई गोलीकांड मामले का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने चार दिन के अंदर मुख्य आरोपी शेख दानिश उर्फ बमशी अली को गिरफ्तार कर लिया है जिसकी जानकारी राजमहल एसडीपीओ ने प्रेस कांफ्रेंस कर दिया। वहीं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विमलेश त्रिपाठी ने आपने कार्यालय कक्ष में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले का खुलासा करते हुए बताया की 22 मई की करीब 07.00 बजे संध्या तालझारी थाना अंतर्गत डाकबंगला खन्ता के पास महाराजपुर के पाच्चु मंडल पिता स्व0 बेचन मंडल का गोली मार दी गयी, जिसे ईलाज हेतु सदर अस्पताल, साहेबगंज भेजा गया था। जख्मी का ईलाज के दौरान मृत घोषित कर दिया गया था। उक्त घटना के सम्बंध में मृतक के पलि के ब्यान के आधार पर तालझारी थाना काण्ड सं0 69/25 धारा 103(1)/3(5) भा0न्या0स0 एवं 27 आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जिसके अनुसंधान के करम में इस काण्ड में संलिप्त अपराधकर्मीयों के गिरफ्तारी एवं घटना में प्रयुक्त हथियार के बरामदगी हेतु पुलिस अधीक्षक साहेबगंज के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजमहल के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन कर अपराधियों के सभी सम्भावित जगह पर सघन छापामारी किया गया। अनुसंधान के क्रम में इस काण्ड के मुख्य प्राथमिकी अभियुक्त शेख दानिश उर्फ बमशी अली, पिता नसरूद्दीन शेख उर्फ नसवा शेख, सा0 मोतीझरना डाकबंगला, थाना तालझारी, जिला साहेबगंज को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पकड़ाये अभियुक्त के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त हथियार देशी कट्टा एवं ग्यारह चक्र जिन्दा गोली भी बरामद कर लिया गया है। वहीं गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिए गया है। साथ ही अन्य बिन्दुओं पर अनुसंधान की जा रही है। वहीं छापामारी दल में शामिल राजमहल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विमलेश कुमार त्रिपाठी, तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पाण्डेय, पुअनि मृत्युंजय पाण्डेय, पुअनि राजमहल थाना बिक्रम कुमार, गंगा नदी थाना प्रभारी लव कुमार, पुअनि तालझारी थाना कन्हैया प्र0 साह, पुअनि नगर थाना अनिश पाण्डेय, राजा राम, तालझारी थाना रिजर्व गार्ड, रमेश मुर्मु तालझारी थाना रिजर्व गार्ड, अभिषेक कुमार तकनिकी शाखा, साहेबगंज शामिल थे।

माहवारी जागरूकता को लेकर विस्तृत रूपरेखा तैयार, तिथि-वार गतिविधियों के सफल संचालन पर ज़ोर

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। आज साहिबगंज जिले में चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ रहो अभियान का शुभारंभ उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में किया गया। इस अभियान का उद्देश्य माहवारी से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना, सही जानकारी देना और समाज में सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन लाना है। अभियान की शुरुआत प्रतीकात्मक रूप से रेड डॉट चैलेंज के माध्यम से की गई, जो माहवारी स्वच्छता को लेकर जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम है। बैठक में 28 मई से 11 जून 2025 तक आयोजित होने वाली तिथि-वार गतिविधियों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि अभियान का संचालन प्रभावी और सफल ढंग से हो सके।कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों और कर्मचारियों को माहवारी स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। यह शपथ समाज में माहवारी के प्रति खुले और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के संकल्प के रूप में ली गई।इस अवसर पर सदर डीएसपी विजय कुश्वाहा, जिला योजना पदाधिकारी अनुप कुमार, जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी उमेश कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी मिथलेश कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष, कनीय अभियंता, सहायक अभियंता, सभी जिला समन्वयक, प्रखंड समन्वयक सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने अभियान की सफलता सुनिश्चित करने हेतु समर्पित भाव से सहयोग करने का आश्वासन दिया।

शिक्षा योजनाओं की प्रगति को लेकर उपायुक्त हेमंत सती ने की समीक्षा बैठक

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में शिक्षा विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने पिछले समीक्षात्मक बैठक में दिए गए निर्देशों के आलोक में हुए कार्यों की जानकारी ली और पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने विद्यालयों में पाठ्यपुस्तकों एवं स्कूल बैग के वितरण की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि वितरण कार्य को शीघ्र शत प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए, ताकि छात्र-छात्राओं की पढ़ाई में कोई व्यवधान न आए। उन्होंने कहा कि समय पर शैक्षणिक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके साथ ही उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने को कहा। उपायुक्त ने पदाधिकारियों को बच्चों की उपस्थिति, विद्यालय भवनों की स्थिति, मिड डे मील योजना की गुणवत्ता सहित अन्य बिंदुओं पर भी गंभीरता से निगरानी रखने का निर्देश दिया। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गानंद झा, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष,अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी लक्ष्मण यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं की प्रगति से उपायुक्त को अवगत कराया और आगे की कार्रवाई को लेकर रूपरेखा पर चर्चा की।

जरूरतमंद लाभुको को मिले सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ- विधायक

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। माननीय राजमहल विधायक आदरणीय मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा जी ने बुधवार को राजमहल प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किए. अनुमंडलीय अस्पताल का सौंदर्यीकरण का उद्घाटन विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा व सिविल सर्जन डॉ पीके संथालिया ने संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किए. उपरांत विधायक जी ने अनुमंडलीय अस्पताल में मरीजों को मिलने वाली सुविधा से अवगत हुए और अस्पताल परिसर का निरीक्षण किए. उन्होंने अविलंब महिला वार्ड को शुरू करने साथ ही सीबीसी मशीन व डिजिटल एक्स-रे चालू करने को लेकर सिविल सर्जन से वार्ता किए. उन्होंने कहा कि अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त कराना उनकी प्राथमिकता है. मरीज को स्वास्थ्य सुविधा एवं स्वास्थ्य जुड़ी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मरीजों को मिले यह संबंधित चिकित्सक एवं पदाधिकारी सुनिश्चित करेंगे. लगभग 20 लाख की लागत से एसएफसीआई गोदाम के मरम्मती कार्य का शिलान्यास भी गोदाम परिसर में किया गया. फुलवरिया स्थित आरसीएम के केंद्र का विधिवत शुभारंभ विधायक के हाथों किया गया.

इंडोर स्टेडियम का हुआ शिलान्यास.
विधायक जी व सीओ मो यूसुफ के माध्यम से प्रखंड परिसर में इंडोर स्टेडियम का शिलान्यास किया गया. विशेष प्रमंडल से बनने वाले 99.98 लाख की लागत से इंडोर स्टेडियम का शिलान्यास किया गया. मालूम होगी खिलाड़ियों के माध्यम से लंबे समय से इंडोर स्टेडियम की मांग की जा रही थी. इंडोर स्टेडियम की शिलान्यास होते ही स्थानीय खिलाड़ियों ने विधायक एवं सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि यह खिलाड़ियों के हित में सकारात्मक पहल है. इंडोर गेम के खिलाड़ी के लिए कोई स्थाई स्थल नहीं था जिस कारण लोगों को काफी परेशानी होती थी.

विधायक जी के कक्ष का हुआ उद्घाटन
प्रखंड कार्यालय में विधायक जी , सीओ मो यूसुफ एवं झामुमो के पार्टी कार्यकर्ताओं के माध्यम से विधायक कक्षा का उद्घाटन किया गया. विधायक ने कहा कि कार्यालय में जनता से जुड़ी समस्याओं का समाधान उनके एवं उनके प्रतिनिधियों के माध्यम से किया जाएगा. उन्होंने प्रखंड प्रखंड कार्यालय में विभिन्न विभाग के पदाधिकारी के साथ बैठक कर जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा किए. उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लाभु को सरकार के द्वारा संचालित सभी योजनाओं का लाभ मिले सभी पदाधिकारी एवं कर्मचारी इसे सुनिश्चित करेंगे. पंचायत के जनप्रतिनिधि पार्टी पदाधिकारी एवं स्थानीय लोगों ने कार्यालय के कुछ गतिविधि पर विधायक से शिकायत की. विधायक ने संबंधित पदाधिकारी को त्वरित निष्पादन का निर्देश दिए.

सखी मंडल जेएसएलपीएस साहिबगंज की कुल 30 दीदियों को प्रशिक्षण दिया गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज-भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण रोजगार प्रशिक्षण संस्थान साहिबगंज के माध्यम से 31 दिवसीय महिला दर्जी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन जिला प्रबन्धक जेएसएलपीएस के जॉब एंड स्किल राजेंद्र कुमार,कम्युनिटी क्लस्टर तालझारी संतोष कुमार,प्रशिक्षक राजहंस कुमार एवं उपेंद्र गोप ने सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र देकर उनके उज्ज्वल भविष्य का कामना किए. प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गांव के बेरोजगार दीदियों को प्रशिक्षित कर उनको मुख्य धारा सह रोजगार से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण देना है.इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में झारखंड आजीविका सखी मंडल जेएसएलपीएस साहिबगंज की कुल 30 दीदियों को प्रशिक्षण दिया गया,दीदियों को सिलाई के साथ साथ तथा बचत की आदत को डालने के लिए प्रेरित किया जाना है इस कार्यक्रम में कुल आजीविका सखी मंडल की 30 दीदियों को प्रशिक्षित किया गया जो विभिन्न प्रखंडों से आए हुए है जिसमें राजमहल,बरहरवा पतना,बोरियो एवं तालझारी के प्रशिक्षु उपस्थित हैं साथ ही आरसेटी के 30 दिवसीय ऐसी फ्रिज रिपेयर प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया गया.मौके पर आरसेटी के सहायक रंजीत कुमार ठाकुर,आकाश कुमार एवं तौफीक आलम,सुरेन्द्र मुर्मू नीरज कुमार शर्मा उपस्थित थे।

कोटाल पोखर मे झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक द्वारा चलाया गया साक्षरता और जागरूकता अभियान

संवाददाता आदिवासी एक्सप्रेस
बरहरवा। झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक (JRGB) वित्तीय साक्षरता और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न जागरूकता अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लेता है।

वित्तीय साक्षरता सह जागरूकता कार्यक्रम
हाल ही में, JRGB ने झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (JSLPS) के सहयोग से साहिबगंज के बरहरवा प्रखंड के कोटाल पोखर में एक वित्तीय साक्षरता सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य सखी मंडल की महिलाओं को वित्तीय जानकारी प्रदान करना था।
इस कार्यक्रम में महिलाओं को निम्नलिखित महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई:
बैंक ऋण,बचत खाता, बीमा योजनाएँ, अटल पेंशन योजना,डिजिटल लेनदेनऋण वापसी

ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन
JRGB ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। यह स्वयं सहायता समूहों (स्वसहा) के साथ बैंक लिंकेज स्थापित करके और अन्य सरकारी योजनाओं के माध्यम से वित्तीय सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित करता है।
मौके पर कोटाल पोखर झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के शाखा प्रबंधक विजय मुर्मु ,बैंक सखी सुचित्रा सिंह prp नंदिता देवी ,रीता देवी, चम्पा देवी, आरिफ अंसारी, सानू साह एवं अन्य सदस्य मौजूद थे।

मयूरकोला पंचायत मेंआईटीआई भवन विभागीय उपेक्षा के कारण धूल फांक रहा है

आईटीआई कॉलेज का भवन शराबियों का अड्डा बन गया है

आदिवासी एक्सप्रेस जिला ब्यूरो
अजय कुमार कुशवाहा
बरहरवा। अंचल क्षेत्र अंतर्गत मयूरकोला पंचायत में पिछले 6 वर्षो से बना हुआ आईटीआई भवन विभागीय उपेक्षा के कारण धूल फांक रहा है। जहां आईटीआई भवन पूरी तरह से बनकर अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। यहां आपको बता दें कि जिले के अंतिम छोर पर बना यह आईटीआई कॉलेज भवन पिछले कई सालों से बनकर बना पड़ा हुआ है और धूल फांक रहा है। यहां पर शिक्षा तो दूर अब यहां इस भवन में जानवर पालन हो रहा है। वही गांव के लोग अब इस भवन में मवेशी पालन करने लगे है साथ ही यह आईटीआई कॉलेज का भवन शराबियों का अड्डा बन गया है जहां अक्सर कॉलेज के पास कुछ अश्लील लोग शराब और गांजा पीते हुए आसानी से देखे जा सकते है। यहां यह कहा जाए कि एक तरह से शिक्षा का मंदिर अब नशे का अड्डा बन चूका है। उधर बरहरवा से लेकर कोटालपोखर तक के छात्र छात्राओं को टेक्निकल डिग्री लेने के लिए पास के सटे हुए पाकुड़ जिला में जाना पड़ रहा है। जहां अपने जिले के सुदूरवर्ती इलाके में आईटीआई कॉलेज के रहते हुए भी यहां के स्थानीय छात्र छात्राओं को अपने घर से दूर जाकर शिक्षा लेनी पड़ रही है। जहां राजमहल अनुमंडल क्षेत्र के स्थानीय छात्र छात्राओं को टेकिनकल एजुकेशन के लिए अपने घर के पास में आईटीआई कॉलेज रहते हुए भी उन्हें टेक्निकल शिक्षा के लिए 50 से 60 किलोमीटर की दुरी तय करनी पड़ती है। जहां इस मामले को लेकर अब तक न तो शिक्षा विभाग के अधिकारी सुध ले रहे हैं और न ही नियोजनालय पदाधिकारी ही इसकी कोई सुध ले रहे हैं। वही इस मामले को लेकर स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदारों व पदाधिकारियों का चांदी चांदी हो रहा है जहां सरकारी रुपयों का बंदरबाट हो रहा है और आमजनता को अच्छी शिक्षा व सुविधा तक उपलब्ध नहीं हो पा रही है। वही ग्रामीणों ने रोष प्रकट करते हुए कहा कि जिसके टैक्स से विकास काम होता है उसी विकास के नाम पर बस लूट होता है। उधर स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि मयूरकोला स्थित आईटीआई कॉलेज को चालू करने के लिए झारखंड सरकार के उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव को लिखित में सुचना दिया गया है मगर अब तक तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है और न ही उद्घाटन व पठन पाठन ही शुरू हो पाया है। जहां स्थानीय ग्रामीणों की झारखंड सरकार से यही मांग है की जल्द से जल्द इस आईटीआई कॉलेज का उद्घाटन करवाकर इसमें पढ़ाई शुरू कराई जाए ताकि क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले गरीब तबके के छात्र छात्राओं को टेकिनकल डिग्री मिल सकें और उनका भविष्य संवर सकें। उधर इस संदर्भ में प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष अशोक दास ने बताया कि अभी तक आईटीआई कॉलेज में किसी की कोई बहाली नहीं हुई और न ही बिजली की व्यवस्था ही हो पाई है। जहां उन्होंने आश्वासन दिया है कि इससे जुड़े विभागीय पदाधिकारी से बात करके समस्या का जल्द से जल्द निष्पादन करवाने की दिशा में वे काम करेंगे।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन के लिए उपायुक्त रामनिवास यादव ने गिरिडीह जिले के सभी स्टेट टॉपर छात्राओं को पुरस्कृत किया

बच्चों के सर्वांगीण विकास में शिक्षकों के साथ ही बच्चों के अभिभावकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है- उपायुक्त रामनिवास यादव

शुभम सौरभ

गिरिडीह, विशेष प्रतिनिधि। सीबीएसई बोर्ड की 12वीं परीक्षा में स्टेट टॉपर रही सर.जे.सी बोस सीएम ऑफ एक्सीलेंस गर्ल्स गिरिडीह की छात्राओं को उपायुक्त रामनिवास यादव ने प्रशस्ति पत्र और शील्ड देकर पुरस्कृत किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि गिरिडीह जिले की होनहार

बच्चियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से विद्यालय समेत पूरे जिले का नाम रौशन किया है। उन्होंने सभी होनहार छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन और उपलब्धि पर बधाई और शुभकामना दी है। उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में शिक्षकों के साथ ही बच्चों के अभिभावकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आप सभी बच्चों ने अपने अपने शिक्षकों माता-पिता, स्कूल, समाज तथा समस्त जिले को गौरवान्वित किया है। आप सभी पर हम सबको गर्व है। इसके अलावा उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी और सर.जे.सी बोस सीएम ऑफ एक्सीलेंस गर्ल्स गिरिडीह के प्राचार्य मुन्ना कुशवाहा को भी सम्मानित किया और उन्हें भी बधाई दी। साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रयास करने के लिए निर्देशित किया। पुरस्कृत होने वाली छात्राओं में बारहवीं कक्षा की श्रेया पाण्डेय, (आर्ट्स 95.4) 2. लक्ष्मी कुमारी, (आर्ट्स 94.6), 3. प्रज्ञा कुमारी, (आर्ट्स 94.2) तथा दसवीं की छात्र पूर्णिमा कुमारी, 90.2 प्रतिशत शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

युवक को जहरीले सांप के काटने से हुआ मूर्छित

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। एक युवक को जहरीले सांप के काटने से हुआ मूर्छित। मिली जानकारी के अनुसार छोटी सोलबांधा मठिया निवासी स्वर्गीय लक्ष्मण यादव का 20 वर्षीय पुत्र गोविंद कुमार यादव अपने घर के बगल में पोखर के रास्ते से जाने के दौरान किसी जहरीले सांप ने बीते मंगलवार की रात्रि 8:00 बजे के लगभग पैर में काट लिया। वहीं परिजनों की मदद से गोविंद कुमार यादव को इलाज के लिए आनन-फानन में सदर अस्पताल साहिबगंज लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने उक्त युवक का इलाज शुरू कर दिया। इलाज करने के उपरांत युवक के हालात में सुधार है।

विधायक व उपायुक्त ने रामचंद्रपुर में मनरेगा योजनाओं का किया निरीक्षण

सुस्मित तिवारी

आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़- माननीय विधायक पाकुड़ श्रीमती निसात आलम व उपायुक्त मनीष कुमार और उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया ने बुधवार को पाकुड़ प्रखंड अंतर्गत नरोत्तमपुर पंचायत के रामचन्द्रपुर गांव में मनरेगा योजना अंतर्गत बिरसा सिंचाई कूप योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना के आम बागवानी योजना का स्थल निरीक्षण किया। मौके पर पदाधिकारियों ने मनरेगा मजदूरों के साथ बात कर योजनाओं के कार्य को लेकर जानकारी भी ली। योजना का निरीक्षण के दौरान मनरेगा कार्यों की प्रगति देखकर माननीय विधायक पाकुड़ काफी खुश दिखे।

इसके अलावा उपायुक्त मनीष कुमार व अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन के द्वारा महेशपुर प्रखंड स्थित कानीझाड़ा पंचायत के काटशाला ग्राम में मनरेगा अंतर्गत क्रियान्वित की जा रही बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत तीन एकड़ पेच का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान साफ सफाई, योजना का बोर्ड एवं कुआं को कलरफुल बनाने हेतु निर्देशित किया।

बच्चो के विवाद में दो पक्ष भिड़े, एक पक्ष के एक महिला घायल हो गई

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के छोटी कोदरजनना में बुधवार की देरशाम बच्चों के विवाद में दो पक्ष आपस में भिड़ गए। इसमे एक पक्ष की महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को पुलिस ने इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। घायल महिला मो. कय्यूम की पत्नी बीबी नाजरा (35) है। घायल महिला ने पड़ोस के ही बच्चों-बच्चों के बीच विवाद हुआ। इसबीच पड़ोस के फैजान, साजिया समेत अन्य लोगो ने लाठ डंडा से प्रहार कर घायल कर दिया है। इधर घायल महिला ने थाना में आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

गिरिडीह में कांग्रेस ने किया संविधान बचाओ रैली का आयोजन

गिरिडीह, प्रतिनिधि। कांग्रेस के द्वारा चलाए जा रहे देशव्यापी अभियान संविधान बचाओ रैली के तहत बुधवार को गिरिडीह में भी एक रैली निकाली गई। जिसमें कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सह गिरिडीह जिला प्रभारी शाहजादा अनवर, सह प्रभारी पूर्व विधायक जे.पी. पटेल, जिलाध्यक्ष धनंजय सिंह, कार्यकारी जिलाध्यक्ष सतीश केडिया सहित कई वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए। रैली के माध्यम से कांग्रेस ने देश में संविधान पर हो रहे हमलों और लोकतांत्रिक संस्थाओं के दुरुपयोग के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष शाहजादा अनवर ने कहा कि आज देश में संवैधानिक मूल्यों को कुचला जा रहा है। राहुल गांधी को संसद में बोलने से रोका जाता है और उन्हें निलंबित किया जाता है, ये सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इशारे पर हो रहा है।- उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार विपक्ष को दबाने के लिए ईडी और आईटी जैसी संस्थाओं को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रही है। वहीं सह प्रभारी जे.पी. पटेल ने कहा कि मोदी सरकार की नीतियों के कारण आम जनता त्रस्त है। संविधान का गला घोंटा जा रहा है और विपक्ष की आवाज को दबाने की साजिश चल रही है। मौके पर प्रदेश कांग्रेस कमिटी के सचिव नरेश वर्मा, अजय सिन्हा, ऋषिकेश मिश्रा, उपेंद्र सिंह, बलराम यादव, मोहम्मद इकबाल, अहमद राजा नूरी, मोहम्मद अली खान, नदीम अख्तर, प्रवीण हेंब्रम अशोक विश्वकर्मा ने भी संबोधित करते हुए संविधान की रक्षा का संकल्प लिया। रैली में मोहम्मद निजामुद्दीन, मनोज राय, अभिनंदन प्रताप सिंह, अशोक निराला, रणधीर चौधरी, इम्तियाज अंसारी, निजामुद्दीन अंसारी, इतवारी वर्मा, दुर्गा शर्मा, इशरत परवीन, रोशनीटा हेंब्रम, नकुल सिंह रघुनंदन प्रसाद सिंह, जुनेद आलम, विमल सिंह, मोहम्मद ताजुद्दीन, निषाद अहमद, प्रदीप पांडे सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता शामिल थे।

जमुआः इंपीरियल स्कूल ऑफ लर्निंग जमुआ के छात्रों का शानदार प्रदर्शन, स्कूल में उत्सव जैसा माहौल

● इंपीरियल स्कूल ऑफ लर्निंग जमुआ का रहा उत्कृष्ट प्रदर्शन ● विद्यालय के करण कुमार साव ने 468 अंक प्राप्त कर विद्यालय का टॉपर बने, द्वितीय स्थान पर प्रिंस उपाध्याय 463 अंक प्राप्त किए, तीसरे स्थान पर 453 अंक राजकुमार रजक ने प्राप्त किया हैं, 451 अंक अर्जित कर गुलाम मुस्तफा ने चौथा स्थान प्राप्त किया, आफरीन परवीन 450 अंक प्राप्त कर पांचवें स्थान पर रही

शुभम सौरभ

गिरिडीह, विशेष प्रतिनिधि। झारखंड एकेडमिक काउंसिल ने जैक झारखंड बोर्ड 10वीं का रिजल्ट घोषित कर दिया। घोषणा के साथ ही इंपीरियल स्कूल ऑफ लर्निंग जमुआ में खुशी की लहर दौड़ गई है। छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने न केवल विद्यालय का नाम रोशन किया है, बल्कि अभिभावकों, शिक्षकों और समस्त विद्यालय परिवार को गर्वित किया है। विद्यालय के कई छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया है। इन शानदार नतीजों से विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल है।

इंपीरियल स्कूल ऑफ लर्निंग जमुआ के छात्र-छात्राओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन

जिले के जमुआ प्रखंड अंतर्गत इंपीरियल स्कूल ऑफ लर्निंग जमुआ के छात्र-छात्राओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन। ज्ञात हो कि सत्र 2024-25 में आयोजित झारखंड अधिविद्य परिषद के द्वारा आयोजित माध्यमिक बोर्ड परीक्षा में इंपीरियल स्कूल आफ लर्निंग जमुआ के 80 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में भाग लिया था। इन सभी छात्रों का रजिस्ट्रेशन प्लस टू अपग्रेड हाई स्कूल दुम्मा से था, हर वर्ष कि भांति इस वर्ष भी इंपीरियल स्कूल के सभी छात्र-छात्रा प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए है। बताते चलें कि करण कुमार साव जिन्होंने 468 अंक प्राप्त कर विद्यालय का टॉपर बना है, जिन्होंने 93.6 प्रतिशत मार्क्स अर्जित किए हैं, वहीं विद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रिंस उपाध्याय जिन्होंने 463 अंक प्राप्त किए हैं तीसरे स्थान पर 453 अंक राजकुमार रजक ने प्राप्त किया है। 451 अंक अर्जित कर गुलाम मुस्तफा ने चौथा स्थान प्राप्त किया है, आफरीन परवीन 450 अंक प्राप्त कर पांचवें स्थान पर रही है। ये सभी 90 प्रतिशत से ऊपर अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं हैं। साथ ही साथ कुल 31 छात्र-छात्राओं ने 80 प्रतिशत या

उससे अधिक अंक अर्जित किए हैं शेष 44 छात्र छात्राओं ने प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण होने में सफलता पाई है और पुनः विद्यालय के साथ-साथ अपने माता-पिता गुरुजनों एवं अपने समाज का नाम प्रखंड भर में रोशन किया है।

विद्यालय के 31 छात्र- छात्राओं ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किए हैं एवं 44 छात्र-छात्राओं ने प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए

विद्यालय के उज्जवल सुमन 448 अंक, स्वीटी रानी वर्मा 441 अंक, विद्यासागर पासवान 441अंक, सोनम कुमारी 440 अंक, मोहम्मद ताज हुसैन 438 अंक, सपना कुमारी 434 अंक,लवकुश कुमार यादव 434 अंक, रानी राय 432 अंक आशीष कुमार यादव 432 अंक, परमानंद कुमार वर्मा 430 अंक, सचिन कुमार शर्मा 427 अंक, रोशन कुमार 419 अंक, सुजीत कुमार यादव 419 अंक, अंकु कुमारी 419 अंक, टुनटुन कुमार साव 419 अंक, सुभाष यादव 419 अंक, गौतम कुमार राणा 418 अंक, पूजा कुमारी 414 अंक ,देव कुमार महतो 414 अंक,सचिन कुमार 414 अंक, मधु कुमारी 410 अंक, राजकुमार सिंह 409 अंक, शेख अकबर अली 409 अंक, कांची सिंह 407 अंक, नेहा कुमारी 407 अंक, तौफीक आलम 407 अंक, स्नेहा पासवान 406 अंक, प्रिंस कुमार 404 अंक,अरविंद कुमार राणा 403 अंक, आशीष कुमार राय 402 अंक, उत्तम कुमार दास 402 अंक इन सभी की सफलता पर विद्यालय के प्राचार्य संजय कुमार, एकेडमिक डायरेक्टर टिंकू विश्वकर्मा, प्रबंधक निदेशक सुबोध कुमार कुशवाहा उपप्राचार्य रंजीत प्रसाद वर्मा सहित विद्यालय के तमाम शिक्षकों ने इन छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों के समर्पण और परिश्रम की सराहना की

विद्यालय के प्राचार्य संजय कुमार, एकेडमिक डायरेक्टर टिंकू विश्वकर्मा, प्रबंधक निदेशक सुबोध कुमार ने सभी छात्र-छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और शिक्षकों व अभिभावकों को इस उपलब्धि के लिए धन्यवाद दिया। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों के समर्पण और परिश्रम की सराहना करते हुए इसे टीम वर्क का नतीजा बताया। छात्रों और शिक्षकों को इस सफलता के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह परिणाम कठिन परिश्रम, अनुशासन और शिक्षकों का प्रतिफल है। हम अपने छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व करते हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।इंपीरियल स्कूल ऑफ लर्निंग भविष्य में भी ऐसे ही उत्कृष्ट प्रदर्शन की परंपरा को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

जमुआ में धनबाद एसीबी की कार्रवाई! घूसखोर रोजगार सेवक को रिश्वत लेते रंगे हाथ किया गिरफ्तार, एसीबी की कार्रवाई से हड़कंप

● कार्रवाई एसीबी की टीम ने एक सुनियोजित ट्रैप प्लान के तहत की

गिरिडीह, प्रतिनिधि। भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई में धनबाद एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने एक और सफलता हासिल की है। गिरिडीह जिले के जमुआ प्रखंड अंतर्गत टीकामगहा पंचायत में पदस्थापित रोजगार सेवक राजेश कुमार साहु को 5000 रुपये घूस लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई एसीबी की टीम ने एक सुनियोजित ट्रैप प्लान के तहत की।

अबुआ आवास, प्रधानमंत्री आवास योजना के भुगतान के लिए मांग रहा था घूस

जानकारी के मुताबिक, सकरडीहा गांव निवासी राजकुमार ने एसीबी में शिकायत दर्ज कराई थी कि रोजगार सेवक द्वारा मजदूरी भुगतान के नाम पर ग्रामीणों से बार-बार पैसे की मांग की जा रही थी। इससे परेशान होकर ग्रामीणों ने एसीबी धनबाद को गुप्त रूप से सूचना दी।

जाल बिछाकर आरोपी को रंगेहाथ पकड़ लिया

शिकायत की गंभीरता को देखते हुए एसीबी ने पहले मामले का सत्यापन किया और आरोपों की पुष्टि होने पर जाल बिछाकर आरोपी को रंगेहाथ पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद राजेश कुमार साहु को एसीबी अधिकारियों ने उन्हें जमुआ थाना लाया, उसके बाद धनबाद ले गए, जहां आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एसीबी की टीम ने तय समय और स्थान पर जाल बिछाकर पकड़ा

एसीबी की टीम ने सकरडीहा में तय समय और स्थान पर जाल बिछाकर राजेश साहु को रंगे हाथ पकड़ लिया। गिरफ्तारी के तुरंत बाद उसे धनबाद ले जाया गया, जहां आगे की पूछताछ और कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा

एसीबी अधिकारियों के अनुसार, भ्रष्टाचार के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और किसी भी सरकारी कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा जो जनता से रिश्वत मांगने का कार्य करेगा।

जमुआ प्रखंड क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और लोगों के बीच चर्चा का विषय

इस कार्रवाई से जमुआ प्रखंड क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय ग्रामीणों ने एसीबी की इस तत्परता की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ ऐसे कड़े कदम भविष्य में भी देखने को मिलेंगे।

दूसरे पंचायत में तबादला, फिर भी प्रभार नहीं संभाला

जानकारी के अनुसार जमुआ प्रखंड विकास पदाधिकारी अमन जी ने एक माह पहले इस आरोपी रोजगार सेवक राजेश कुमार साहु को जमुआ के टीकामगहा से किसी दूसरे पंचायत में तबादला कर दिया था, लेकिन इस भ्रष्ट रोजगार सेवक ने प्रभार नहीं संभाला इसलिए वह इसी पंचायत में बना रहा।

बरहरवा रेलवे स्टेशन पर अवैध रूप से शराब ले जाने के खिलाफ छापेमारी की गई

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंजः बरहरवा दिनांक 28 मई 2025 को गुप्त सूचना से मिली जानकारी के आधार पर एएसआई/दीपक कुमार राय, एएसआई/मुन्ना पर्वत, एचसी/एस.के.घोष सभी आरपीएफ/सीआईबी/मालदा , एएसआई/बाबुल दास, सीपीडीएस टीम-ए मालदा के स्टाफ,ट्रेन एस्कॉर्टिंग इंचार्ज एएसआई/मोहम्मद आई. आलम और आरपीएफ पोस्ट बरहरवा से एएसआई/जलेश्वर कुमार दुबे और अन्य आरपीएफ स्टाफ के साथ आरपीएफ इंस्पेक्टर बरहरवा संजीव कुमार के नेतृत्व में ट्रेन नंबर 13409, मालदा किऊल इंटरसिटी एक्सप्रेस में बरहरवा रेलवे स्टेशन पर अवैध रूप से शराब ले जाने के खिलाफ छापेमारी की गई। छापेमारी

के दौरान जब ट्रेन बरहरवा रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो रेडिंग पार्टी ने देखा कि जीएस कोच संख्या ईआर 193422सी में एक व्यक्ति को एक पिट्ठू बैग और दो हैंड बैग के साथ इधर उधर घूम रहा था। शक होने पर, उसे रोककर बैगों को चेक किया गया तो तीनों बैग खोलने पर भारी मात्रा में टेट्रा पैक ऑफिसर चॉइस एलीट व्हिस्की विदेशी शराब से भरे हुए थे। पूछने पर उसने अपनी पहचान अंकित कुमार 20 वर्ष, पिता उपेंद्र प्रसाद, साकिन नयागांव मुंगेर, थाना-कोतवाली मुंगेर, जिला-मुंगेर, बिहार के रूप में बताई। उसके बाद उस उक्त व्यक्ति को हिरासत में लिया गया और शराब के साथ ट्रेन से नीचे उतारा। आगे जांच/गिनती करने पर कुल 245 टेट्रा पैक ऑफिसर चॉइस एलीट व्हिस्की पाया गया और शराब की कुल कीमत 31850/- रुपये है। आगे पूछने पर उसने बताया कि वह अपने निजी लाभ के लिए बिहार क्षेत्र में कहीं भी बेचने के लिए सभी शराब ले जाता है। सभी कानूनी औपचारिकताओं का पालन करने और बीएनएसएस 2023 का पालन करने के बाद, सभी शराब को मौके पर यानी बरहरवा रेलवे स्टेशन के पार्सल कार्यालय/आरपीएफ पोस्ट के पास, पीएफ नंबर 01 में उपलब्ध गवाह की उपस्थिति में जब्त किया गया और आरपीएफ/पोस्ट/बरहरवा लाया गया। इसके बाद उपरोक्त 245 नग व्हिस्की को आगे की कानूनी कार्रवाई और उसके निपटान के लिए आबकारी, साहिबगंज को सूचित किया गया।

माहवारी स्वच्छता प्रबंधन को लेकर समाज कल्याण विभाग द्वारा समाहरणालय सभागार में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन

● जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम से महिलाओं और किशोरियों को माहवारी स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया, जिससे वे अपने स्वास्थ्य का बेहतर ध्यान रख सकें ● कार्यशाला में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप ने किशोरियों को सशक्त बनाने और समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाने की प्रेरणा दी ● इस वर्ष का थीम कमिंग टुगेदर फॉर पीरियड फ्रेंडली वर्ल्ड रखा गया है ● किशोरियों के बीच हाइजिन कीट का वितरण किया गया तथा 05 किशोरियों को माहवारी स्वच्छता प्रबंधन में बेहतर कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया

गिरिडीह, प्रतिनिधि। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत माहवारी स्वच्छता प्रबंधन को लेकर समाज कल्याण विभाग के द्वारा समाहरणालय सभागार में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।आयोजित कार्यशाला में माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के उद्देश्य, मुख्य स्तंभ, माहवारी से जुड़े तथ्य, सुरक्षित माहवारी न होने के दुष्प्रभाव तथा बीमारी और संक्रमण का खतरा, किशोरी और महिलाओं के लिए माहवारी संबंधी चुनौतियां समेत विभिन्न बिंदुओं पर पीपीटी के माध्यम से प्रेजेंटेशन दिया गया। प्रेजेंटेशन के जरिए बताया गया कि

माहवारी स्वच्छता प्रबंधन कैसे स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए महत्वपूर्ण है। साथ ही किशोरी, बालिकाओं तथा महिलाओं के साथ लिंग भेद से होने वाले सामाजिक दुष्परिणाम एवं माहवारी स्वच्छता प्रबंधन और लैंगिक समानता पर चर्चा की गई तथा सेनेटरी पैड और हाइजिन कीट का वितरण किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप ने कहा कि महिलाओं को मेंस्ट्रुएशन यानी माहवारी के दौरान स्वच्छता बरतने को लेकर जागरूक करने के उद्देश्य से हर साल दुनियाभर में 28 मई को माहवारी स्वच्छता दिवस (मेंस्ट्रुएशन हाईजीन डे) मनाया जाता है। इसको मनाने के पीछे का उद्देश्य लड़कियों या महिलाओं को पीरियड्स यानी महीने के उन पांच दिनों में स्वच्छता और सुरक्षा के लिए जागरूक करना तथा समुदाय में माहवारी स्वच्छता को बढ़ावा देना है। इस तरह के कार्यक्रम से महिलाओं और किशोरियों को माहवारी स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया, जिससे वे अपने स्वास्थ्य का बेहतर ध्यान रख सकें। उन्होंने बताया कि इस वर्ष का थीम «कमिंग टुगेदर फॉर पीरियड फ्रेंडली वर्ल्ड» रखा गया है। इसके अलावा किशोरी और महिला के लिए माहवारी के दौरान रक्त को अवशोषित करने के लिए स्वच्छ और साफ़ अवशोषक (सेनेटरी पैड, सूती कपड़ा, तक पहुंच, संस्थान एवं समुदाय स्तर पर इसकी उपलब्धता में नियमितता, साथ ही जितनी बार आवश्यक हो, गोपनीयता में बदलने हेतु व्यव (शौचालय), शारीरिक साफ सफाई हेतु जानकारी, हाथ धोने के लिए जल और साबुन की उपलब्धता तथा इस्तेमाल किये गए अवशोष सुरक्षित निपटान की सुविधाओं तक पहुंच, यह सभी मुख्य रूप से होना आवश्यक है। कार्यशाला के दौरान जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने किशोरियों के बीच हाइजिन कीट का वितरण किया गया तथा 05 किशोरियों को माहवारी स्वच्छता प्रबंधन में बेहतर कार्य करने के लिए सम्मानित किया। जिसमें सुमन कुमारी, संगीता कुमारी, रनधनी टुडु, काजल कुमारी तथा अंजली कुमारी शामिल है। वहीं यूनिसेफ की प्रतिनिधि ने कहा कि महामारी के दौरान संसाधनों की आपूर्ति के माध्यम से माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने में यूनिसेफ प्रमुख विभागों का लगातार सहयोग कर रहा है। माहवारी स्वच्छता आवश्यक है और इसी उद्देश्य के साथ महिलाओं को माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के लिए सेनेटरी पैड का वितरण किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

असम सरकार के इतिहास, पुरातत्व विभाग और श्री श्री अनिरुद्धदेव खेल विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर

पंकज नाथ, आदिवासी एक्सप्रेस, असम

असम सरकार के इतिहास और पुरातत्व विभाग और श्री श्री अनिरुद्धदेव खेल विश्वविद्यालय के बीच हाल ही में एक समझौता ज्ञापन (स्श्) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत, दोनों संस्थान मिलकर ऐतिहासिक शोध, शैक्षणिक और खेलों के इतिहास से जुड़े कार्य करेंगे। साथ ही, श्री श्री अनिरुद्धदेव द्वारा प्रवर्तित मायामोरा वैष्णव धर्म के अंतर्गत सत्संगों के विकास और वहां संरक्षित प्राचीन ग्रंथों के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए भी काम करेंगे। प्राचीन असम के खेल और योग की उत्पत्ति और विकास पर भी दोनों पक्ष मिलकर कार्य करेंगे। इस कार्यक्रम में श्री श्री अनिरुद्धदेव खेल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जय प्रकाश बर्मा, परीक्षा नियंत्रक अरिंजित हजारिका समेत अधिकारी और कर्मचारी तथा असम सरकार के इतिहास और पुरातत्व विभाग की ओर से निदेशक डॉ. संगीता गोगोई, शोध अधिकारी नम्रता काकती उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार पंकज बरठाकुर ने किया।

यदुवंशी महासभा की ओर से वट सावित्री पर्व की दी शुभकामनाएं

संवाददाता श्रीकान्त यादव

राष्ट्रीय महासचिव शबनम यादव ने कोतवाली चौक के निकट गौशाला में भागलपुर में पूजा किया साथ में कई महिला पदाधिकारी और सदस्य गण मौजूद थे, यदुवंशी महासभा की ओर से देशभर की महिलाओं को वट सावित्री पर्व की शुभकामनाएं दी। महासभा की राष्ट्रीय महासचिव शबनम यादव एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मानसी कुमारी ने वट सावित्री व्रत पति-पत्नी के बीच प्रेम और समर्पण की शक्ति का जश्न मनाता है। सावित्री और सत्यवान पत्नी के समर्पण की शक्ति का उदाहरण हैं, जो मृत्यु को भी मात दे सकती है। यह त्यौहार वैवाहिक बंधन को मजबूत करता है और परिवारों में शांति और समृद्धि लाता है। वहीं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संगीता यादव एवं बिंदा यादव ने सभी महिलाओं को बधाई शुभकामनाएं दी है।

कहते हैं जुर्म कितना भी शातिर क्यों न हो... कानून की पकड़ से बच नहीं सकता

उदयपुर जिले के फतहनगर से सामने आया है एक ऐसा खौफनाक केस, जिसने दृश्यम फिल्म की याद दिला दी। लेकिन असल ज़िंदगी की इस स्क्रिप्ट में हीरो कोई एक्टर नहींज बल्कि वो पुलिस अफसर है, जिसने हड्डियों की राख से भी सच निकाल कर दिखा दिया 70 वर्षीय वृद्धा चांदी बाई की हत्या और लूट के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने रमेश लौहार नामक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। लेकिन इस केस में सबसे बड़ी बात ये है कि इसका खुलासा हुआ है थानाधिकारी चन्द्र शेखर किलानिया की चतुराई और अथक मेहनत से।÷ ÷फिल्म 'दृश्यम' और टीवी शो 'क्राइम पेट्रोल' से प्रेरित होकर आरोपी ने इस वारदात को अंजाम दिया था। पर एक बात वह भूल गया – ये असल जिंदगी है, और यहां कानून का कैमरा हर वक्त चालू रहता है।÷ ÷चांदी बाई 22 फरवरी को एक वैन में जाते हुए आखिरी बार देखी गई थीं। परिवार की शिकायत के बाद केस की जिम्मेदारी ली फतहनगर थानाधिकारी चन्द्र शेखर किलानिया ने – और शुरू की एक ऐसी जांच, जिसमें तकनीकी, डिजिटल और खुफिया सभी स्तरों पर बारीकी से काम किया गया।÷ आरोपी रमेश ने पूछताछ में कबूल किया कि उसने वृद्धा की हत्या कर शव को जलाया और अवशेषों को घोसुंडा बांध में फेंक दिया था। पुलिस ने ना सिर्फ वारदात में प्रयुक्त वैन, लोहे का पाना, गैसगन और लूटा गया जेवर बरामद किया, बल्कि डीएनए जांच से यह भी पुख्ता कर दिया कि मिले अवशेष चांदी बाई के ही हैं। इस केस के हर पेंच को सुलझाने में थानाधिकारी चन्द्र शेखर किलानिया ने जिस सूझबूझ, समर्पण और प्रोफेशनलिज़्म का परिचय दिया – वह वाकई काबिल-ए-तारीफ है। थानाधिकारी चन्द्र शेखर किलानिया ने साबित कर दिया कि अगर इरादा मजबूत हो, तो फिल्मी ट्रिक्स भी कानून के हाथों से नहीं बच सकतीं।÷ ÷फतहनगर पुलिस की इस कामयाबी ने न सिर्फ चांदी बाई के परिवार को न्याय दिलाया, बल्कि आमजन का भरोसा भी कानून पर और मजबूत किया।

योगेश गोयल, जिला पुलिस अधीक्षक

चांदी बाई को इंसाफ मिल गया... और आरोपी को कानून का सज़ा देने वाला कटघरा। इस केस ने साबित किया – फिल्मी चालें पुलिस की असलियत के सामने बौनी हैं। थानाधिकारी चन्द्र शेखर किलानिया की मेहनत को सलाम.... और इस केस से जुड़ा हर सबक हम सबके लिए जरूरी है।

एमएससी वेस्ट ने एमएससी ईस्ट को 7 रनों से किया पराजित

ऑल राऊंडर प्रदर्शन के लिए अनुराग कुमार बने मैन ऑफ द मैच

आदिवासी एक्सप्रेस/ बौसी (बांका)

मंदार स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित T20 टैलेंट स्काउटिंग ट्राई सीरीज के अंतर्गत मंगलवार को स्थानीय सी एन डी उच्च विद्यालय मैदान में खेले गए मुकाबले में एमएससी वेस्ट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एमएससी ईस्ट को 7 रनों से पराजित किया। यह इनकी लगातार तीसरी जीत है। एमएससी वेस्ट अपनी जीत के साथ लगातार शीर्ष पर मौजूद है।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एमएससी वेस्ट ने निर्धारित 20 ओवरों में सभी विकेट खोकर 117 रन बनाए। टीम की ओर से अनंत सरिया ने 30 रन (31 गेंद) और अनुराग कुमार ने तेज़तर्रार 27 रन (21 गेंद, 5 चौके) की अहम पारी खेली। जबकि आलोक कुमार शाह ने 10 रन बनाए। एमएससी ईस्ट के लिए गेंदबाज़ी में अनिकेत शुभम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में 32 रन देकर 4 विकेट झटके, वहीं राजा दुबे को 2 और आर्यन कुमार झा को 1 विकेट मिला।

जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमएससी ईस्ट की टीम 18.1 ओवर में 110 रनों पर ऑलआउट हो गई और मुकाबला 7 रनों से हार गई। ईस्ट की ओर से अनिकेत शुभम ने सर्वाधिक 41 रन (31 गेंद, 6 चौके) बनाए। अन्य बल्लेबाजों में गुलफराज ने 13 और राजेश विवाकर ने 11 रनों का योगदान दिया।

एमएससी वेस्ट के लिए गेंदबाज़ी में अनुराग कुमार ने घातक गेंदबाज़ी करते हुए 4 ओवर में 26 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जबकि गौरव कुमार दत्ता, रंजन सिंघानिया, सुमित सागर और प्रीतम चौधरी ने 1-1 विकेट लिया।

अनुराग कुमार को उनके ऑलराउंड प्रदर्शन (27 रन और 2 विकेट) के लिए ÷मैन ऑफ द मैच÷ घोषित किया गया।

मंदार स्पोर्ट्स क्लब के प्रेस मीडिया प्रभारी ने बताया कि इस तरह के प्रतियोगिता के आयोजन का उद्देश्य स्थानीय खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धात्मक मंच देना है, जहां वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर आगे निखर सकें। क्लब के सह-संस्थापक राज निलयम ने सभी खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन की सराहना करते हुए भविष्य के मैचों के लिए शुभकामनाएं दीं। मैच मे क्रिकेट कमेंट्री कुंदन कुमार साह ने किया, जबकि अंपायरिंग॰ अजय सिंह और विराज कुमार ने किया। सीरीज का अंतिम और अगला लीग मैच॰ 29 मई गुरु वार को सी एन डी मैदान पर खेला जाएगा।

घर के छत पर ग्यारह हजार हाईटेंशन तार. बड़ी घटना होने की संभावना

बांका कटोरिया से श्रीकान्त यादव की रिपोर्ट

बांका कटोरिया प्रखंड क्षेत्र के कोल्हासार पंचायत अन्तर्गत चिराईयांमोड़ कल्याणपुर टोला में घर के छ्त पर से ग्यारह हजार हाईटेंशन करंट के तार गुजरा है। जिनसे बीससे पच्चीस घर के लोग हाईटेंशन करंट के डर से सहमें हुए हैं। ग्रामींणों का कहना है कि हमलोग डर के मारे अपनें परिवारजनों में किसी को छत पर नही जानें देते हैं। लेकिन बचते-बचाते कभी भी हाईटेंशन तार के चपेट में आनें से परिवार के सदस्यों में किसी का मौत हो सकता है। जिनको लेकर एम.पी एम.एल.ए से लेकर बिजली विभाग के कई अधिकारीयों से तार हटाकर घर के पीछे खुले जमीन में पोल गाड़कर तार लागानें की आवेदन देकर गुहार लगाई गई। लेकिन अभीतक किसी अधिकारीयों या नेताओं नें हमलोगों की बिजली समस्या सुनने को तैयार नही है। जिनके कारण हमलोंग डर-डर के जी रहे हैं। बता दें कि बिजली पोल लगानें के सुरूआती दौर में जब यहां पोल लागाये गये थे तब कोई घर नही था। लेकिन समय गुजरने के बाद अभी यहांपर बीस से पच्चीस घर रोड किनारे बनने के साथ कल्याणपुर टोला बन गया हैं। जिनके अधिकतर घरों के छतों के उपर ग्यारह हजार करंट दौड़ रहा है। जिनमें कभी भी बड़ी घटना होनें कि संभावना है। वहीं राम चन्द्र यादव ,मुशो यादव, पंकज यादव, बीरेन्द्र यादव, बिजय यादव, तालेश्वर यादव, बजरंगी यादव, योगेन्द्र यादव,सुरेश यादव, उर्मिला देवी, मानदेव यादव, भूदेव यादव, सत्यनारायण यादव, लालदेव यादव, बिसू यादव, रामदेव यादव, पप्पू यादव, प्रमिला देवी एवं अन्य ग्रामीणों नें इस समस्या का निदान के लिए बिजली तार हटाकर दूसरे जगह लगानें की गुहार लगाई है।

इस मामले को लेकर कनीय अभियन्ता युवराज कुमार नें कहा ग्रामीण द्वारा आवेदन देनें पर बिजली तार दूसरे जगह पोल गाड़कर लगाया जायगा।

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय कोटडा उदयपुर में शैक्षणिक सत्र 2025 2026 हेतु कक्षा 7 8 9 में रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किया जा रहे हैं प्रवेश हेतु आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन होगी जो कि विभागीय पोर्टल www,tad,rajasthan.gov.in पर आवेदन किए जा सकते है पत्र भरने की अंतिम तिथि 2 जून 2021 को निर्धारित की गई है उपरोक्त जानकारी का उद्देश्य केवल पत्र एवं इच्छुक विद्यार्थी तक का तथा उनके अभिव्यवों को समय पर रहते सूचित करना है जिसमें इस अवसर पर लाभ उठा सके यहां कोई वाणिज्यिक विज्ञापन न होकर जनहित में दी जारी सूचना है यहां आवासीय विद्यालय जनजाति कार्यालय मंत्रालय भारत सरकार के अधीन आता है स्कूल प्राचार्य वंदना पाराशर ने बताया कि इच्छुक विद्यार्थी विभाग की वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं आवेदन लेने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है ऑनलाइन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 2 जून 2025 से और प्रवेश परीक्षा 9 जून 2025 को आयोजित की जाएगी.

सेंगोल हटाओ, लोकतंत्र बचाओः संसद में संवैधानिक मूल्यों की पुनर्स्थापना की पी.डी.ए. गठबंधन की मांग

नई दिल्ली, (आरएनएस)।

कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में आज पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक (पी.डी.ए.) मंच की ओर से एक विचारगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें संसद भवन में स्थापित सेंगोल की वैधानिकता, प्रतीकात्मकता और संवैधानिक प्रभाव पर व्यापक चर्चा हुई। कार्यक्रम का नेतृत्व समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और मोहनलालगंज से सांसद आर. के. चौधरी ने किया, साथ ही समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता मनोज यादव ने भी विचार रखे। सेमिनार का विषय यह था कि सेंगोल, जो ऐतिहासिक रूप से तमिलनाडु में शाही सत्ता के प्रतीक के रूप में प्रयुक्त होता था, क्या लोकतांत्रिक भारत की संसद में स्थापित किया जाना उचित है। वक्ताओं ने स्पष्ट रूप से कहा कि संसद जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों की संस्था है, न कि किसी शासक वर्ग का प्रतीकात्मक स्थल।

आर. के. चौधरी ने सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा कि सेंगोल एक शाही परंपरा का प्रतीक है, जबकि भारतीय संसद लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था है। संसद में किसी राजचिह्न के बजाय भारतीय संविधान की विशाल प्रति को स्थापित किया जाना चाहिए, ताकि यह सदैव स्मरण रहे कि देश का शासन संविधान द्वारा संचालित होता है, न कि परंपरागत राजसत्तात्मक प्रतीकों से।÷

वहीं मनोज यादव ने अपने वक्तव्य में कहा कि ÷आज जब लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के मूल तत्वों पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं, ऐसे समय में संसद में सेंगोल की स्थापना हमारी लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विरुद्ध प्रतीत होती है। संविधान ही भारत की आत्मा है, और उसकी सर्वोच्चता ही देश को एकता और न्याय की दिशा में आगे ले जाती है।÷

सेमिनार में यह भी कहा गया कि सेंगोल की स्थापना प्रतीकात्मक रूप से न्याय का प्रतिनिधित्व भले करता हो, परंतु उसकी उत्पत्ति शाही परंपरा में है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की वैधता और नैतिक आधार संविधान से आता है, न कि किसी राजकीय या धार्मिक प्रतीक से। वक्ताओं ने सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया कि संसद भवन में संविधान की एक विशाल प्रति को प्रमुखता से स्थापित किया जाए, जिससे लोकतंत्र, समानता और प्रतिनिधित्व के मूल्यों की पुनर्पुष्टि हो सके। कार्यक्रम के अंत में उपस्थितजनों ने संविधान को बचाना है, सेंगोल को हटाना है और सेंगोल हटाएं - देश बचाएं जैसे नारों के साथ लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण का संकल्प लिया।

कॉंग्रेस के जिला अध्यक्ष सुरेश प्रसाद यादव नें विधान सभा चुनाव में महागठबंधन के उम्मीदवार का दावा प्रस्तुत किया

बांका संवाददाता श्रीकान्त यादव

बिहार विधानसभा चुनाव सन्निकट है इस हेतु पूरे बिहार में चहल पहल जोरों पर है। बांका जिले में भी इसकी चर्चा उफान पर है। मै सुरेश प्रसाद यादव सचिव बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी सोशल मीडिया सह बांका ओ बी सी जिला अध्यक्ष ,ग्राम बड़ी बिषह 'पोस्त- बाराहाट जिला बांका ने भी बांका विधान सभा से महागठबंधन के उम्मीदवार के रूप में अपना दावा प्रस्तुत किया है। मैने महागठबंधन को निवेदित किया है की विगत तीन चुनाव से राष्ट्रीय जानता दल चुनाव हार रही है बांका विधानसभा में। यदि यह सीट कॉंग्रेस को दी जाति है तो हम इस सीट पर विजय पताका लहरा सकते है। मै विगत 1980 से पार्टी की सेवा अनवरत रूप से कर रहा हुँ। मेरा सामाजिक, राजनितिक एवं जाति आधार के साथ साथ अन्य वर्गो में भी गहरी पकड़ है। मैने पार्टी को अपना आवेदन समर्पित किया है। पार्टी का निर्णय सर्वोपरी है । महागठबंधन से जिसे भी उम्मीदवार बनाया जायेगा । उसके साथ तन मन धन से कार्य करुँगा।

उदयपुर आठवीं बोर्ड का परिणाम 36 पर्सेंट रहने पर अभिभावकों में रोष

ऋषभ देव पीएम राजकीय माध्यमिक विद्यालय ऋषभ देव का राजस्थान आठवीं बोर्ड परीक्षा परिणाम आशा अनुपात कम रहने पर पर अभिभावकों में स्कूल अध्यापकों पर खासी नाराजगी जताई जानकारी अनुसार स्कूल में भरपुर स्थानीय स्टाप लोकल होने के बाद भी आठवीं बोर्ड परीक्षा में 36 पर्सेंट रहा जिसमें अ ग्रेड जीरो बी ग्रेड चार, सी ग्रेड ग्यारह पूरक सताइस के साथ एक अनुपस्थित रहने पर अभिभावकों में स्कूल स्टाप के प्रति नाराजगी जाहिर की। ग्रामीणों का कहना है कि आदिवासी समाज से होने पर स्कूल संस्था प्रधान के साथ स्कूल स्टाप बच्चों पर ज्यादा ध्यान नहीं देता है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने पत्रकार को सुरक्षा देने का आदेश दिया, मध्य प्रदेश पुलिस की धमकियों के बाद राहत

- **प्रेस स्वतंत्रता पर बढ़ते हमलों के बीच दिल्ली हाई कोर्ट का हस्तक्षेप**
- **पत्रकारों के लिए न्याय की उम्मीदः बर्बरता और डर के माहौल में राहत की किरण**

नई दिल्ली, (आरएनएस)। पत्रकारों की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बल देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को स्वराज एक्सप्रेस न्यूज़ चैनल के भिंड ब्यूरो प्रमुख अमरकांत सिंह चौहान को दो महीने की पुलिस सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया है। अमरकांत चौहान ने चंबल क्षेत्र में अवैध रेत खनन पर रिपोर्टिंग के बाद मध्य प्रदेश पुलिस अधिकारियों द्वारा दी जा रही धमकियों से राहत की मांग करते हुए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।न्यायमूर्ति रविंदर डूडेजा की एकल पीठ ने दिल्ली पुलिस को तत्काल सुरक्षा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, साथ ही अमरकांत चौहान को सलाह दी कि वह आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए मध्य प्रदेश के क्षेत्राधिकार वाले उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल करें। इस मामले में पत्रकार की ओर से अधिवक्ता वारिशा फारासत, अधिवक्ता तमन्ना पंकज, अनिरुद्ध रमणाथन और प्रिया वत्स कर रहे थे। याचिका में उल्लेख किया गया कि चौहान ने जान के खतरे के कारण मध्य प्रदेश छोड़ दिया था और प्रेस क्लब ऑफ इंडिया तथा एनएचआरसी से भी सहायता मांगी थी। यह राहत उस समय आई है जब मध्य प्रदेश में पत्रकारों के खिलाफ पुलिस उत्पीड़न की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। चौहान सहित कई अन्य पत्रकार–धर्मेंद्र ओझा (न्यूज़ 24), शशिकांत गोयल (बेजोड़ रत्ना) और प्रीतम सिंह (एनटीवी भारत)–को उनके संवेदनशील खुलासों के बाद भिंड एसपी कार्यालय तलब किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, इन पत्रकारों के साथ मारपीट की गई, कपड़े उतरवाए गए, मोबाइल फोन जब्त किए गए और दबाव में झूठे कबूलनामे रिकॉर्ड करवाए गए। चौहान की याचिका में आरोप लगाया गया कि उन्हें और साथी पत्रकार शशिकांत जाटव को पुलिस ने जबरन यह बयान देने को मजबूर किया कि ÷मामला सुलझ गया है÷। पत्रकारों का कहना है कि यह सब स्वतंत्र मीडिया को चुप कराने की एक संगठित कोशिश है। प्रेस क्लब के मेंबर व पत्रकार मनोज कुमार शर्मा ने दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए कहा, ÷मध्य प्रदेश में जिन पत्रकारों के साथ यह हुआ, वह न सिर्फ प्रेस पर सीधा हमला है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों का गंभीर उल्लंघन भी है। मारपीट, धमकियां और जबरन कबूलनामे, पुलिस सत्ता का खतरनाक दुरुपयोग हैं। दिल्ली हाई कोर्ट का यह आदेश निश्चित रूप से राहत देने वाला है। उम्मीद है यह न्याय की शुरुआत बनेगा। असली दोषियों को, चाहे वे कितने भी ताकतवर क्यों न हों, जेल के अंदर होना चाहिए।÷ अब मध्य प्रदेश के पत्रकारों ने स्वतंत्र न्यायिक जांच, दोषी अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई, और पत्रकारों की सुरक्षा के लिए एक विशेष कानून बनाने की मांग की है। जब तक कानूनी कार्यवाही आगे बढ़ती है, हाई कोर्ट का यह फैसला उन तमाम पत्रकारों के लिए उम्मीद की एक किरण है, जो सत्ता से सच बोलने का साहस करते हैं।

महिलाओं ने वट वृक्ष को पुजकर अपने पतियों की सुख-समृद्धि एवं लंबी उम्र का किये कामना

बांका/कटोरिया से श्रीकान्त यादव की रिपोर्ट

बांका/कटोरिया के साथ अनेको क्षेत्रों एवं गांवों मे वट वृक्ष को पुजकर वट सावित्री व्रत किया। जिनमें से मालबथान पलनियॉ कल्होड़िया बदासन सेजवा जमुआ कटाहरा घुठिया कोल्हासार निमाकुरा बालूकुरा दोनिहार पहाड़पुर गरुड़ा एवं अनेकों गांव के अधिकतर महिलाओं ने अपनें घर के नजदीकी वट वृक्ष के पास झुंड बनाकर विधिवत वट सावित्री की पुजा किया। जिनमें महिलाओं ने पहले दिन फलाहार कर संजत करते हुए शाम को वट-वृक्ष के पास पान सुपाड़ी रखकर न्योता दिया। वही दूसरे दिन उपवास रखनें के दौरान सोलह श्रृंगार कर नई नवेली दुल्हन जैसा सजकर बांस के रंगीले हाथ पंखा लेकर छोटी डालियों में पांच फल मिठाई दिपक एवं श्रृंगार पूजन के सभी उपयोगी सामग्री के साथ वट-वृक्ष के पास जाकर नियमानुसार पुजन करते हुए अपनें पति की सुख-समृद्धि एवं लंबी आयु की कामना किये।

फूल शंकर डामोर उदयपुर

ऑल ड्राइवर कल्याण संघ भारत, राष्ट्रीय महासम्मेलन देश भर से पहुंचे सम्मेलन में राष्ट्रीय पदाधिकारी हुए शामिल राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद,ने की अध्यक्षता में हुआ कार्यक्रम सोहनलाल मीणा राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष, किशन कुमार राजस्थान उप उपाध्यक्ष, सतनाम सिंह राजस्थान प्रदेश महासचिव, गंगाधर जी कर्नाटक हुबली जिला अध्यक्ष, रोशन लाल कुमार चित्तौड़ जिला अध्यक्ष,ऑल ड्राइवर कल्याण संघ भारत, राष्ट्रीय महासम्मेलन जिला सलूंबर के अंदर हुआ सम्मेलन राष्ट्रीय पदाधिकारी

शामिल रहे राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद, सोहनलाल मीणा राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष, किशन कुमार राजस्थान उप उपाध्यक्ष, सतनाम सिंह राजस्थान प्रदेश महासचिव, गंगाधर जी कर्नाटक हुबली जिला अध्यक्ष, रोशन लाल कुमार चित्तौड़ जिला अध्यक्ष, गणेश कटरा जिला अध्यक्ष डूंगरपुर, सुखराम मीणा जिला अध्यक्ष सलूंबर, प्रदीप भारद्वाज जिला अध्यक्ष हिसार, अनिल जी भिवानी मीडिया प्रभारी हरियाण, राजकुमार मीणा जिला 9 उदयपुर, अमृत कटरा जिला उपाध्यक्ष डूंगरपुर, केशु लाल जिला उपाध्यक्ष चित्तौड़, रूपलाल जिला उपाध्यक्ष सलूंबर धर्मेंद्र खराड़ी मीडिया प्रभारी जिला उदयपुर, सभी वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे और महासम्मेलन को सफल बनाया और एसडीएम कार्यालय 29 सूत्रीय मांगों के साथ में सलूंबर के बाजारों में रैली निकालने के बाद ज्ञापन चौपा एसडीएम कार्यालय में अगली कड़ी में सलूंबर जिला कलेक्टर महोदय को 29 सूत्रीयों मांगों का साथ में ज्ञापन सोपा गया राष्ट्रीय महासम्मेलन में सभी वरिष्ठित पदाधिकारी मौजूद रहे और तमाम देशभर से आए हुए अधिकारी गण महासम्मेलन को सफल बनाने में सभी का आभार रहे धन्यवाद करते हैं.

लक्ष्य श्योराण और नीरू ढांडा दूसरे शॉटगन नेशनल ट्रायल में शीर्ष पर

एजेंसी
नई दिल्ली। डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित दूसरी शॉटगन नेशनल ट्रायल्स की ट्रैप फाइनल स्पर्धा में लक्ष्य श्योराण और नीरू ढांडा ने क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में पहला स्थान प्राप्त किया। लक्ष्य ने क्वालिफिकेशन में 120 अंक हासिल करते हुए फ़ाइनल के लिए क्वालिफाई किया और फ़ाइनल में 43 अंक के साथ जीत दर्ज की। उन्होंने जसविंदर सिंह को दो अंकों से हराया, जिन्होंने 41 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। महिला वर्ग के फ़ाइनल में, राष्ट्रीय खेलों की स्वर्ण पदक विजेता नीरू ढांडा ने आशिमा अहलावत को 40-39 के करीबी अंतर से हराते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। ओलंपियन राजेश्वरी कुमारी ने 31 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि भौनीश मेंदिरत्ता ने पुरुष वर्ग में 33 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले क्वालिफिकेशन राउंड में, जंगशेर एस. वीरक ने 119 अंक हासिल करते हुए लक्ष्य के बाद फ़ाइनल के लिए क्वालिफाई किया। राष्ट्रीय चैंपियन शार्दुल विहान, जसविंदर सिंह, भौनीश मेंदिरत्ता और रैयान रिज़वी ने क्रमशः 118, 117, 116 और 116 अंकों के साथ टॉप छह में जगह बनाई। ओलंपियन्स काइनन चेनाई (114), पृथ्वीराज टोंडैमान (112) और वर्ल्ड कप फ़ाइनल्स के सिल्वर मेडलिस्ट विवान कपूर (113) फ़ाइनल में जगह बनाने से चूक गए।

सांबा में जिला स्तरीय टूर्नामेंट का दूसरा दिन, 246 बालिका खिलाड़ियों ने ली भागीदारी

सांबा। जिला युवा सेवा एवं खेल विभाग सांबा द्वारा रानी सुचेत सिंह स्टेडियम में आयोजित अंतर-क्षेत्रीय जिला स्तरीय टूर्नामेंट का दूसरा दिन है। चल रहे इस टूर्नामेंट में क्रिकेट (अंडर-17 लड़के) और वॉलीबॉल, कबड्डी और खो-खो (अंडर-14 और अंडर-17 लड़कियां) शामिल हैं। जिला युवा सेवा एवं खेल अधिकारी धर्मवीर सिंह सहित अन्य पदाधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे और उन्होंने खिलाड़ियों का स्वागत किया। खेलों को बढ़ावा देने और नशे से दूर रहने की शपथ ली गई। सांबा जिले के सभी पांच जोनों से कुल 246 बालिका खिलाड़ी बड़े उत्साह के साथ भाग ले रही हैं। डीवाईएसएसओ ने सभी प्रतिभागियों को उनके समर्पण और उत्साही प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

डोडा में जिला स्तरीय बालिका कबड्डी टूर्नामेंट में 220 छात्राओं ने लिया हिस्सा

डोडा। आज इंडोर स्पोर्ट्स स्टेडियम डोडा में अंडर-14 और अंडर-17 बालिकाओं के लिए अंतर-क्षेत्रीय जिला स्तरीय कबड्डी टूर्नामेंट का चौथा दिन था। यह आयोजन वाईएसएस के महानिदेशक राजिंदर सिंह तारा के निर्देशन और जिला युवा सेवा एवं खेल अधिकारी डोडा प्रीतम सिंह के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। टूर्नामेंट की शुरुआत बहुत उत्साह के साथ हुई और इसमें युवा एथलीटों के बीच अनुशासन, टीम वर्क और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना देखने को मिली। आज के कार्यक्रम विशेष रूप से बालिका अंडर-14 और अंडर-17 कबड्डी मैचों के लिए समर्पित थे जिसमें सक्रिय भागीदारी और मजबूत प्रदर्शन देखने को मिला।लगभग 220 छात्राओं ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और खेल भावना, एकता और उत्कृष्टता के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया।

आउटडोर गेम्स के लिए बच्चों को किया जाएगा प्रेरित : इकबाल

धर्मशाला। धर्मशाला पुलिस ग्राउंड में आयोजित की जा रही अंडर-15 फुटबाल टूर्नामेंट के दूसरे दिन आयुक्त नगर निगम जफर इकबाल ने प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए कहा कि धर्मशाला शहरी क्षेत्र में बच्चों को आउटडोर खेलों के लिए प्रेरित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं इसके साथ ही पार्क भी निर्मित किए जा रहे हैं ताकि बच्चे स्वस्थ जीवन शैली की ओर प्रेरित हो सकें। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से ही युवाओं को नशे से दूर रखा जा सकता है। उन्होंने फुटबाल एसोसिएशन द्वारा टूर्नामेंट आयोजित करने के प्रयासों की भी सराहना करते हुए कहा कि नगर निगम खेल आयोजनों को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव मदद करेगी। इस अवसर पर एसडीएम मोहित रत्न, तहसीलदार गिरीराज भी विशेष तौर पर उपस्थित रहे। फुटबाल एसोसिएशन के अध्यक्ष वरुण गुप्ता ने बताया कि तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता के ब्वायज वर्ग में हाई लैंड पब्लिक स्कूल, रोज पब्लिक स्कूल, एमटीपी पब्लिक स्कूल, आधुनिक पब्लिक स्कूल ने मैच जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है वहीं गर्ल्स के मुकाबलों में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला घरोह, डीपीएस तथा स्टेनफोर्ड तथा अचीवर हब की टीमों ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

बैंगलोर को मिला क्वालिफायर-1 का टिकट, रोमांचक मुकाबले में लखनऊ को छह विकेट से हराया

एजेंसी
लखनऊ। आईपीएल 2025 के एक रोमांचक मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (RCB) ने लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) को छह विकेट से हराकर क्वालिफायर-1 में अपनी जगह पक्की कर ली। इस जीत के साथ आरसीबी ने 14 मैचों में 19 अंक के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर कब्जा किया है।

मैच का हाल

लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान ऋषभ पंत की शानदार शतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में तीन विकेट पर 227 रन बनाए। पंत ने 61 गेंदों में 118 रन की नाबाद पारी खेली, जिसमें 11 चौके और 8 छक्के शामिल थे। उनका साथ देते हुए मिचेल मार्श ने 37 गेंदों में 67 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 5 छक्के शामिल थे।

लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी ने 18.4 ओवर में चार विकेट पर 230 रन बनाकर आईपीएल इतिहास में सबसे बड़े रन

चेज का रिकॉर्ड कायम किया। कार्यवाहक कप्तान जितेश शर्मा ने 33 गेंदों में नाबाद 85 रन की आक्रामक पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 6 छक्के शामिल थे। उनका साथ देते हुए मयंक अग्रवाल ने 23 गेंदों में नाबाद 41 रन बनाए, जिसमें 5 चौके शामिल थे। विराट कोहली ने 30 गेंदों में 54 रन की पारी खेली, जिसमें 10 चौके शामिल थे। आरसीबी ने इसके साथ ही दूसरे टीम की घरेलू मैदान में लगातार सात मैच जीतने का रिकॉर्ड भी कायम किया।

दोनों टीमों की ताकत

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : आरसीबी की ताकत उनके बल्लेबाजी क्रम में है, जिसमें विराट कोहली (548 रन, 145.36 स्ट्राइक रेट) और फिल सॉल्ट जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। जोश हेजलवुड की वापसी से उनकी गेंदबाजी और मजबूत हुई है, जो पावरप्ले और डेथ ओवरों में प्रभावी हैं। हालांकि, रजत पाटीदार का हालिया फॉर्म (पिछले 7 मैचों में 96 रन) चिंता का विषय है। आरसीबी का इस सीजन का रिकॉर्ड उनकी लय को दर्शाता है।

लखनऊ सुपर जायंट्स: लखनऊ की बल्लेबाजी मिशेल मार्श (560 रन, 161.85 स्ट्राइक रेट) और निकोलस पूरन (511 रन, 198.83 स्ट्राइक रेट) पर निर्भर है। पूरन ने इस सीजन में स्पिन के खिलाफ सबसे ज्यादा 40 छक्के लगाए हैं। गेंदबाजी में शार्दूल ठाकुर और दिग्वेश राठी (12-12 विकेट) प्रभावी रहे हैं। हालांकि, कप्तान ऋषभ पंत का खराब फॉर्म (सबसे कम स्ट्राइक रेट और औसत) चिंता का विषय है, लेकिन हाल के मैच में उनकी आक्रामकता उम्मीद जगाती है।

हेड-टू-हेड रिकॉर्ड

दोनों टीमें अब तक 5 बार भिड़ चुकी हैं, जिसमें आरसीबी ने 3 और एलएसजी ने 2 मैच जीते हैं। जोश हेजलवुड ने एलएसजी के खिलाफ 3 मैचों में 9 विकेट लिए हैं, जबकि निकोलस पूरन ने आरसीबी के खिलाफ 3 मैचों में 236.17 के स्ट्राइक रेट से 111 रन बनाए हैं।

मध्य प्रदेश लीग ने आगामी सीज़न के लिए किया टीम जर्सियों का अनावरण

एजेंसी
ग्वालियर। मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) ने एक समारोह के दौरान अपने आगामी सीज़न के लिए सभी 10 फ्रेंचाइज़ी टीमों की जर्सियों का अनावरण किया। यह सीज़न 12 जून से ग्वालियर के शंकरपुर स्थित श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होने वाला है। पिछले साल भी एमपीएल का उद्घाटन सीज़न यहीं खेला गया था। भव्य जर्सी अनावरण समारोह में पुरुषों और महिलाओं दोनों ही टीमों के लुक्स को पेश किया गया। समारोह के दौरान सभी खिलाड़ियों, टीम अधिकारियों और राज्य भर के गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी सहभागिता निभाई। ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन (जीडीसीए) द्वारा मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में इस बार पुरुष टीमों की संख्या पांच से बढ़ाकर सात कर दी गई है। इस बार बुंदेलखंड और चंबल क्षेत्रों की टीमें भी प्रतियोगिता में शामिल होंगी। इस सीजन में पहली बार महिला क्रिकेट लीग की भी शुरुआत की जा रही है, जो पुरुषों के मैचों के साथ ही आयोजित की जाएगी। महिला प्रतियोगिता में तीन टीमें भाग लेंगी, जिनमें भोपाल की टीम भी शामिल है। जर्सी अनावरण पर चेयरमैन महानार्यमन सिंधिया ने कहा, जर्सी अनावरण की सफलता एक रोमांचक सीज़न की शुरुआत का संकेत है। पहले सीजन की अपार सफलता और इस सीजन के उत्साह को देखकर यह कहना गलत नहीं होगा कि मध्य प्रदेश लीग क्रिकेट प्रतिभा और क्षेत्रीय गौरव का उत्सव बन चुकी है। इस बार हम न केवल लीग का विस्तार कर रहे हैं, बल्कि महिला प्रतियोगिता की शुरुआत भी कर रहे हैं, जो खेल के प्रति हमारी विचारधारा और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। चर्चा को आगे बढ़ाते हुए जीडीसीए अध्यक्ष प्रशांत मेहता ने कहा, मध्य प्रदेश लीग सीज़न 2 को लेकर हम बहुत उत्साहित हैं। टीम की जर्सियाँ उनके क्षेत्र और भावना को दर्शाती हैं और हमें विश्वास है।

मार्श-पंत की जोड़ी ने तोड़ा राहुल-डी कॉक का बड़ा रिकॉर्ड

एजेंसी
नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में आरसीबी के खिलाफ मुकाबले में मिशेल मार्श और ऋषभ पंत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 152 रन की साझेदारी की। यह लखनऊ के लिए किसी भी विकेट के लिए दूसरे सबसे बड़ी साझेदारी रही। सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड केएल राहुल और क्विंटन डी कॉक की जोड़ी के नाम है। 2022 में नवी मुंबई में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ दोनों ने पहले विकेट के लिए 210 रनों की नाबाद साझेदारी की थी। इस ऐतिहासिक साझेदारी में केएल राहुल ने 51 गेंदों पर 68 और डी कॉक ने 70 गेंदों पर 140 रन बनाए, जिससे एलएसजी ने 20 ओवर में 2 विकेट पर 210 रन बनाए और 20 रन से जीत हासिल की। यह आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी साझेदारियों में से एक है। 2025 में मिशेल मार्श और ऋषभ पंत ने लखनऊ में आरसीबी के खिलाफ दूसरे विकेट के लिए 152 रनों की साझेदारी की। मार्श 156.83 की स्ट्राइक रेट से 67 रन बनाकर आउट हुए जबकि पंत ने

शतक लगाया। इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर राहुल और डी कॉक ही हैं जिन्होंने साल 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ लखनऊ में 134 रनों की साझेदारी की। इस जोड़ी ने पावरप्ले में तेज शुरुआत दी, जिससे एलएसजी को जीत मिली। 2025 में मार्श और निकोलस पूरन ने गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ अहमदाबाद में तीसरे विकेट के लिए 121 रनों की साझेदारी की। पूरन ने 200.98 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे। यही नहीं, यह आरसीबी के खिलाफ भी दूसरे विकेट के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी रही। इससे पहले साल 2011 में धर्मशाला के मैदान पर एडम गिलक्रिस्ट और शॉन मार्श ने 206 रन की साझेदारी की थी। पंत और मार्श 152 रन की पार्टनरशिप के साथ दूसरे नंबर पर हैं। तीसरे नंबर पर जोस बटलर और संजू सैमसन हैं जिन्होंने साल 2024 में जयपुर के मैदान पर 148 रन बनाए थे।

आरसीबी के खिलाफ मिली हार के बाद पंत ने कहा-हम 40 ओवर अच्छी क्रिकेट नहीं खेल पाए

एजेंसी
लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के आखिरी लीग मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 61 गेंदों पर नाबाद 118 रन की विस्फोटक पारी खेलने वाले ऋषभ पंत ने कहा कि इस बार वह शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने पर फोकस कर रहे थे, जो वह पिछले मैचों में नहीं कर पाए थे। हालांकि, उनकी इस शानदार पारी के बावजूद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को 227 रन बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। पंत ने इस हार पर कहा, हम 40 ओवर अच्छी क्रिकेट नहीं खेल पाए। मैच के बाद प्रेजेंटेशन में पंत ने कहा, हर मैच के साथ मैं अच्छा महसूस कर रहा था, लेकिन कई बार चीजें आपके मुताबिक नहीं होतीं। आज मैंने ठान लिया था कि अगर शुरुआत मिलती है तो उसे बड़े स्कोर में बदलना है, जैसे अनुभवी खिलाड़ी करते हैं। सबसे अच्छे खिलाड़ियों से यही सीखा है कि जब मौका मिले तो उसे भुनाओ। पंत का यह सीजन बल्ले से बेहद फीका रहा था। इस मुकाबले से पहले वह 12 पारियों में सिर्फ 151 रन ही बना पाए थे। उन्होंने बताया कि इस मैच में उन्होंने सीधा खेलने और

गैप्स तलाशने की रणनीति अपनाई, जो पहले काम नहीं कर पा रहे थे। उन्होंने कहा, मैंने सोचा कि गेंदबाज किस एंगल से गेंदबाजी करेंगे और उसी के मुताबिक खुद को ढालने की कोशिश की। सीधा खेलना, गैप्स देखना, सब कुछ सिंपल रखा और हर गेंद को एक जैसी गंभीरता से खेला।

गेंदबाजी में अनुभव की कमी ने लखनऊ को किया परेशान

एलएसजी की गेंदबाजी इस मैच में खास असर नहीं छोड़ पाई। विल ओ'रूर्क और शाहबाज अहमद ने मिलकर सिर्फ 7 ओवरों में 113 रन लुटा दिए। वहीं फील्डिंग में चूक और दिग्वेश राठी की बैकफुट नो-बॉल, जिस पर प्लेयर ऑफ द मैच जितेश शर्मा को जीवनदान मिला, टीम की हार का कारण बनी। पंत ने कहा,टी20 में सिर्फ 20 ओवर अच्छा खेलना काफी नहीं है। 40 ओवर पूरे मैच में अच्छा खेलना होता है और यही हमारी कहानी रही है। टूर्नामेंट से पहले कई खिलाड़ियों की चोटें थीं, जिसका असर पूरे सीजन में दिखा।

कुछ गेंदबाजों का प्रदर्शन रहा सराहनीय

एलएसजी ने इस सीजन 14 में से 6 मुकाबले जीतकर अंक तालिका में सातवां स्थान प्राप्त किया। हालांकि, पंत ने कुछ सकारात्मक पहलुओं की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा, कुछ खास गेंदबाज प्रदर्शन भी हुए हैं। दिग्वेश राठी का प्रदर्शन सराहनीय रहा, आवेश खान ने भी अहम ओवर फेंके। आकाश सिंह और आकाश दीप ने भी अच्छा किया। हमें मौके मिलते रहे, लेकिन हम उन्हें लंबे समय तक बरकरार नहीं रख पाए और यही हार की वजह बनी।

शीर्ष दो में जगह बनाना अद्भुत, लेकिन हमारा लक्ष्य ट्रॉफी जीतना है : शशांक सिंह

एजेंसी
जयपुर। पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शशांक सिंह ने कहा कि टीम सामूहिक प्रयास से इंडियन प्रीमियर लीग की अंक तालिका में शीर्ष दो में जगह बनाने में सफल रही लेकिन काम अभी पूरा नहीं हुआ है और उनका लक्ष्य ट्रॉफी जीतना है। पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर प्लेऑफ में शीर्ष दो में अपना स्थान पक्का कर लिया है जिससे उसे फाइनल में पहुंचने के लिए दो मौके मिलेंगे। यह पिछले 11 वर्षों में पहला अवसर है जबकि पंजाब किंग्स ने प्लेऑफ में जगह बनाई। शशांक ने कहा, 'यह वास्तव में अद्भुत अहसास है। सबसे अच्छी बात यह है कि हमने सामूहिक प्रयास से इसे हासिल किया। नीलामी

के ठीक बाद हमने एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया और इस साल खिताब जीतने के बारे में बात की। हमारा पहला लक्ष्य शीर्ष दो में जगह बनाना था और हमने इसे हासिल कर लिया है। इस 33 वर्षीय इस खिलाड़ी ने कहा कि विश्वास और कड़ी मेहनत ही उनके सपने को वास्तविकता में बदलने की कुंजी थी। उन्होंने कहा, 'अपनी बात को जाहिर करना अलग चीज है और उस पर विश्वास करना अलग। हमने इसके लिए कड़ी मेहनत की है और इसका श्रेय पंजाब किंग्स से जुड़े हर एक व्यक्ति को जाता है। आईपीएल जैसी लीग में शीर्ष दो में रहना आसान नहीं है। शशांक ने कहा, 'शीर्ष दो में जगह बनाने से अभी काम पूरा नहीं हुआ है। हम ट्रॉफी जीतना चाहते हैं। चार जून को रात के 12 बजे जब हम खिताब जीतने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बैठे होंगे, तो मैं कह सकता हूं कि हां, हम दुनिया में शीर्ष पर हैं। शशांक उन कुछ खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्हें मेगा नीलामी से पहले टीम में बरकरार रखा गया था, लेकिन टीम में आमूलचूल परिवर्तन किया गया।

एपीजीसी जूनियर चैम्पियनशिप में हिस्सा लेने हांगकांग पहुंची चार सदस्यीय भारतीय गोल्फ टीम

एजेंसी
हांगकांग। भारतीय गोल्फ यूनियन (आईजीयू) ने चार सदस्यीय भारतीय टीम को हांगकांग, चीन में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित एशिया-पैसिफिक गोल्फ कॉन्फेडरेशन (एपीजीसी) जूनियर चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए भेजा है।

यह टूर्नामेंट हांगकांग गोल्फ क्लब में आज से शुरू हो रहा है। भारतीय टीम में लड़कों की ओर से कृष चावला और रणवीर मिट्ट जबकि लड़कियों की ओर से सान्वी सोमू और काशिका मिश्रा शामिल हैं। टीम के साथ गैर-खिलाड़ी कप्तान के रूप में डॉ. कोमल नरवर भी मौजूद हैं। यह तीन राउंड वाला टूर्नामेंट 27 से 29 मई तक चलेगा, जिसमें लड़कों और लड़कियों के व्यक्तिगत, टीम और मिक्स्ड टीम इवेंट शामिल होंगे। प्रतियोगिता स्ट्रोकप्ले फॉर्मेट में खेली जाएगी। लड़कों और लड़कियों की टीम के लिए उनके संयुक्त स्कोर को जोड़ा जाएगा, जबकि मिक्स्ड टीम की रैंकिंग के लिए टीम के सर्वश्रेष्ठ लड़के और लड़की के स्कोर को जोड़ा जाएगा। हांगकांग में मौसम आमतौर पर बादलों से घिरा हुआ है लेकिन बीच-बीच में धूप भी निकल रही है, जो गोल्फ के लिए एक आदर्श माहौल बनाता है।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप: इंडियन वॉरियर्स ने किया धमाकेदार आगाज़, अफ्रीकन लायंस को 7 विकेट से हराया

एजेंसी
ग्रेटर नोएडा। शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप (आईएलसी) के पहले दिन का आगाज़ बेहद रोमांचक अंदाज़ में हुआ। मंगलवार रात उद्घाटन मुकाबले में शिखर धवन की इंडियन वॉरियर्स ने अफ्रीकन लायंस को 7 विकेट से शिकस्त देकर टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत की।

अफ्रीकन लायंस ने रखा था 195 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफ्रीकन लायंस ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 195 रन बनाए। टीम के लिए शेखर सिरोही ने सिर्फ 26 गेंदों पर 65 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें कई आकर्षक शॉट्स देखने को मिले। अंतिम ओवरों में शिवम शर्मा ने 14 गेंदों में 24 रन जोड़कर स्कोर को मजबूती दी।

धवन-पांचाल की ओपनिंग साझेदारी ने रखी जीत की नींव

195 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडियन वॉरियर्स की शुरुआत तूफानी रही। शिखर धवन और कप्तान प्रियंक पांचाल ने पहले छह ओवर में ही 67 रन जोड़ दिए। हालांकि सातवें ओवर में टीम ने दो विकेट खो दिए, लेकिन इसके बाद पारी को पवन नेगी और केदार देवधर ने संभाला। वॉरियर्स की जीत में केदार देवधर ने 39 गेंदों में 60 रन और पवन नेगी ने 28 गेंदों में 57 रन की शानदार पारियां खेलीं। कप्तान पांचाल ने भी 17 गेंदों में तेज़ 38 रन बनाए। इन तीनों की आक्रामक बल्लेबाजी की बदौलत टीम ने 15 गेंद शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मैच के बाद कप्तान प्रियंक पांचाल ने कहा,पहली जीत बहुत खास है। शिखर धवन जैसे अनुभवी खिलाड़ी के साथ खेलना मेरे लिए सम्मान की बात है। उन्होंने पारी के दौरान लगातार मार्गदर्शन किया, जिससे हमें लक्ष्य तक पहुंचने में आसानी हुई। लीग स्टेज 3 जून तक चलेगा, उसके बाद 4 जून को दोनों सेमीफाइनल और 5 जून को रात 7:30 बजे फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

डीबीएपी और जार्डन टाइगर्स ने जीता खिताब

प्रयागराज। डिस्ट्रिक्ट बास्केटबाल एसोसिएशन प्रयागराज (डीबीएपी) और जार्डन टाइगर्स ने द्वितीय डेकेथलान प्रयागराज बास्केटबाल लीग में क्रमशः बालक एवं बालिका वर्ग के खिताब पर कब्जा जमा लिया। मैरी ल्यूकस स्कूल कटरा में सोमवार रात खेले गये बालक वर्ग के फाइनल में डीबीएपी ने आर्मी डकिन डेड्स को 14-8 से हराया। विजेता टीम के दिव्यांशु ने नौ, आर्य वीर ने चार, श्रीशांत ने एक अंक बनाये। पराजित टीम के साहिल ने पांच, अनुराग ने दो और सौरभ ने एक अंक बनाया। बालिका वर्ग के फाइनल में जार्डन टाइगर्स ने घोस्ट वेनम को 11-10 से हराया। विजेता टीम की नमस्वी ने सात, नित्या और खुशी ने दो-दो तथा पराजित टीम की निशि ने आठ एवं मान्या ने दो अंक बनाये। मुख्य अतिथि पूर्व अंतर राष्ट्रीय बास्केबाल खिलाड़ी आरएस बेदी, जिला बास्केबाल संघ के सचिव शील कुमार ओझा और प्रो. आरके उपाध्याय ने पुरस्कार वितरित किये।

गस एटकिंसन हैमस्ट्रिंग चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

एजेंसी
लंदन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को हैमस्ट्रिंग की चोट के चलते वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर कर दिया गया है। यह सीरीज 29 मई से शुरू होगी, लेकिन इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि एटकिंसन की जगह किसी अन्य खिलाड़ी को टीम में शामिल नहीं किया जाएगा।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट में लगी चोट

एटकिंसन को यह चोट हाल ही में नॉटिंघम में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच के दौरान लगी थी। इस मैच में उन्होंने कुल 19.2 ओवर की गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट हासिल किए थे। उनकी चोट इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी में एक और बड़ा झटका है, क्योंकि इससे पहले जोफ्रा आर्चर भी इसी सीरीज से बाहर हो चुके हैं।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए फिटनेस जरूरी

इंग्लैंड टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि एटकिंसन 20 जून से भारत के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे।

हैरी ब्रूक पहली बार स्थायी वनडे कप्तान के रूप में: इस सीरीज में हैरी ब्रूक पहली बार इंग्लैंड की वनडे टीम की कमान बतौर स्थायी कप्तान संभालेंगे। तीनों वनडे मुकाबले क्रमशः 29 मई (बर्मिंघम), 1 जून (कार्डिफ) और 3 जून (ओवल, लंदन) को खेले जाएंगे।

चोटों से जूझ रहा बांग्लादेश, पाकिस्तान के खिलाफ युवा तेज गेंदबाजों पर जताया भरोसा

एजेंसी
लाहौर। चोट के कारण सीनियर तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान और तस्कीन अहमद के बाहर होने के बाद बांग्लादेश के मुख्य कोच फिल सिमंस को उम्मीद है कि बाकी तेज गेंदबाज पाकिस्तान के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करेंगे, जो बुधवार को लाहौर में शुरू होगी। तस्कीन टखने की चोट के कारण दो महीने से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर हैं, जबकि मुस्तफिजुर को पिछले हफ्ते दिल्ली कैपिटल्स के लिए अपने अंतिम इंडियन प्रीमियर लीग 2025 मैच के दौरान अंगूठे में चोट लग गई थी। सिमंस ने कहा, 'आपको अपने सीनियर तेज गेंदबाजों की कमी खलेगी। जैसा कि हमने देखा, फिज (मुस्तफिजुर) उस समय आईपीएल में किस तरह की गेंदबाजी कर रहे थे। हमें उनकी कमी खलेगी। यह किसी के लिए इस सीरीज में उनकी जगह लेने का मौका भी है। उम्मीद है कि कोई गेंदबाज इस सीरीज में फिज की जगह लेना चाहेगा। इस फॉर्मेट में हमारी गेंदबाजी आमतौर पर हमारी मजबूती रही है। लेकिन दो वरिष्ठ गेंदबाजों, तस्कीन और फिज के बाहर होने से संतुलन बिगड़ा है। मुस्तफिजुर की अनुपस्थिति में चयनकर्ताओं ने खालिद अहमद को शामिल किया है। नाहिद राणा के प्रतिस्थापन खिलाड़ी को नहीं चुना गया है जिन्होंने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए दौरे से नाम वापस ले लिया है। खालिद के अलावा, तेज गेंदबाजी इकाई में तंजीम हसन साकिब, हसन महमूद और शोरिफुल इस्लाम शामिल हैं। ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज को भी चोटिल सौम्य सरकार की जगह लाया गया है ताकि उनके गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत किया जा सके। यूएई से 2-1 से सीरीज हारने के बावजूद सिमंस आशावादी बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि टीम का मनोबल अच्छा है और लाहौर में शानदार प्रदर्शन के साथ वापसी करने को उत्सुक है। उन्होंने कहा, यूएई में सीरीज हारना मुश्किल था, लेकिन फिर कभी-कभी इससे आपका मनोबल बढ़ता है। हमारा मनोबल बहुत अच्छा रहा है, इसलिए हमें उम्मीद है कि (यूएई में परिणाम) हमारा मनोबल बढ़ाएगा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि सीरीज जीतना का हमेशा अच्छा मौका रहता है। लोग कहते रहते हैं कि पाकिस्तान अच्छा नहीं खेल रहा है। फिर से, यह उस दिन होने वाली घटनाओं पर निर्भर करता है। हमारे पास यहां सीरीज जीतने का अच्छा मौका है।

हम सभी पहलुओं में सुधार करने की कोशिश में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उम्मीद है कि हम इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। यह सीरीज बांग्लादेश के तेज गेंदबाजी विभाग के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत भी करेगी, जिसमें शॉन टैट दो साल के अनुबंध पर तेज गेंदबाजी कोच के रूप में अपने पहले काम के लिए कोचिंग स्टाफ में शामिल होंगे। सिमंस ने कहा कि स्पिन गेंदबाजी कोच मुश्ताक अहमद के साथ टैट, जो दोनों कराची किंग्स और पेशावर जाल्मी के साथ हाल ही में पाकिस्तान सुपर लीग में शामिल थे, विपक्षी टीम की रणनीति के बारे में मूल्यवान जानकारी देंगे। सिमंस ने कहा, मुझे लगता है कि वह (टैट) न केवल गेंदबाजों के लिए, बल्कि पूरी टीम के लिए शानदार साबित होंगे। हम यहां स्थिति का आकलन करेंगे। मुशी (मुश्ताक) भी थे, इसलिए हम उनसे जानकारी लेंगे और अपने फैसले लेंगे। अनुभवी खिलाड़ियों के न होने के कारण अब युवा तेज गेंदबाजों पर जिम्मेदारी आ गई है। उनमें से सबसे अनुभवी शोरिफुल इस्लाम से आगे बढ़कर नेतृत्व करने की उम्मीद की जाएगी।

नीलसॉफ्ट लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी फिर से दाखिल किया

मुंबई। टोक्यो स्थित फुजिता कॉरपोरेशन समर्थित नीलसॉफ्ट लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) फिर से दाखिल किया है। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के लिए 90 करोड़ रुपये जुटाने की है। इसके शेयर एनएसई और बीएसई दोनों स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होंगे। पूंजी बाजार नियामक के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक फुजिता कॉरपोरेशन समर्थित नीलसॉफ्ट लिमिटेड के 5 रुपये अंकित मूल्य वाले इस आईपीओ में 90 करोड़ रुपये तक के नए शेयरों का निर्गम तथा प्रमोटरों और अन्य विक्रय शेयरधारकों द्वारा 80 लाख शेयरों की बिक्री की पेशकश शामिल है। इस आईपीओ में 90 करोड़ रुपये तक के नए शेयर को जारी करना और प्रमोटरों तथा अन्य विक्रय शेयरधारकों द्वारा 8 मिलियन शेयरों की बिक्री के लिए ऑफर-फॉर-सेल (ओएफएस) भी इसमें शामिल है। कंपनी के मुताबिक यह ऑफर बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा है, जिसमें इस ऑफर का कम से कम 75 फीसदी आवंटन योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए, 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए और 10 फीसदी क्रमशः गैर-संस्थागत निवेशकों और खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों को आवंटित किया जाएगा। आईपीओ के लिए इक्विरस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड और आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड बुक-रनिंग लीड मैनेजर के तौर पर काम करेंगे।

भारत की फिनटेक फर्म व्यापारियों और एमएसएमई को सशक्त बना रही हैं : सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत की फिनटेक कंपनियां देश के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (डीपीआई) को मजबूत करने और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सशक्त बनाने में मदद कर रही हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नोएडा में स्थित डिजिटल फिनटेक कंपनी पाइन लैब्स के कार्यालय का दौरा करने के बाद यह बात कही। वित्त मंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि वित्त मंत्री ने पाइन लैब्स के कर्मचारियों और स्टाफ सदस्यों से बातचीत की। इस अवसर पर सीतारमण ने देश के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के विस्तार और व्यापारियों तथा एमएसएमई के लिए निर्बाध, सुरक्षित और समावेशी वित्तीय सेवाओं को सक्षम करने में भारत की फिनटेक फर्मों के योगदान की सराहना की। वित्त मंत्री ने मोबाइल रिटेलर और पाइन लैब्स के ग्राहक कुलदीप चौहान से भी बातचीत की है, जिन्हें भारत के बढ़ते फिनटेक इकोसिस्टम और मजबूत डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) से बहुत लाभ हुआ है। कुलदीप मोबाइल हाउस के मालिक चौहान नोएडा में मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक्स बेचने वाले तीन रिटेल स्टोर संचालित करते हैं। देशभर में डिजिटल भुगतान को व्यापक रूप से अपनाने से उनके व्यवसाय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

सरकार ने निर्यात से जुड़े नए दिशा-निर्देश किए जारी, एक जून से होंगे लागू

नई दिल्ली। भारत सरकार ने अग्रिम प्राधिकरण (एए) धारकों, निर्यातोन्मुख इकाइयों (ईओयू) और विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में काम करने वाली इकाइयों के लिए निर्यात उत्पादों पर शुल्क और करों की छूट (आरओडीटीईपी) योजना के लाभों को बहाल कर दिया है। ये लाभ एक जून, 2025 से किए जाने वाले सभी पात्र निर्यातों पर लागू होंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि केंद्र सरकार ने अग्रिम प्राधिकरण (एए) धारकों, निर्यात-उन्मुख इकाइयों (ईओयू) और विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) में काम करने वाली इकाइयों की ओर से किए गए निर्यात के लिए निर्यात उत्पादों पर शुल्क और करों की छूट (आरओडीटीईपी) योजना के तहत लाभ बहाल करने की घोषणा कर दी है। ये लाभ एक जून 2025 से किए गए सभी पात्र निर्यातों पर लागू होंगे। मंत्रालय के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 के लिए घरेलू टैरिफ क्षेत्र के लिए 10,780 एचएस लाइनों और एए/ईओयू/एसईजेड खंडों के लिए 10,795 एचएस लाइनों के तहत निर्यात का समर्थन करने के लिए 18,233 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं।

बोरोना वीव्स के शेयरों ने आईपीओ निवेशकों को किया खुश, मजबूत लिस्टिंग के बाद शेयरों पर लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। अनब्लीच्ड सिंथेटिक ग्रे फैब्रिक बनाने वाली कंपनी बोरोना वीव्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। कंपनी के शेयर 216 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी एंट्री 12.50 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 243 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह शेयर उछल कर 255.10 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 18.10 प्रतिशत का मुनाफा हो गया।बोरोना वीव्स का 144.89 करोड़ रुपये का आईपीओ 20 से 22 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 147.85 गुना सब्सक्राइब हो गया था।

भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की चौथी इकोनॉमी, छोटे व्यापारियों के लिए नया सवेरा : खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के चांदनी चौक से भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना देश के छोटे व्यापारियों के लिए सुनहरा अवसर लेकर आया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि भारत की व्यापारिक संरचना में एक शक्तिशाली बदलाव का संकेत है-विशेष रूप से उन छोटे व्यापारियों, व्यापारिक संगठनों, एमएसएमई और स्टार्टअप्स के लिए जो भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। घरेलू खपत में वृद्धि, वैश्विक व्यापारिक रिश्ते और डिजिटल परिवर्तन के साथ छोटे व्यवसाय अब एक स्वर्णिम युग की दहलीज़ पर खड़े हैं। खंडेलवाल ने एक बयान में कहा कि देश और विदेश दोनों स्तर पर बड़े बाजारों तक पहुंच अब पहले से अधिक होगी जिससे घरेलू खपत में तेज़ी आएगी और स्थानीय व्यवसायों के लिए एक बड़ा बाज़ार तैयार होगा। बेहतर होते व्यापारिक रिश्ते और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) भारतीय वस्तुओं और सेवाओं के लिए निर्यात के नए अवसर खोलेंगे। खंडेलवाल ने आगे कहा कि सरकार की ओर से मिलने वाला सहयोग और सुधार-जैसे कि पीएलआई (उत्पादन आधारित प्रोत्साहन) योजनाएं और एमएसएमई के लिए क्रेडिट योजनाएं-छोटे व्यापारियों को सशक्त बनाएंगे। जीएसटी में सुधार, व्यापार करने में आसानी और अनुपालन प्रक्रिया को सरल बनाना छोटे व्यापारियों के लिए व्यापार को और सहज बनाएगा। उन्होंने कहा कि तेज़ी से हो रहा डिजिटल परिवर्तन और ई-कॉमर्स की पैठ छोटे व्यापारियों को अपने क्षेत्र से बाहर भी ग्राहकों तक पहुंचने में मदद कर रही है, वहीं सशक्त सप्लाई चेन के माध्यम से सड़कों, रेलवे, लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग में हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेडेशन से लागत में कमी और डिलीवरी समय में सुधार होगा। 'मेक इन इंडिया' और 'चाइना +1' रणनीति के माध्यम से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारत की भागीदारी बढ़ेगी। खंडेलवाल ने कहा कि बढ़ती आर्थिक ताकत के चलते अब बैंकों, फिनटेक कंपनियों और एनबीएफसी द्वारा छोटे व्यापारियों को अधिक फाइनेंस और क्रेडिट उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही छोटे व्यापारियों का औपचारिकरण उन्हें सरकार की योजनाओं, टेंडर और संरचित ऋणों के लिए पात्र बनाता है। भाजपा सांसद ने कहा कि सरकार और निजी क्षेत्र की साझेदारी से छोटे व्यापारियों और उनके कर्मचारियों को डिजिटल टूल्स, अकाउंटिंग, मार्केटिंग और निर्यात जैसे विषयों में स्किलिंग दी जा रही है, जिससे दीर्घकालिक और टिकाऊ विकास संभव होगा। नवाचार आधारित प्रोत्साहन योजनाएं जमीनी स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देंगी। खंडेलवाल ने विभिन्न क्षेत्रों में मिलने वाले अवसरों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रिटेल और ट्रेड सेक्टर में खपत बढ़ेगी और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से बाज़ार की पहुँच गहराई तक होगी। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में स्थानीय सोर्सिंग और वेंडर डेवलपमेंट को बढ़ावा मिलेगा। सेवाएं जैसे टेक्नोलॉजी, स्वास्थ्य और शिक्षा में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मांग में वृद्धि होगी। कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निर्यात को बढ़ावा और मूल्य श्रृंखला का आधुनिकीकरण होगा।

अब 15 सितंबर तक दाखिल किया जा सकेगा आईटीआर: सीबीडीटी

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर के करोड़ों इनकम टैक्स दाखिल वाले करदाताओं के लिए अच्छी खबर है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर रिटर्न (आईटीआर) भरने की तारीख बढ़ाने का ऐलान किया है। सीबीडीटी ने वित्त वर्ष 2024-25 और आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि? 31 जुलाई, 2025 से बढ़ाकर अब 15 सितंबर, 2025 कर दिया है। सीबीडीटी ने यह निर्णय आईटीआर फॉर्म की अधिसूचना जारी करने में देरी के बाद लिया है। आयकर विभाग ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में इसकी जानकारी दी है। विभाग ने जारी पोस्ट में लिखा है, सीबीडीटी ने आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़ाने का फैसला किया है। सीबीडीटी ने अब 31 जुलाई, 2025 तक दाखिल होने वाली आईटीआर की नियत तारिख को बढ़ाकर 15 सितंबर, 2025 करने का फैसला किया है। ये विस्तार आईटीआर फॉर्म, सिस्टम डेवलपमेंट की जरूरतों और टीडीएस क्रेडिट रिफ्लेक्शन में महत्वपूर्ण संशोधनों के कारण ज्यादा समय प्रदान करेगा। यह सभी के लिए एक सहज और अधिक सटीक फाइलिंग अनुभव सुनिश्चित करता है। औपचारिक अधिसूचना बाद में दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि 31 जुलाई, 2025 आईटीआर फाइल करने की अंतिम तिथि है, जो अधिकांश सामान्य श्रेणियों पर लागू होती है। इसमें अधिकांश वेतनभोगी कर्मचारी और वे सभी करदाता शामिल हैं जिनके खातों का ऑडिट करने की आवश?यकता नहीं है। अब वेतनभोगी कर्मचारी को अपना आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए 46 दिन का अतिरिक्त समय मिलेगा। अगर अंतिम तिथि तक आईटीआर दाखिल नहीं किया जाता है, तो करदाता को 5,000 रुपये तक का जुर्माना देना पड़ सकता है।

देश में एफडीआई प्रवाह वित्त वर्ष 2024-25 में 13 फीसदी बढ़कर 50 अरब डॉलर

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 13 फीसदी बढ़कर 50 अरब डॉलर हो गया। वित्त वर्ष 2023-24 में यह 44.42 अरब डॉलर था। हालांकि, 31 मार्च का समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में सालाना आधार पर एफडीआई का प्रवाह 24.5 फीसदी घटकर 9.34 अरब डॉलर रह गया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी आधिकारिक आंकड़ों में बताया कि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान देश में कुल एफडीआई प्रवाह, जिसमें इक्विटी प्रवाह, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी शामिल है, 14 फीसदी बढ़कर 81.04 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया। यह पिछले 3 वर्षों में सबसे अधिक है, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 71.3 अरब अमरिकी डॉलर था। वित्त वर्ष 2024-25 की अक?टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान एफडीआई प्रवाह वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण सालाना आधार पर 5.6 फीसदी घटकर 10.9 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। मंत्रालय के मुताबिक देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में सालाना आधार पर 24.5 फीसदी घटकर 9.34 अरब डॉलर रह गया। पूरे वित्त वर्ष 202425 के दौरान 13 फीसदी बढ़कर 50 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 के जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान यह 12.38 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में यह 44.42 अरब डॉलर था।

देश का कोयला आयात 2024-25 में 7.9 फीसदी घटा, 60,682 करोड़ रुपये की हुई बचत

एजेंसी

नई दिल्ली। देश का कोयला आयात बीते वित्त वर्ष 2024-25 में 7.9 फीसदी घटकर 24.36 करोड़ टन रह गया, जिससे लगभग (60,681.67 करोड़ रुपये) की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में देश का कोयला आयात 26.45 करोड़ टन रहा था।

कोयला मंत्रालय के मुताबिक कोयला आधारित बिजली उत्पादन वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 3.04 फीसदी बढ़ गया, लेकिन ताप-विद्युत बिजली संयंत्र द्वारा मिश्रण के लिए कोयला आयात में 41.4 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। ये आयातित कोयले पर निर्भरता कम करने और कोयला उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए जारी भारत के प्रयासों को दर्शाता है। कोयला मंत्रालय ने कहा कि केंद्र सरकार ने घरेलू कोयला उत्पादन बढ़ाने और कोयला आयात कम करने के लिए वाणिज्यिक कोयला खनन और मिशन कोकिंग कोल सहित कई पहल को लागू किया है। इन प्रयासों से वित्त वर्ष 2023-24 के मुकाबले वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कोयला उत्पादन में पांच फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है।

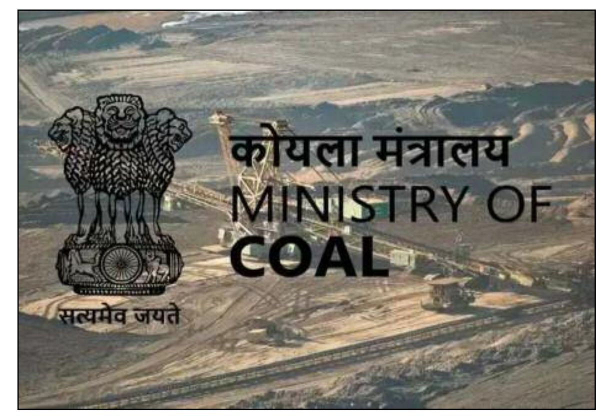

बिजली क्षेत्र से इतर गैर-विनियमित क्षेत्र में अधिक महत्वपूर्ण गिरावट देखी गई है, जिसमें आयात में सालाना आधार पर 8.95 फीसदी की गिरावट आई है।

चौथी तिमाही में बीएसएनएल को 280 करोड़ रुपये का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। बीएसएनएल ने लगातार दूसरी तिमाही में मुनाफा कमाया है। कंपनी को 31 मार्च, 2025 को समाप्त चौथी तिमाही में 280 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है।कंपनी ने जारी बयान में कहा कि बीएसएनएल ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में 280 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया है। कंपनी को तीसरी तिमाही में 261 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। यह लगातार दूसरी तिमाही है, जब कंपनी लाभ में रही है। बीएसएनएल को इससे पिछले वित्?त वर्ष की सामान अवधि में 849 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। कंपनी के अनुसार लगातार दो तिमाहियों में मुनाफे के साथ वित्त वर्ष 2024-25 में उसका घाटा सालाना आधार पर 5,370 करोड़ रुपये से घटकर 2,247 करोड़ रुपये रह गया है। इसी तरह वित्त वर्ष 2024-25 में बीएसएनएल की परिचालन आय सालाना आधार पर 19,330 करोड़ रुपये से 7.8 फीसदी बढ़कर 20,841 करोड़ रुपये हो गई है। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जारी बयान में कहा कि बीएसएनएल ने 17 वर्षों में पहली बार लगातार दो तिमाहियों में मुनाफा कमाया है। सिंधिया ने कहा कि अपने मुनाफे के रास्ते पर आगे बढ़ते हुए बीएसएनएल ने वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में 280 करोड़ रुपये का मजबूत शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जो वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में 261 करोड़ रुपये के बाद लगातार दो तिमाहियों में मुनाफा कमाने का रिकॉर्ड है। दूरसंचार मंत्री ने कहा कि बीएसएनएल का लगातार सुधार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के केंद्रित और सुधार-संचालित नेतृत्व को दर्शाता है। वहीं, भारत संचार निगम लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (एमडी) ए. रॉबर्ट जे. रवि ने कहा, ''यह तेज बदलाव पेशेवर प्रबंधन, सरकारी समर्थन और आय तथा मुनाफे दोनों पर लगातार ध्यान देने का प्रमाण है। उन?होंने कहा कि बीएसएनएल को न केवल पुनर्जीवित किया जा रहा है, बल्कि इसे एक नया रूप दिया जा रहा है।''

जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट को म्यूचुअल फंड कारोबार के लिए सेबी की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से भारत में अपने म्यूचुअल फंड कारोबार के लिए निवेश प्रबंधक के रूप में परिचालन शुरू करने के लिए विनियामक मंजूरी मिल गई है। इस मंजूरी के साथ ही अब कंपनी जल्द ही भारतीय म्यूचुअल फंड बाजार में कदम रख देगी। कंपनी ने जारी बयान में बताया कि जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) और ब्लैकरॉक की संयुक्त उद्यम जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट को म्यूचुअल फंड कारोबार के लिए सेबी की मंजूरी मिल गई है। ये जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट, जियो फाइनेंस सर्विसेज लिमिटेड और ब्लैकरॉक कंपनी का 50-50 का सयुंक्त उद्यम है। जियो फाइनेंशियल सर्विसेस लिमिटेड की गैर-कार्यकारी निदेशक ईशा अंबानी ने जारी बयान में कहा कि ब्लैकरॉक के पास वैश्विक निवेश विशेषज्ञता है, तो जियो के पास डिजिटल-फर्स्ट इनोवेशन, ब्लैकरॉक के साथ हमारी यह साझेदारी एक सशक्त साझेदारी है। हम मिलकर हर भारतीय के लिए निवेश को सरल, सुलभ और समावेशी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ईशा ने कहा कि मुझे विश्वास है कि जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट भारत में वित्तीय सशक्तीकरण के भविष्य को आकार देने में अहम भूमिका निभाएगा। वहीं, ब्लैकरॉक में इंटरनेशनल हेड रेचल लॉर्ड ने कहा कि जियो ब्लैकरॉक सीधे निवेशकों को कम लागत पर संस्थागत गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रदान करने, भारत में अधिक लोगों को पूंजी बाजारों तक पहुंच बनाने में मदद करेगा।उल्लेखनीय है कि इस खबर के बीच जियो फाइनेंशियल के शेयर में जबरदस्त उछाल देखने को मिला।

केंद्रीय प्रशिक्षुता परिषद ने दो योजनाओं के तहत प्रशिक्षुओं का वजीफा बढ़ाया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी की अध्यक्षता में केंद्रीय प्रशिक्षुता परिषद (सीएसी) ने दो योजनाओं के तहत प्रशिक्षुओं को देय न्यूनतम मासिक वजीफा 30 फीसदी तक बढ़ाने का फैसला किया है।

प्रस्तावित बढ़ोतरी की अधिसूचना जारी होने के बाद वर्तमान में यह राशि 5,000-9,000 रुपये है, जिसे बढ़ाकर 6,800-12,300 रुपये कर दिया जाएगा। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में जयंत चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रीय प्रशिक्षुता परिषद (सीएसी) की 38वीं बैठक में भारत के युवाओं के लिए प्रशिक्षुता को अधिक फायदेमंद और आकांक्षापूर्ण बनाने के लिए एक ऐतिहासिक कदम में राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) और राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रशिक्षण योजना (एनएटीएस) के तहत प्रदान किए जाने वाले वजीफे में 30 फीसदी की वृद्धि की सिफारिश की गई। मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय प्रशिक्षुता परिषद की आयोजित इस बैठक में भारत के उभरते प्रशिक्षुता परिदृश्य की समीक्षा की गई, जिसमें परिणाम को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण सुधारों पर चर्चा की गई। इस सिफारिश में मौजूदा 5,000-9,000 रुपये के वजीफे को संशोधित कर 6,800-12,300 रुपये किया जाएगा, जिसका उद्देश्य ड्रॉपआउट दरों को कम करना और विभिन्न क्षेत्रों में अधिक उम्मीदवारों को आकर्षित करना है। इस अवसर पर जयंत चौधरी ने कहा, प्रशिक्षुता केवल कौशल प्रदान करने का तंत्र नहीं है, यह एक ऐसा पुल है जो शिक्षा, उद्योग और रोजगार को जोड़ता है, खासकर हमारे ग्रामीण युवाओं के लिए। एनएपीएस और एनएटीएस को मजबूत कानूनी ढांचे द्वारा समर्थित स्तंभों के रूप में देखते हुए, हम इसे अधिक समावेशी, उत्तरदायी और आकांक्षी बनाने के लिए सक्रिय रूप से सुधार कर रहे हैं।

शेयर बाजार पर निवेशकों का बढ़ा भरोसा, 8 महीने के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा कैश मार्केट टर्नओवर

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कुछ दिनों से आई तेजी के कारण इस माह कैश मार्केट में डेली एवरेज टर्नओवर 1.16 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। ये पिछले 8 महीने का सर्वोच्च स्तर है। कैश मार्केट में डेली एवरेज टर्नओवर के बढ़ने को शेयर बाजार की मजबूती और बाजार के प्रति निवेशकों के बढ़ते भरोसे का संकेत माना जा सकता है।

मई के महीने में टोटल एवरेज डेली टर्नओवर 1.16 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंचना सितंबर, 2024 के बाद टोटल एवरेज डेली टर्नओवर का उच्चतम स्तर है। डेली एवरेज टर्नओवर में मासिक आधार पर 8 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई है। फरवरी के बाद मार्च से ये लगातार तीसरा महीना है, जब कैश मार्केट के टर्नओवर में बढ़त दर्ज की गई है।

इससे पहले अक्टूबर, 2024 से घरेलू शेयर बाजार में शुरू हुई बिकवाली के कारण फरवरी 2025 तक कैश मार्केट का डेली एवरेज टर्नओवर 15 महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया था। फरवरी के बाद मार्च के महीने से शुरू हुई खरीदारी के कारण अभी तक के कुल कारोबार में करीब 20 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। ये बढ़ोतरी शेयर बाजार की कारोबारी गतिविधि में मजबूती आने का स्पष्ट संकेत है।

जानकारों का मानना है कि कैश मार्केट के कारोबार में पिछले कुछ दिनों के दौरान आई मजबूती की एक बड़ी वजह बल्क और ब्लॉक डील में आई तेजी भी हो सकती है। पिछले कुछ दिनों के दौरान नाइका, स्विगी, केपीआर मिल, एटरनल, विशाल मेगा मार्ट, इंडस टावर और टीडी पावर के बड़े सौदे हुए हैं, जिनकी वजह से कैश मार्केट के कारोबार में तेजी आई है।

खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रवि चंदर खुराना का कहना है कि अमेरिका की नई टैरिफ पॉलिसी का ऐलान होने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ के मोर्चे पर 90 दिनों के लिए मिली राहत के कारण निवेशकों के सेंटीमेंट में सुधार हुआ है। इसके साथ ही पाकिस्तान के साथ सीजफायर के ऐलान के बाद जियो-पॉलिटिकल चिंताएं भी कम हुई हैं। इस वजह से घरेलू और वैश्विक दोनों मोर्चों पर निवेशकों को राहत मिला है, जिससे कैश मार्केट के डेली एवरेज टर्नओवर में भी सुधार हुआ है।

उद्योग जगत ने उत्तर प्रदेश पर जताया भरोसा

मुंबई। उत्तर प्रदेश सरकार की निवेश प्रोत्साहन एवं सुविधा एजेंसी 'इन्वेस्ट यूपी' ने मुंबई के जिओ वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में एक उच्च स्तरीय निवेशक राउंड टेबल का आयोजन किया। इस बैठक की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह तथा संचालन इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय किरन आनंद ने किया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की अग्रणी औद्योगिक इकाइयों के प्रमुखों ने भाग लिया और उत्तर प्रदेश की प्रगतिशील नीतियों और निवेश अनुकूल माहौल की सराहना करते हुए डेटा सेंटर, हरित ऊर्जा, सीमेंट और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में बड़े निवेश की प्रतिबद्धता व्यक्त की।इस अवसर पर श्री सिंह ने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश भारत का सबसे आकर्षक निवेश गंतव्य बनकर उभरा है। राज्य सरकार त्वरित एवं पारदर्शी निवेश-वातावरण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम प्रगतिशील उद्यमों का स्वागत करते हैं और उनकी विकास यात्रा में भागीदार बनने का संकल्प लेते हैं। बैठक में हीरानंदानी समूह के अध्यक्ष डॉ. निरंजन हीरानंदानी ने योट्टा डेटा सर्विसेज द्वारा 30 मेगावाट क्षमता का डेटा सेंटर केवल 18 महीनों में स्थापित करने में मिली सफलता को साझा किया। उन्होंने इसकी क्षमता 30 मेगावाट की वृद्धि करने की घोषणा की तथा 28 हजार 440 करोड़ रुपये की चिप निर्माण परियोजना की जानकारी दी।

पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज पूरे दिन बार-बार जोरदार उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी। दिन के कारोबार में पहले बिकवाली के दबाव की वजह से बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। फिर सुबह 11 बजे के करीब खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार शानदार रिकवरी करके हरे निशान में पहुंचने में सफल रहा। हालांकि दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले ही एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण शेयर बाजार के दोनों सूचकांकों ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.76 प्रतिशत और निफ्टी 0.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान डिफेंस सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसके साथ ही पीएसयू बैंक, फार्मास्यूटिकल, रियल्टी, कैपिटल गुड्स और कंज्यूमर ड्युरेबल्स इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर आईटी, ऑटोमोबाइल और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों की जमकर बिकवाली होती रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज खरीदारों ने अपना जोर बनाए रखा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 443.66 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 444.79 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.13 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,084 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,958 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,975 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 151 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,574 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,205 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,369 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 5 शेयर बढ़त के साथ और 25 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 11 शेयर हरे निशान में और 39 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 138.25 अंक की कमजोरी के साथ 82,038.20 के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक 872.57 अंक टूट कर 81,303.88 अंक तक गिर गया। इसके बाद सुबह 11 बजे के थोड़ी देर पहले ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण अगले आधे घंटे में ही ये सूचकांक 1,100 अंक से अधिक उछल कर 234.07 अंक की तेजी के साथ 82,410.52 अंक तक पहुंच गया। हालांकि ये तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले ही बाजार में एक बार फिर चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण ये सूचकांक दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर बाद ऊपरी स्तर से 1,288.82 अंक फिसल कर 1,054.75 अंक की कमजोरी के साथ 81,121.70 अंक तक आ गया। हालांकि आखिरी 1 घंटे के कारोबार में खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया।

'बिग बॉस' फेम

बंदगी कालरा

के घर लाखों की चोरी, बहन की शादी के लिए घर में रखे थे कैश

रियलिटी शो 'बिग बॉस 11' से मशहूर हुईं एक्ट्रेस और इन्फ्लुएंसर बंदगी कालरा के घर चोरी की खबर ने सबको चौंका दिया. बताया जा रहा है कि उनकी बहन की शादी से ठीक पहले दिल्ली स्थित उनके घर में लाखों की चोरी हुई है, जिसमें भारी नकदी और कीमती सामान गायब है. इस घटना के बाद से बंदगी काफी परेशान हैं और उन्होंने सिस्टम पर सवाल उठाते हुए पुलिस कार्रवाई में देरी को लेकर निराशा जताई है.दरअसल, हा ही में बंदगी कालरा ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए घर पर हुई चोरी का खुलासा किया. उन्होंने बताया कि जब वो अपने घर लौटीं, तो देखा कि घर का सामान बिखरा पड़ा था और दरवाजों के ताले टूटे हुए थे.

चोर घर से नकदी, गहने और यहां तक कि सीसीटीवी कैमरे का एसडी कार्ड भी चोरी कर भाग गए थे. बंदगी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि उनकी बहन की शादी के चलते उन्होंने घर में बड़ी रकम रखी हुई थी. उन्होंने टूटे हुए ताले और अस्त-व्यस्त घर की तस्वीरें भी इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की थी.

'इतना दर्द था कि नजर नहीं...' जिया खान केस के बाद कैसा था सूरज पंचोली की फैमिली का हाल, एक्टर ने बताया

बॉलीवुड एक्टर सूरज पंचोली जितना अपनी फिल्मों को लेकर फेमस नहीं होते, उससे कहीं ज्यादा उनका नाम कंट्रोवर्सी में हाइलाइट होता है. सूरज इन दिनों अपनी फिल्में केसरी वीर को लेकर चर्चा में हैं. उन्होंने इस फिल्म से लंबे वक्त बाद अपना कमबैक किया है. फिल्म को लेकर लोगों की मिक्सड राय है.

एक्टर सूरज पंचोली की जिंदगी की सबसे बड़ी कंट्रोवर्सी एक्ट्रेस जिया खान के केस में सामने आया उनका नाम थी. इस केस ने बॉलीवुड में आने से पहले ही सूरज का करियर लगभग खत्म कर दिया. जिया की मौत ने किस तरह उनकी जिंदगी बदली, इस बारे में सूरज अब खुलकर अपनी बात रखते हैं. हाल ही में उन्होंने बताया कि मुश्किल दौर में कैसे उनके परिवार ने उनका साथ दिया.

इतना दर्द था, नजर नहीं मिला पाते थे

सूरज केसरी वीर के प्रमोशंस में बिजी हैं. इसी बीच अपने पास्ट पर बात करते हुए सूरज ने कहा कि फैमिली उनका कितना बड़ा सपोर्ट सिस्टम रही है. उन्होंने कहा कि जिया खान केस के वक्त उनके पिता आदित्य पंचोली, ने कैसे उन्हें सपोर्ट किया. उन्होंने बताया कि उस दौर में वो अपनी फैमिली से आंखें नहीं मिला पाते थे. उनका परिवार इतने दर्द में था, कि एक दूसरे को देखना मुश्किल हो जाता था. स्क्रीन के साथ हालिया बातीचत में सूरज ने कहा- मेरी फैमिली के साथ मेरी इक्युएशन अब पहले से काफी बेहतर है. एक वक्त था कि हम एक दूसरे की तरफ नहीं देख पा रहे थे, क्योंकि हमारी आंखों में इतना दर्द था, पर अब सब ठीक है.

पिता से कैसे हैं सूरज के रिश्ते

पिता आदित्य के साथ अपने बॉन्ड पर सूरज ने कहा कि वो दोनों इस हादसे से पहले इतना क्लोज नहीं थे, लेकिन इस हादसे के बाद से दोनों के बीच एक अजीब सा बॉन्ड बन गया और वो आज भी कायम है. उन्होंने कहा कि आदित्य उनके और उनकी बहन के सबसे बड़े सपोर्ट सिस्टम हैं. करियर की बात पर सूरज ने कहा कि वो अजय देवगन से काफी इन्सपायर्ड हैं और उन्हीं की राह पर चलना चाहते हैं.